हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

रायपुर, रविवार 15 सितंबर 2024

दुर्ग के मारो में 15 जून, भाटापारा में अगस्त, धमतरी में अगस्त, बिरगांव में सितंबर का था अल्टीमेटम

एनजीटी की भी कोई नहीं सुनता... नहीं बदली तालाबों की तस्वीर, कहीं पत्रों में उलझी कार्रवाई, कहीं बारिश का रोना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर/जांजगीर-बलौदा/धमतरी/ बालोद

नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल यानी एनजीटी ने छत्तीसगढ़ के 222 तालाबों को लेकर गंभीर चिंता जताई थी। एनजीटी ने अपनी जांच में पाया था कि तालाबों पर कब्जा है। उसके लिए आदेश जारी हुआ और तालाबों को कब्जा मुक्त कराने के लिए तारीखें तय की गईं। सरकार ने भी संबंधित निकायों को सख्त कार्रवाई के आदेश दिए। लेकिन तारीख पे ▶▶ शेष पेज 4 पर

हरिभूमि सरोकार

हरिभूमि
रायगढ़ के 30 तालाबों पर अतिक्रमण
एनजीटी की सूची में मात्र 10 तालाब, एनजीटी ने कहा-छत्तीसगढ़ के 122 तालाबों पर कब्जा, हकीकत इससे भी भयावह
तालाबों को पाटकर कहीं बना ली दुकान, तो कहीं कर लिया कब्जा
छत्तीसगढ़ में 117 तालाबों पर कब्जा,
...पी गए लोग, कब्जा कर मकान बनाए अब उन...

दुर्ग-भिलाई निगम के बहाने राजस्व वाले कुछ नहीं कर रहे

दुर्ग। एनजीटी के सख्त निर्देश के बाद भी नगरीय निकायों ने तालाब से अतिक्रमण हटाने चुस्ती नहीं दिखाई है। दुर्ग निगम आयुक्त की मानें तो तहसीलदार को तालाबों का नाप करने पत्र लिखा गया था, लेकिन राजस्व द्वारा कार्यवाही नहीं की गई। तालाब से अतिक्रमण हटाने में एकतरफ जहां निगम प्रशासन ने राजस्व पर ठीकरा फोड़ दिया है, वहीं राजस्व ने ▶▶ शेष पेज 4 पर

बरसात के बाद प्रक्रिया

अभी बुधवारी बाजार के पास स्थित मोती सागर तालाब को कब्जा मुक्त करने के बाद प्रभावितों को विस्थापन देने की कार्रवाई की गई है। बचे हुए तालाबों के पास से कब्जा हटाने की प्रक्रिया शासन के निर्देश का पालन करते हुए बरसात के बाद शुरू की जाएगी।

- नंदलाल देवांगन, महापौर, नगर निगम, बिरगांव

बालोद में भी सुस्ती

बालोद। शिकारी पारा वार्ड क्रमांक 17 में स्थित कुंडी बरेज तालाब में वार्डवासियों द्वारा लगातार अतिक्रमण किया जा रहा है। वार्डवासियों द्वारा किये गए अतिक्रमण से तालाब की स्थिति देखकर ऐसा लग रहा है, मानो तालाब के ऊपर ही लोगों ने अपना मकान बना लिया हो। एनजीटी के निर्देशों के बाद भी जिम्मेदारों ने सक्रियता नहीं दिखाई है। इस विषय में कोई कदम नहीं उठाया गया है। शिकारी पारा में स्थित कुंडी एवं बरेज तालाब की स्थिति अलग है, यहां न तो बाउंड्रीवाल बनाया है और न ही नाली की निर्माण की गई है। सबसे बड़ी लापरवाही यह भी सामने आ रही है कि तालाब से पानी निकासी के लिए बने जगह को भी कचरे के ढेर में पाट दिया गया है जिसके कारण तालाब के पानी को बाहर भी नहीं निकाला जा ▶▶ शेष पेज 4 पर

सीएमओ ने कहा बाउंड्रीवाल बनाएंगे

नगर पालिका सीएमओ सौरभ शर्मा ने कहा कि तालाब में लोग अतिक्रमण करके मकान बना रहे हैं वह गलत है, पानी निकासी के लिए जगह बना है उसे दिखवाते हैं और तालाब के चारों ओर बाउंड्रीवाल बनाने के लिए प्रस्ताव भेजेंगे।

धमतरी में अफसर सुस्त कहा करेंगे कार्रवाई

धमतरी। तालाबों को अतिक्रमणमुक्त करने के लिए मिले आदेश को अफसरों ने हवा में उड़ा दिया है। दो दर्जन तालाबों को कब्जा मुक्त कराने का आदेश मिला था लेकिन एक भी तालाब को कब्जा मुक्त नहीं कराया गया। कई तालाब तो बुरी तरह से अतिक्रमण की चपेट में हैं, जिसके चलते इन तालाबों के अस्तित्व पर खतरा मंडरा रहा है। खपरी तालाब तो चारों ओर से अतिक्रमण की चपेट में हैं। गैरेज लाइन में होने के कारण यहां गाड़ियों की मरम्मत का काम हो रहा है। कुछ तो पक्के स्ट्रक्चर भी बन गए हैं। कुछ मामले कोर्ट में चल रहे हैं। नया तालाब के चारों ओर इतनी घनी आबादी बस चुकी है कि तालाब नजर ही नहीं ▶▶ शेष पेज 4 पर

नोटिस दिया है, जवाब के बाद कार्रवाई

तालाबों को अतिक्रमणमुक्त करने के लिए कोशिश की जा रही है। अतिक्रमणकारियों को नोटिस थमाया गया है। बारिश का मौसम समाप्त होते ही कार्रवाई शुरू कर दी जाएगी

- विनय पोयाम, कमिश्नर नगर निगम धमतरी

बस्तर, सुकमा कलेक्टर और मुंगेली एसपी हटाए गए, जीएडी ने जारी किया आदेश

कांफ्रेंस के बाद सीएम की सख्ती, दो कलेक्टर, एक एसपी पर गिरी गाज

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कलेक्टर-एसपी कांफ्रेंस में कामकाज की समीक्षा के बाद सख्ती दिखाई। कान्फ्रेंस के बाद दो कलेक्टर एक एसपी को हटाने का फरमान जारी कर दिया गया। प्रदेशभर की रिपोर्ट देखने के बाद सरकार ने यह फैसला लिया।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

बस्तर और सुकमा कलेक्टर को जन प्रतिनिधियों के साथ समन्वय न रख पाने और जनहित के कार्यों में संजीदगी न दिखा पाने का दंड मिला है। वहीं लचर कानून व्यवस्था और प्रशासन के साथ समन्वय न रखने पर मुंगले एसपी को हटा दिया गया। सामान्य प्रशासन विभाग ने आदेश जारी कर बस्तर कलेक्टर विजय दयाराम को सीईओ कौशल विकास अभिकरण के पद पर पदस्थ किया है। उनके स्थान पर सुकमा कलेक्टर हरीष एस कलेक्टर बनाए गए हैं। देवेंद्र कुमार ध्रुव को सुकमा कलेक्टर के पद पर पदस्थ किया गया है। वहीं मुंगेली एसपी के पद पर भोजराज पटेल को पदस्थ करते हुए पुलिस अधीक्षक गिरिजा शंकर जायसवाल को पुलिस मुख्यालय में उप पुलिस महानिरीक्षक नियुक्त किया गया है।

खास खबर

इन पर गिरी गाज

विजय दयाराम, बस्तर कलेक्टर | हरीष एस, सुकमा कलेक्टर | गिरिजा शंकर, मुंगेली एसपी

जनहित के कार्यों को लिए थे फीडबैक

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कलेक्टर-एसपी कांफ्रेंस सभी जिलों के कलेक्टर्स को विकास योजनाओं को धरातल पर लाने, लोगों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने और जिलों में चल रही केंद्र प्रायोजित योजनाओं की सतत मॉनीटरिंग करने के आदेश दिए थे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने पहले ही सभी जिलों से फीडबैक लिया था। श्री साय ने कान्फ्रेंस में ही साफ कर दिया था कि काम न करने वालों को अंजाम भुगतना होगा। फीडबैक लेने के बाद जहां कमी पाई गई वहां पर तत्काल एक्शन लिया गया है।

इसलिए नपे मुंगेली एसपी

मुंगेली एसपी गिरजाशंकर जायसवाल के खिलाफ गंभीर शिकायतें शासन का प्राप्त हुई थी। जिले में कानून व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठे थे। एसपी का प्रशासन के साथ समन्वय न होने के कारण उनकी कार्यप्रणाली पर सवालों के घेरे में थी। उनके मामले में यह भी कहा जा रहा है कि स्वतंत्रता दिवस के कार्यक्रम में बीमार कबूतरों को उड़ाने लाने को लेकर मुख्य सचिव तक शिकायत की गई थी। वहीं स्थानीय प्रशासन के साथ उनका समन्वय ठीक नहीं था। यहां तक हालात थे कि कार्यप्रणाली ही संदेह और सवालों के घेरे में आ गई थी। उस वजह से उनके ऊपर गाज गिरी।

बस्तर कलेक्टर की ढेरों शिकायतें, सुकमा कलेक्टर का कामकाज ढीला

बस्तर कलेक्टर विजय दयाराम के. का स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ समन्वय का अभाव था। समन्वय की कमी के चलते राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं को आम आदमी तक पहुंचाने में कठिनाईयां पैदा होने लगी थीं। इसकी लगातार शिकायत मुख्यमंत्री तक पहुंच रही थी। शासन की कल्याणकारी योजनाओं को लागू करने के प्रति उदासीनता दिख रही थी। जनहित के कार्यों को लेकर संजीदगी में कमी थी। उल्लेखनीय है कि सरकार बस्तर को लेकर बेहद संवेदनशील है। नक्सल खात्मे की ओर बढ़ रही सरकार आम आदमी को सहूलियतें दे रही है। लापरवाही को सरकार ने गंभीरता से लिया। रिपोर्ट मिलने पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय खिन्न हुए और कलेक्टर को तत्काल विदा कर दिया।

थोड़ी राहत.... 260 से 290 रुपए प्रति बोरी, पहले बढ़ाए थे 50 रुपए

हरिभूमि की लड़ाई आम आदमी के काम आई, सीमेंट कंपनियों ने घटाए 45 रुपए

हरिभूमि ने एक बार फिर आम आदमी की लड़ाई लड़ी और लगातार खबरों के प्रकाशन का असर यह हुआ है कि छत्तीसगढ़ की सीमेंट कंपनियों ने यूटर्न लेते हुए सीमेंट के दाम 45 रुपए तक कम कर दिए हैं। ऐसे में अब कीमत लगभग पुराने स्तर पर आ गई है। कीमत कम होने के बाद अब सीमेंट की कीमत 260 से 290 रुपए तक थोक में आ गई है। चिल्हर में कीमत इससे 20 से 30 रुपए तक ज्यादा है। सीमेंट कंपनियों ने डीलरों से कह दिया है कि कीमत कम कर दी गई है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

सीमेंट की 50 रुपए कीमत बढ़ने के बाद जहां रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को पत्र लिखा था, वहीं कांग्रेस ने 12 सितंबर को प्रदेशभर में आंदोलन भी किया। प्रदेश की सीमेंट कंपनियों ने अचानक तीन सितंबर से सीमेंट के दाम में 50 रुपए का इजाफा कर दिया था। ऐसे में जहां अल्ट्राटेक सीमेंट की कीमत थोक में 285 रुपए के स्थान पर 335 रुपए हो गई थी, वहीं बाकी सीमेंट के दाम 300 से 310 रुपए हो गए थे। ऐसा होने की जानकारी रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल को लगने के बाद उन्होंने सीमेंट कंपनियों पर नकेल कसने और कीमत को कम कराने के लिए केंद्रीय मंत्री के साथ मुख्यमंत्री को भी पत्र लिखा।

खबर का असर

बंगाल ने बिगाड़ा सीमेंट का रेट, अब सियासी उबाल, कांग्रेस करेगी आंदोलन, सीएम बोले- विपक्ष का काम ही प्रदर्शन करना
सीमेंट के दाम में 50 रुपए इजाफे के बाद सियासत शुरू हुई
चौतरफा दबाव और सियासी उबाल के बीच 25 से 35 रुपए घट गए सीमेंट के दाम

नान ट्रेड की कीमत नहीं घटाई

सरकारी कामों में लगने वाले सीमेंट को नान ट्रेड कहा जाता है। इसकी कीमत पहले 210 रुपए थी इसको 260 रुपए कर दिया गया है। लेकिन इसकी कीमत में एक पैसे की कमी नहीं की गई है। बिल्डर एसोसिएशन ऑफ इंडिया के रायपुर सेंट्रल के अध्यक्ष रूपेश कुमार सिंघल का कहना है, सीमेंट कंपनियों की मनमर्जी के कारण छत्तीसगढ़ के साथ ही देश के हर राज्य में चल रही सरकारी योजनाओं की लागत बढ़ जाएगी। छत्तीसगढ़ से सीमेंट देश के कई राज्यों में जाता है। ऐसे में सबसे अहम यह है कि नान ट्रेड सीमेंट की कीमत कम होना चाहिए। इसको लेकर प्रदेश सरकार के साथ ही केंद्र सरकार को भी पहल करते हुए सीमेंट कंपनियों पर कीमत को लेकर अंकुश लगाने का काम करना चाहिए। कंपनियां कभी भी कीमत बढ़ा देती हैं, जिसके कारण योजनाओं पर बड़ा असर पड़ता है।

घटाने पड़े दाम

हरिभूमि ने आम आदमी को राहत दिलाने के लिए लगातार खबरों का प्रकाशन किया और अंततः सीमेंट कंपनियों ने तीन बार में कीमत को कम करने का काम किया है। इसी के साथ सीमेंट कंपनियों ने यह भी देखा कि उनके दाम बढ़ाने के खिलाफ प्रदेश में सत्ता पक्ष के नेताओं के साथ विपक्ष भी आ गया है तो कंपनियों ने हाथ वापस खींच लिए। राजधानी रायपुर के सीमेंट कंपनियों के डीलरों के साथ बिल्डिंग मटेरियल का काम करने वाले कारोबारियों ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि अल्ट्राटेक सीमेंट ने पहले जहां कीमत 25 रुपए कम की, वहीं इसके बाद दो बार में 10-10 रुपए दाम और कम किए गए हैं। कुल मिलाकर अल्ट्राटेक ने कीमत 45 रुपए कम कर दी है। अब इस कंपनी का सीमेंट 335 के स्थान पर 290 रुपए में मिल रहा है। इसी कंपनी का बिडला गोल्ड 268 रुपए हो गया है। वहीं बाकी कंपनियों ने एक बार 35 रुपए और दूसरी बार में दस रुपए दाम कम कर दिए हैं। ऐसे में अलग-अलग कंपनियों का सीमेंट अब 260 से 290 रुपए हो गया है। हरिभूमि ने सीमेंट के दाम को लेकर कुछ कंपनियों के अधिकारियों से बात की तो वे कुछ भी बोलने के लिए तैयार नहीं हुए।

जांच टीम ने एमएमआई से मांगे महिला की भर्ती से लेकर मृत्यु तक के सभी दस्तावेज

एमएमआई कांड, रेड एंबुलेंस का ड्राइवर, एयरक्राफ्ट का पायलट और टेक्निकल टीम तलब, अस्पताल भी घेरे में

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

एमएमआई अस्पताल में कथित तौर पर स्वाइन फ्लू से ग्रसित महिला की लापरवाही से मौत मामले ने तूल पकड़ लिया है। स्वास्थ्य विभाग की जांच टीम सक्रिय हो गई है। टीम ने रेड एंबुलेंस के ड्राइवर, एयरक्राफ्ट के पायलट सहित अन्य टेक्निकल टीम को तलब किया है। लापरवाही के मामले में एमएमआई प्रबंधन से महिला के भर्ती होने से लेकर मृत्यु तक के सभी दस्तावेज मांगे गए हैं। वहीं मृतक महिला के परिजनों का आरोप है कि घटना के बाद अस्पताल गलत बयानी कर रहा है। अस्पताल ने इलाज न कर पाने की असमर्थता दिखाई थी और कहा था कि वे हैदराबाद लेकर जाएं।

हरिभूमि फॉलोअप

टाटीबंध में रहने वाले मुकेश खेमानी की 49 वर्षीय पत्नी भारती देवी खेमानी की मौत के मामले जांच शुरू हो गई है। बेटे ओम खेमानी का कहना है कि उनके पास एक दूसरे एयर एंबुलेंस द्वारा पांच लाख में हैदराबाद ले जाने का कोटेशन था, मगर एमएमआई से टाइअप वाली संस्था रेड एंबुलेंस पर विश्वास किया, जिसकी वजह से मां की जान चली गई। उन्होंने कहा कि अस्पताल परिसर के काउंटर में 6.11 लाख का भुगतान किया था इस दौरान मरीज के साथ दो अटेंडर को ले ▶▶ शेष पेज 4 पर

एमएमआई से टाइअप संस्था पर विश्वास भारी पड़ा, दूसरी एयर एंबुलेंस पांच लाख में थी तैयार

10 दिन में 8 लाख खर्च, महिला की मौत, बेटे ने कहा-एमएमआई ने मेरी मां को मार डाला

हड़बड़ी में था पायलट और टीम

ओम ने बताया कि एयर एंबुलेंस का पायलट और अन्य स्टाफ काफी हड़बड़ी में थे। गंभीर होने के बाद भी उन्होंने मां को ऑक्सीजन का सपोर्ट देने के बजाए फ्लाइट टेकऑफ करने की जल्दबाजी कर रहे थे। ओम मां को ऑक्सीजन लगाने निवेदन करते रहे और बिना डॉक्टर के गैर चिकित्सकीय स्टाफ बहाने बनाते रहे। बाद में पता चला कि ऑक्सीजन मशीन खराब है। उड़ान भरने के बाद मरीज की तबीयत और बिगड़ गई। पायलट ने किसी से बात की और फ्लाइट रायपुर में वापस लैंड हो गई और वापस अस्पताल आने के बाद मां को मृत घोषित कर दिया गया।

पायलट ने किया दुर्व्यवहार

जब पूरा परिवार सदमे में था, मां की हालत खराब हो रही थी तब 6 लाख रुपए से अधिक देने के बाद भी एयरपोर्ट में पायलट ने दुर्व्यवहार किया और केवल एक अटेंडर को साथ ले गए। इस दौरान रेड एंबुलेंस के स्टाफ ने भी उनसे रूखा व्यवहार किया था। इस मामले की जांच के लिए स्वास्थ्य मंत्री के निर्देश पर बनाई गई पांच सदस्यीय टीम ने पीड़ित परिवार से संपर्क किया और उन्हें अंतिम संस्कार सहित अन्य कार्यक्रम पूरा होने के बाद मिलने कहा है। वहीं रेड एंबुलेंस, एयर एंबुलेंस और एमएमआई प्रबंधन को मंगलवार को इससे संबंधित दस्तावेज और स्पष्टीकरण के साथ जांच टीम के सामने पेश होने का वक्त दिया है।

आस थी जल्दी घर वापस ले जाएंगे

मां भारती की मौत से सदमे में आ चुके ओम ने हरिभूमि को बताया कि एमएमआई में इलाज के दौरान कुछ दिन पहले चिकित्सकों ने स्वास्थ्य में सुधार होने की जानकारी दी थी। उन्हें इस बात की आस थी कि जल्दी ही स्वस्थ होने के बाद मां को घर ले जाएंगे। बुधवार की रात अस्पताल से उसे फोन आया कि भारती की तबीयत बिगड़ गई है। हैदराबाद जाने की सलाह पर भी एक आस बंधी थी, मगर एयर एंबुलेंस के स्टाफ की लापरवाही से सब कुछ बदल गया... और मां अब कभी लौटकर नहीं आएगी।

सीएम साय का ऐलान

छत्तीसगढ़ में एमबीबीएस की पढ़ाई होगी हिंदी में भी

हिंदी दिवस पर मुख्यमंत्री ने की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में मेडिकल की पढ़ाई अब हिंदी में भी कराई जाएगी। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने इसका ऐलान किया है। हिंदी दिवस पर संवाददाताओं से चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, छत्तीसगढ़ में डॉक्टरी की पढ़ाई अब हिंदी में होगी। उन्होंने इस बात पर भी बल दिया कि जब तक पठन-पाठन और काम काज में हिंदी को बढ़ावा नहीं मिलेगा, तब तक हम हिंदी दिवस के उद्देश्य को हासिल नहीं कर सकते। उन्होंने सभी छत्तीसगढ़ वासियों को हिंदी दिवस की बधाई देते हुए कहा, राज्य में मौजूदा सत्र से मेडिकल की पढ़ाई हिंदी में भी होगी।

मुख्यमंत्री निवास में आयोजित पत्रकारवार्ता में मुख्यमंत्री ने कहा, आज हिंदी दिवस है। समस्त छत्तीसगढ़ वासियों को हिंदी दिवस की शुभकामनाएं और बधाई। आज हमारी सरकार एक ▶▶ शेष पेज 4 पर

ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्रों को होगा लाभ

मुख्यमंत्री ने कहा, वर्तमान में राज्य में 10 शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय हैं। हिंदी में चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध कराने का सबसे अधिक लाभ हमारे ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्रों को होगा जो अधिकतर हिंदी मीडियम से होते हैं, जो प्रतिभाशाली होते हैं, लेकिन अंग्रेजी की वजह से उन्हें चिकित्सा पाठ्यक्रम में कुछ दिक्कत आती है। अब यह दिक्कत दूर हो जाएगी। इससे चिकित्सा छात्र छात्राओं का आधार भी मजबूत होगा और अच्छे चिकित्सक तैयार करने में इससे अधिक मदद मिलेगी। मातृभाषा में शिक्षा दिए जाने का यह सबसे बड़ा लाभ यह होता है कि इससे विषय की बारीक समझ बनती है। इसे हम छत्तीसगढ़ में हर स्तर पर कार्यान्वित करने के लिए कृत संकल्पित हैं।

खबर संक्षेप

फर्जी 'गिरफ्तारी नोटिस' पर जवाब ना दें : पुलिस

मुंबई। मुंबई पुलिस आयुक्त विवेक फणसालकर ने लोगों से आग्रह किया कि अगर उन्हें ईमेल, फोन कॉल या मैसेजिंग ऐप के माध्यम से कोई फर्जी ''गिरफ्तारी नोटिस'' प्राप्त होता है तो वे पुलिस से संपर्क करें। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''क्या आपको मुंबई पुलिस आयुक्त से गिरफ्तारी का नोटिस मिला है? इसे हमारे संज्ञान में लाएं। मुंबई पुलिस आयुक्त की ओर से प्राप्त किसी भी फर्जी गिरफ्तारी नोटिस पर विश्वास न करें या उसका जवाब न दें।'फणसालकर ने कहा कि लोगों को ऐसे धोखेबाजों के झांसे में नहीं आना चाहिए जो इस तरह का संदेश भेजते हैं, बल्कि इसकी सूचना पुलिस को देनी चाहिए। आयुक्त ने ऐसे ही एक नोटिस का स्क्रीनशॉट भी पोस्ट किया। हाल में ऑनलाइन धोखाधड़ी के कई मामले प्रकाश में आए हैं, जहां धोखेबाज पुलिस या कानून लागू करने वाली एजेंसियों के अधिकारी रूप में पेश आते हैं और पैसे ऐंठ लेते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने डोडा और हरियाणा में रैली विपक्ष पर साधा निशाना

परिवारवाद ने जम्मू-कश्मीर को किया खोखला कांग्रेस चाहती है आतंक के दौर को फिर लौटाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जम्मू/कुरुक्षेत्र

जम्मू-कश्मीर व हरियाणा में होने वाले विधानसभा चुनावों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को डोडा और हरियाणा के कुरुक्षेत्र में चुनावी रैली को संबोधित किया। इसमें उन्होंने विपक्ष पर जमकर हमला बोला। डोडा में उन्होंने कहा कि यहां परिवारवाद ने खूबसूरत जम्मू-कश्मीर को खोखला कर दिया है। नया जम्मू-कश्मीर विकास की नई गाथा लिख रहा है।

डोडा में उमड़ा ये जनसमूह साफ बता रहा है कि लोकतंत्र यहां के लोगों की रगों में है। वहीं पीएम ने हरियाणा के कुरुक्षेत्र में रैली को संबोधित करते हुए आतंकवाद के मुद्दे को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा। मोदी ने कांग्रेस पर दलित विरोधी होने का आरोप लगाया।

उन्होंने कहा, भारत में सबसे बड़ा दलित, ओबीसी और आदिवासी विरोधी अगर कोई है तो वो कांग्रेस का परिवार है। अभी इन लोगों ने कहा है कि अगर सरकार में आए तो दलितों और पिछड़ों का आरक्षण खत्म कर देंगे। यही इस परिवार की सच्चाई है। पीएम मोदी ने दोनों ही राज्यों में भाजपा की सरकार बनाने का अनुरोध किया।

कुछ परिवारों ने आपके बच्चों की चिंता नहीं की

प्रधानमंत्री मोदी ने डोडा में कहा, राजनीति में परिवारवाद ने जम्मू-कश्मीर को खोखला किया है। जिन राजनीतिक दलों पर आप लोगों ने भरोसा किया, उन्होंने आपके बच्चों की चिंता नहीं की। इन दलों ने सिर्फ अपने बच्चों को आगे बढ़ाया। जम्मू-कश्मीर के बच्चे आतंकवाद में पिसते रहे और परिवारवाद को आगे बढ़ाने वाली पार्टियां आपको गुमराह करके मौज काटती रहीं। उन्होंने आगे कहा, इन लोगों ने जम्मू-कश्मीर में नए नेतृत्व को कभी भी उभरने का मौका ही नहीं दिया।

अंतिम सांसें गिन रहा आतंकवाद- मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने जम्मू-कश्मीर के लोगों ने गारंटी देते हुए कहा, जम्मू कश्मीर में रहने वाला कोई भी व्यक्ति चाहे वो किसी भी मजहब का हो, किसी भी वर्ग का हो, भाजपा की प्राथमिकता है। आपके हर अधिकार की रक्षा करना मोदी की गारंटी है" उन्होंने कहा, भाजपा, एक ऐसा जम्मू-कश्मीर बनाने जा रही है, जो आतंकवाद मुक्त होगा और पर्यटकों के लिए स्वर्ग होगा। जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद अब अपनी अंतिम सांसें गिन रहा है।

घाटी के नौजवानों और 3 खानदानों के बीच है चुनाव

प्रधानमंत्री ने कहा, जम्मू-कश्मीर का इस बार का विधानसभा चुनाव 3 खानदानों और जम्मू-कश्मीर के नौजवानों के बीच में है। एक खानदान कांग्रेस का है, एक खानदान नेशनल कॉन्फ्रेंस का है, एक खानदान पीडीपी का है। जम्मू-कश्मीर में इन 3 खानदानों ने मिलकरआप लोगों के साथ जो किया है, वो किसी पाप से कम नहीं है। उन्होंने कहा, इस बार जम्मू-कश्मीर में होने वाला विधानसभा चुनाव यहां का भाग्य तय करने वाला है।

सेना पर उठने वाले पत्थरों का जमाना हुआ पुराना
पीएम मोदी ने कहा, पिछले 10 साल में जम्मू-कश्मीर जो बदलाव आया है, वो किसी सपने से कम नहीं है। जो पत्थर पहले पुलिस और फौज पर उठते थे, उन पत्थरों से नया जम्मू कश्मीर बन रहा है।

नफरत की दुकान पर मोहब्बत की दुकान का बोर्ड : *प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, ये लोग संविधान की बात करते हैं और नफरत की दुकान पर मोहब्बत की दुकान का बोर्ड लगाकर घूमते हैं। ये लोग संविधान को अपनी जेब में रखते हैं। ये दिखावा अपने काले कारनामों को छिपाने के लिए कर रहे हैं।*

हरियाणा में गरजे मोदी

कांग्रेस फिर से आतंकवाद को खड़ा करना चाहती है

पीएम मोदी ने आरोप लगाया, कांग्रेस से बड़ी बेईमान और धोखेबाज पार्टी कोई दूसरी नहीं है। कांग्रेस पार्टी जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 फिर से लागू करना चाहती है यानि, कुछ साल पहले तक, वहां हरियाणा के हमारे वीर सैनिकों पर जो पत्थर चलते थे, कांग्रेस उस दौर को वापस लाना चाहती है। कांग्रेस आतंक और अलगाव के उस कालखंड को वापस लौटाना चाहती है... वह फिर से जम्मू कश्मीर को पुराने दौर में लौटाना चाहती है। कांग्रेस को अब झूठ बोलने में कोई शर्म नहीं आती है। कांग्रेस हर रोज एक नया झूठ बोलती है।

देश की एकता पर हमला कर रही कांग्रेस- पीएम मोदी

राजनीतिक सभा को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा, कांग्रेस देश की एकता पर लगातार हमला कर रही है। बीजेपी को बदनाम करने के लिए उसको भारत को बदनाम करने में शर्म नहीं आ रही है, इसलिए अब कांग्रेस और उसके साथियों से सावधान रहना है। आज की कांग्रेस अर्बन नक्सल का नया रूप बन गई है।

'जिंदगी खटाखट नहीं, इसके लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है': जयशंकर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

■ स्विट्जरलैंड के जिनेवा से विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने राहुल गांधी पर कसा तंज

विदेश मंत्री डॉ.एस.जयशंकर ने अपनी जिनेवा (स्विट्जरलैंड) यात्रा में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के लोकसभा चुनाव से जुड़े खटाखट, खटाखट वाले बयान पर बेहद अनोखे अंदाज में तंज कसा है। उन्होंने कहा कि 'जिदंगी खटाखट नहीं है, इसके लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ती है'। भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि जब तक हम मानव संसाधन को विकसित नहीं करते हैं। तब तक कड़ी मेहनत करनी होती है। इसलिए जीवन खटाखट नहीं है। इसके लिए कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है। कोई भी व्यक्ति जिसने नौकरी की है और मेहनत की है। वो इसे जानता है। इसलिए आपके लिए मेरा संदेश है कि कड़ी मेहनत की जाए। मानव संसाधन के मामले में भारत बहुत कुछ हासिल कर चुका है। लेकिन हमारा इरादा इससे और आगे जाने का है।

प्याज-बासमती चावल पर टैक्स में कमी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

■ मोदी सरकार का बड़ा फैसला

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने हाल ही में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है, जिसमें प्याज और बासमती चावल पर टैक्स कम करने का निर्णय लिया है। सरकार के इन निर्णयों का मुख्य उद्देश्य कृषि उत्पादों के मूल्य में स्थिरता बनाए रखना और किसानों की आर्थिक स्थिति को मजबूत करना है।

भारतीय कृषि उत्पादों के निर्यात को प्रोत्साहन मिलेगा और घरेलू बाजार में वस्तुओं की कीमतों में संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी। एपीडा को इन निर्णयों को लागू करने के लिए तत्काल कदम उठाने का निर्देश दिया गया है। एपीडा बासमती निर्यात के लिए किसी भी अवास्तविक मूल्य पर होने वाले निर्यात अनुबंधों पर करीब से नजर रखेगा।

झारखंड के दुमका जिले की घटना

मिड डे मील की दाल में मिली छिपकली, 65 बच्चे बीमार

एजेंसी ▶▶| दुमका

झारखंड के दुमका जिले के मसलिया प्रखंड के प्लस टू उच्च विद्यालय मोहनपुर में मिड डे मील के दौरान एक गंभीर घटना सामने आई है। सरकारी स्कूल के बच्चों को दाल में छिपकली मिल जाने के बाद 65 बच्चे बीमार हो गए। बच्चों की तबीयत बिगड़ते ही उन्हें स्थानीय स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। इस घटना ने प्रशासनिक अधिकारियों को हिला कर रख दिया है और कई स्तरों पर जांच की जा रही है। अभिभावकों ने कहा कि रयोइया और प्रभारी प्रधानाध्याक इसके लिए जिम्मेदार हैं। शिक्षकों और रसोइया पर कार्रवाई होनी चाहिए। सूचना के मुताबिक, बच्चों की तबीयत खराब होते ही अभिभावक स्कूल पहुंचे।

बीमार बच्चों की हालत ख़राब
बच्चों के बीमार पड़ने की सूचना मिलते ही अभिभावक स्कूल पहुंच गये। अभिभावकों के अनुसार भोजन में छिपकली गिरी थी। बच्चों ने जैसे-जैसे खाना खाया, उनकी तबीयत बिगड़ने लगी। छोटे-छोटे बच्चों को पहले उल्टी होने लगी। कुछ बच्चों के पेट व गला में दर्द होने लगा। बच्चों की हालत देख वहां हड़कंप मच गया और आनन-फानन बच्चों को अस्पताल में भर्ती कराया गया।

चुनाव खर्च छिपाने पर अमृतपाल सिंह को हाईकोर्ट का नोटिस

एजेंसी ▶▶| चंडीगढ़

पंजाब के खडूर साहिब से निर्दलीय सांसद अमृतपाल सिंह की संसद सदस्यता पर खतरा मंडरा रही है। चुनाव रद्द करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने जेल में बंद सांसद अमृतपाल सिंह को नोटिस जारी किया है।

अदालत ने इस नोटिस को डिब्रूगढ़ जेल में सर्व करने का आदेश दिया है। बता दें कि वारिस पंजाब दे संगठन के प्रमुख और खालिस्तानी नेता अमृतपाल सिंह ने खडूर साहिब सीट से चुनाव जीता है। अमृतपाल सिंह असम के डिब्रूगढ़ की जेल में बंद है। अमृतपाल सिंह ने कांग्रेस के कुलबीर सिंह जीरा को 1.97 लाख वोटों से हराया है।

क्या है याचिकाकर्ता का आरोप : *दरअसल, खडूर साहिब लोकसभा क्षेत्र से निर्दलीय प्रत्याशी विक्रमजीत सिंह ने अमृतपाल सिंह के खिलाफ याचिका दायर की थी। अपनी याचिका में विक्रमजीत ने आरोप लगाया कि अमृतपाल सिंह ने चुनाव के दौरान चुनावी प्रचार में किए गए खर्च की कोई जानकारी नहीं दी है। साथ ही उन्होंने कहा कि उन्होंने अपने प्रचार में धार्मिक प्रतीकों और धार्मिक स्थलों का इस्तेमाल किया है, जो कि पूरी तरह से गलत है। याचिका में कई आरोप लगाते हुए अमृतपाल सिंह का चुनाव रद्द करने मांग की है।*

कचरा बीनने वाले ने जैसे ही छुआ बैग हुआ विस्फोट

एजेंसी ▶▶| कोलकाता

पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में संदिग्ध बैग में धमाके की खबर सामने आयी है। इस घटना में कचरा बीनने वाले एक शख्स के घायल होने की खबर है, जो उस बैग को उठाने का प्रयास कर रहा था। घायल शख्स को हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, कोलकाता के एसएन बनर्जी रोड पर संदिग्ध बैग की सूचना मिली थी। जब तक पुलिस वहां पहुंचती तब तक वहां से गुजर रहे कचरा बीनने वाले बापी दास नामक एक शख्स ने उस बैग को उठाने की कोशिश की। इस दौरान धमाका हो गया। धमाका होते ही मौके पर अफरातफरी मच गई। घायल की दाहिनी कलाई पर चोट लगी है।

चश्मदीद ने ये बताया : *इस घटना में चश्मदीद ने बताया, विस्फोट के समय हम पास में खड़े थे। हम तुरंत मौके पर दौड़े और देखा कि एक व्यक्ति जो कूड़ा बीनने वाला था, पास पड़ा था। व्यक्ति की दाहिनी कलाई पर चोट आई है। धमाके की आवाज बहुत तेज थी। पुलिस तुरंत यहां पहुंची और घायल को अस्पताल पहुंचाया। यातायात रोक कर दिया गया था। कोई और घायल नहीं हुआ।*

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

टमाटर और भाटा की नर्सरी गली

मेड़ेसरा के किसान लीमन साहू, पथरिया के किसान संदीप सोलंकी, ननकट्ठी के किसान सीताराम साहू, झेंझरी के किसान नारायण देशमुख, छत्तीसगढ़ प्रगतिशील किसान संघ के झबेंद्र भूषण आदि ने बताया कि टमाटर और भाटा की नर्सरी हाल ही में लगाई गई शेष पेज 4 पर

तबाही की बारिश, 70 फीसदी सब्जी की फसल बर्बाद

शिवनाथ-आमनेर नदी की बाढ़ का कहर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

शिवनाथ नदी और आमनेर नदी में बाढ़ की वजह से नदी किनारे लगी सब्जी की फसल पूरी तरह तबाह हो गई है। जिला प्रशासन ने उद्यानिकी विभाग को फसल क्षति सर्वे के निर्देश दिए हैं। बाड़ियों में अब तक पानी भरा है। दुर्ग जिले में 7923 हेक्टेयर में इस बार सब्जी की फसल ली गई है। जिसमें 70 फीसदी फसल दुर्ग और धमधा नदी क्षेत्र की सड़-गलकर नष्ट हो गई है। शिवनाथ नदी और आमनेर नदी किनारे के गांवों में बाढ़ का पानी घुसने से सब्जी की सबसे ज्यादा बर्बादी हुई है। पथरिया, मेड़ेसरा, डोमा,ननकट्ठी, झेंझरी, सगनी, परसोदा, चंगोरी, डांडेसरा, झोला,अछोटी, आलबरस, मालूद, बेलोदी, बिरेझर, भोथली, कोटनी, पीपरछेड़ी, महमरा, भरदा, अरसनारा, रूद्रा, अंजोरा आदि गांवों में सब्जी फसल को काफी नुकसान पहुंचा है।

उत्तराखंड में बारिश से 4 की मौत, ताजमहल की छत से टपका पानी

नई दिल्ली/देहरादून। उत्तराखंड के कई स्थानों खासतौर से कुमाऊं क्षेत्र में पिछले 24 घंटों में हुई भारी बारिश के कारण चार लोगों की मौत हो गई और दो अन्य लोग लापता हो गए। इधर, आगरा में जोरदार बारिश से ताजमहल के मुख्य मकबरे की छत टपकने लगी है। एएसआई ने इसकी जांच की। उत्तर प्रदेश तेज बारिश के कारण 48 घंटे में 21 लोगों की मौत हुई।

आज से झमाझम, सरगुजा से बस्तर तक तीन दिन बारिश के आसार

रायपुर। बांग्लादेश के ऊपर बना गहरा अवदाव का सिस्टम उत्तर छत्तीसगढ़ की ओर आगे बढ़ रहा है। इसके प्रभाव से अगले तीन दिन तक प्रदेश के मौसम में बदलाव होने की उम्मीद है। सिस्टम के प्रभाव से सरगुजा से लेकर बस्तर तक बारिश होने की संभावना है। पिछले तीन दिन से राज्य में वर्षा की गतिविधि काफी कम है। इसकी वजह से तापमान में वृद्धि होने से थोड़ी उमस जैसी स्थिति बनी हुई है। मौसम विज्ञान केंद्र के विशेषज्ञों के अनुसार रविवार से प्रदेश के मौसम में बदलाव की उम्मीद बन रही है। रविवार को बलरामपुर, रायगढ़, जशपुर, अंबिकापुर सहित आसपास के इलाकों में बारिश के रूप में बदलाव नजर आने की गुंजाइश है। इसके बाद सोमवार और मंगलवार को इसका प्रभाव मध्य और दक्षिण छत्तीसगढ़ में नजर आने के आसार बन रहे हैं। पिछले सोम- मंगल की दरम्यानी रात रायपुर में रिकार्ड तोड़ बारिश हुई थी। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार इस बार भी बना सिस्टम काफी शक्तिशाली है अगर इसमें किसी तरह का बदलाव नहीं होता है तो प्रदेश में अच्छी वर्षा होने के आसार हैं। संभावना यह भी जताई गई है कि अगले चौबीस घंटे में सरगुजा संभाग के एक दो स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है।

- बांग्लादेश का सिस्टम आ रहा उत्तर छत्तीसगढ़ की ओर

लीला देवी कॉलेज ऑफ नर्सिंग एण्ड फार्मेसी

बी एस सी नर्सिंग [60 Seats]

डिप्लोमा इन फार्मेसी [60 Seats]

महाविद्यालय परिसर : ग्रेटर रायपुर, मोतीपुर, जामगांव रोड, जिला -दुर्ग
9131880895, 8319870997

6, इंस्टीट्यूशनल एरिया, मुखर्जी हॉस्टल के पीछे, शासकीय विज्ञान महाविद्यालय, रायपुर
83700 77700, 7024125200

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

एसआई भर्ती परीक्षा रद्द करने की याचिका खारिज

बिलासपुर। सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा 2018 को लेकर हाईकोर्ट से अभ्यर्थियों के लिए राहत भरा फैसला आया है। हाईकोर्ट के डिवीजन बेंच ने भर्ती रद्द करने की याचिका को खारिज कर दिया है। सब-इंस्पेक्टर भर्ती परीक्षा में असफल होने वाले अभ्यर्थियों ने हाईकोर्ट के डिवीजन बेंच में याचिका लगाई थी। हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने सुनवाई के बाद शेष पेज 4 पर

अब पटरियों में आरपीएफ की होगी तैनाती

ये कुंठित लोग हैं...वंदे भारत में पथराव पांच बोगियों के तड़के कांच, 5 गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दुर्ग से विशाखापट्टनम के लिए नई वंदे भारत का 16 सिंतबर को रायपुर में उद्घाटन होना है, लेकिन इससे पहले ट्रेन पथराव का शिकार हो चुकी है। वंदे भारत ट्रेन को असामाजिक तत्वों से बचाना रेलवे के लिए अब चुनौती बन गई है। परिचालन से पहले जब ट्रायल के लिए ट्रेन विशाखापट्टनम गई। रेलवे को आशंका थी कि ट्रेन में पथराव हो सकता है। इसके लिए आरपीएफ को निर्देश भी दिया गया है, जिसके बाद भी शनिवार को जब ट्रेन लौट रही थी, तभी बागबाहरा रेलवे स्टेशन पर कुछ असामाजिक तत्वों ने ट्रेन पर पत्थर फेंके, जिससे तीन कोच C2-10, C4-1 और C9-78 के शीशे टूट गए। इस घटना के बादरेलवे पुलिस ने पांच आरोपियों को घंटेभर के भीतर ही गिरफ्तार किया है, जिनमें सभी बागबाहरा के निवासी हैं। रेलवे पुलिस ने रेलवे एक्ट 1989 के तहत मामला दर्ज कर आरोपियों को शनिवार को रायपुर रेलवे कोर्ट में पेश किया।

- महासमुंद जिले में बागबाहरा रेलवे स्टेशन पर वंदे भारत ट्रेन पर हुई पथराव की घटना
- सप्ताह में छह दिन चलेगी वंदे भारत, 16 से शुरू होगी टिकट बुकिंग

ट्रायल रन पर निकली थी ट्रेन

परिचालन से पहले पथराव ने रेलवे के लिए मुश्किलें बढ़ा दी हैं। दो दिन के बाद अब परिचालन होना है, जिससे पहले ट्रेन के कांच का मेंटनेंस किया जाएगा। बता शेष पेज 4 पर

सुरक्षित यात्रा का करेंगे अनुभव

वंदेभारत में यात्रियों को सुरक्षित यात्रा का अनुभव होगा। ट्रेन में पथराव जैसी अप्रिय घटना से बचने के लिए विशेष निर्देश दिया गया है। पहले दिन समाज के सभी वर्ग को सफर करने का मौका मिलेगा।

- **अवधेश कुमार त्रिवेदी,** सीनियर डीसीएम

स्कूली बच्चे, जनप्रतिनिधि और समाज के लोग होंगे शामिल

नई वंदे भारत में एक्सप्रेस में रेलवे प्रशासन ने समाज के सभी वर्गों को सफर के लिए आमंत्रित किया है। सीनियर डीसीएम अवधेश त्रिवेदी ने बताया कि 16 कोच में यात्री सफर करेंगे, जिसमें स्कूली बच्चे, दिव्यांगजन, मंत्री, सांसद, विधायक के साथ पार्षद भी शामिल रहेंगे। 800 से अधिक सीट में रेलवे अधिकारियों का परिवार, वेंडर्स, कुली और ओडिया, सिख, गुजराती समेत विभिन्न धर्म के लोगों को पहले ट्रेन में सफर करने का मौका मिलेगा। यह सफर एक से दो घंटे का होगा। महासमुंद से रायपुर लौटने के लिए रेलवे ने अलग से व्यवस्था बनाई है।

गुरुवार छोड़कर छह दिन चलेगी ट्रेन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16 सितंबर को चार बजे वंदे भारत एक्सप्रेस को वीडियो कान्फ्रेंसिंग के माध्यम से हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ करेंगे। गाड़ी संख्या 20829/20830 दुर्ग-विशाखपट्टण-दुर्ग वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सेवा सप्ताह में छह दिन, गुरुवार को छोड़कर दोनों छोर से संचालित की जाएगी। यह ट्रेन उदद्घाटन स्पेशल के रूप में स्पेशल समय-सारणी के अनुसार चलाई जाएगी। 20 सितंबर से दुर्ग-विशाखपट्टण-दुर्ग वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन अपने नियमित समय-सारणी के अनुसार चलेगी। 16 के बाद ही ट्रेनों में बुकिंग ऑनलाइन शुरू होगा। यह ट्रेन 16 कोच के साथ चलेगी।

प्रधानमंत्री आवास में 'नया सदस्य' आया

गाय ने बछिया को जन्म दिया मोदी ने 'दीपज्योति' नाम रखा

नई दिल्ली। पीएम मोदी के घर में एक नन्हे मेहमान का आगमन हुआ है। पीएम मोदी ने इस नए मेहमान का नाम 'दीपज्योति' रखा है। पीएम मोदी ने एक पोस्ट में कहा, 'हमारे शास्त्रों में कहा गया है- गावः सर्वसुख प्रदाः। प्रधानमंत्री आवास में प्रिय गौ माता ने एक नव वत्सा को जन्म दिया है, जिसके मस्तक पर ज्योति का चिह्न है। इसलिए, मैंने इसका नाम 'दीपज्योति' रखा है।'

दो जवानों की शहादत के बदले 5 आतंकी मारे

एजेंसी ▶▶| श्रीनगर

जम्मू कश्मीर के बारामूला जिले में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ में शनिवार को तीन आतंकवादी मारे गए। एक अलग मुठभेड़ में सेना की राइजिंग स्टार कोर इकाई के जवानों ने शुक्रवार को कठुआ में दो आतंकवादियों को मार गिराया था। एक दिन पहले दो जवान शहीद हो गए थे। पुलिस ने बताया कि उत्तरी कश्मीर जिले में पट्टन इलाके के चक टप्पर क्रीरी में सुरक्षाबलों ने शुक्रवार देर रात घेराबंदी कर तलाश अभियान शुरू किया था।

केंद्र ने तेल पर आयात शुल्क बढ़ाया, छग में बढ़ गए दाम

प्रदेश में 5 से 10 रुपए तक बढ़ गए दाम, सोमवार को और हो सकता है इजाफा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

महंगाई है कि थमने का नाम नहीं ले रही है। अब त्योहारी सीजन के प्रारंभ होने से पहले खाद्य तेलों में आयात शुल्क बढ़ने के कारण महंगाई का उबाल आ गया है। वैसे बीते माह ही थोक में पांच रुपए तक चिल्हर में कीमत में 5 से 15 रुपए तक प्रति लीटर में इजाफा किया गया था। अब फिर से दस रुपए तक दाम और बढ़ा दिए गए हैं। सोमवार को दाम और बढ़ने की संभावना है। त्योहारी सीजन का आगाज वैसे तो गणेश चतुर्थी के साथ हो गया है, लेकिन अब पितृपक्ष के कारण बाजार में सन्नाटा रहने वाला है। इसके बाद नवरात्रि और दीपावली के लिए जमकर खरीदारी होनी है। त्योहारी सीजन की खरीदारी से पहले ही केंद्र सरकार ने खाद्य तेलों को लेकर बड़ा झटका दे दिया है। आयात शुल्क में इजाफा होने के कारण राजधानी रायपुर के सबसे बड़े डूमरतराई बाजार में खाद्य तेलों की कीमत में 5 से दस रुपए का इजाफा प्रति लीटर पर कर दिया गया है। इसी तरह से प्रति टिन पर भी दो से ढाई सौ रुपए कीमत बढ़ा दी गई है। डूमरतराई के कारोबारियों का कहना है शेष पेज 4 पर

एक माह में दूसरी बार कीमत बढ़ी

खाद्य तेलों में सबसे ज्यादा बिकने वाले सोया और राइस ब्रान तेल की बात करें तो इसकी कीमत जुलाई में सौ रुपए से कम थी। सोया तेल और राइस ब्रान थोक में 90 रुपए के आस-पास और चिल्हर में 95 से 98 रुपए में बिक रहा था। लेकिन बीते माह त्योहारी सीजन प्रारंभ होने से पहले इसकी कीमत बढ़ाई गई थी। अब एक बार फिर से आयात शुल्क के कारण कीमत में इजाफा किया गया है। ऐसे में एक माह से कम समय में ही कीमत दो बार बढ़ गई है। अब सोया तेल जहां थोक में सौ के पार होकर 105 से 110 रुपए शेष पेज 4 पर

सरकार ने तेल पर बढ़ाया सीमा शुल्क

नई दिल्ली। सरकार ने कच्चे और रिफाइंड सूरजमुखी तेल पर सीमा शुल्क बढ़ाने का फैसला किया है। इसे बढ़ाकर 20 फीसदी और 32.5 फीसदी किया गया है। वित्त मंत्रालय के मुताबिक, कच्चे पाम, सोयाबीन और सूरजमुखी के तेल पर मूल सीमा शुल्क शून्य से बढ़ाकर 20 फीसदी कयिा गया है। वहीं, रिफाइंड पाम, सोयाबीन और सूरजमुखी के तेल पर मूल सीमा शुल्क 12.5 फीसदी से बढ़ाकर 32.5 फीसदी हो गया है। सरकार को उम्मीद है कि इससे देश के कसािनों को फायदा होगा। यह और बात है कि वदिेश से आने वाला ईडेबल ऑयल शेष पेज 4 पर

पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में मारा गया 5 लाख का इनामी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

जिला सुकमा के थाना चिंतागुफा क्षेत्रांतर्गत तुमालपाड़ के जंगल और पहाड़ी में शनिवार की सुबह पुलिस-नक्सली मुठभेड़ हुई। इसमें 5 लाख इनामी नक्सली मारा गया, मौके से हथियार सहित बड़ी मात्रा में नक्सली सामग्री बरामद किया गया। प्राप्त जानकारी शेष पेज 4 पर

- अभियान में जिला बल, डीआरजी, बस्तर फाईटर्स की रही संयुक्त कार्यवाही

मारे गए नक्सली की हुई शिनाख्त

आईजी सुंदरराज पी. ने बताया कि मारे गए नक्सली प्रतिबंधित नक्सल संगठन में जुड़कर विभिन्न नक्सली गतिविधियों पुलिस गस्त पार्टी की रेकी कर हमला करना, पुलिस पार्टी शेष पेज 4 पर

कनिष्ठ प्रशा. संघ अध्यक्ष ने कहा-2 साल में 6 बार तबादला

राजस्व मंत्री टंकराम पर पैसे लेकर ट्रांसफर का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में तहसीलदार और नायब तहसीलदारों के थोक में तबादले से नाराज कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ ने राजस्व मंत्री टंकराम के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। बता दें कि, संघ ने ट्रांसफर में पैसे का भारी लेन देन होने का आरोप लगाया है। वहीं इस मामले को लेकर कनिष्ठ प्रशासनिक सेवा संघ ने हाईकोर्ट जाने की बात भी कही है। कनिष्ठ प्रशासनिक शेष पेज 4 पर

- संघ के पदाधिकारियों को टारगेट कर किया गया तबादला
- ट्रांसफर में लेन देन का आरोप क्राइटेरिया का पालन नहीं

कनिष्ठ प्रशासनिक संघ में दो फाड़

कनिष्ठ प्रशासनिक संघ इस मामले में दो फाड़ हो गया है। संघ के सचिव गुरुदत्त पंचभाये और कोषाध्यक्ष राममूर्ति दीवान ने कहा है कि अध्यक्ष ने बाकी पदाधिकारियों से बिना विचार विमर्श किए बयान दिया है। संघ इसके पक्ष में नहीं है। इस तरह के बयान का संघ खंडन भी करता है।

हाईकोर्ट पहले ही खारिज कर चुका है ट्रांसफर लिस्ट

संघ के अध्यक्ष ने कहा, हम हाईकोर्ट के माध्यम से अपनी बात रखेंगे। 3 महीने पहले 150 लोगों की सूची निकली थी। हमारी अपील पर उसे हाईकोर्ट ने निरस्त किया था। लोग विधानसभा चुनाव से 2-3 महीने पहले स्थानांतरित हुए थे। जैसे ही सरकार बदली फिर ट्रांसफर कर दिया गया।

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के विदेश दौरे हमेशा विवाद में होते हैं। ताजा ताजा अमेरिका के दौरे पर गए राहुल गांधी के बयानों ने विवाद पैदा कर दिया है। उन्होंने चीन पर, सिखों पर, आरक्षण पर, बेरोजगारी पर, भाजपा व संघ पर ऐसे बयान दिए, जिससे उनकी आलोचना हो रही है। उन्होंने अमेरिका की भारत विरोधी डेमोक्रेटिक सांसद इल्हान उमर से मुलाकात कर जता दिया है कि उन्हें भारत राष्ट्र की छवि की बिल्कुल परवाह नहीं है। इल्हान हमेशा कश्मीर और खालिस्तान को अलग देश बनाए जाने वाली मांग का समर्थन करती रही हैं। अमेरिका में राहुल ने कहा, 1. चीन उत्पादन में सबसे आगे, भारत बहुत पीछे है, 2. भारत में कुशल लोगों का सम्मान नहीं है, 3. भारत में सिखों को पगड़ी पहनने की इजाजत नहीं है, 4. समान अवसर मिलने पर आरक्षण खत्म करेंगे, 5. भारत में कौशल का सम्मान नहीं होने के चलते बेरोजगारी है, 6. संघ व भाजपा एक तरह के लोगों का भारत चाहते हैं। यह पहली बार नहीं है, जब विदेश की धरती पर राहुल ने विवादित बयान दिए हैं। 2017 में अमेरिका दौरे पर राहुल ने भारत में बढ़ती हिंसक घटनाओं को लेकर बीजेपी पर निशाना साधा था। अगस्त 2018 में लंदन में कहा था कि आरएसएस की सोच अरब देशों की मुस्लिम ब्रदरहुड जैसी है। इसी वर्ष सिंगापुर में भाजपा पर बांटने की राजनीति का आरोप लगाया। 2018 में ही जर्मनी व मलेशिया की यात्रा के दौरान मॉब लिंचिंग व नोटबंदी को लेकर मोदी सरकार को घेरा। 2019 में चुनाव से पहले मेडिटेशन टूर पर कंबोडिया चले गए थे। इसी वर्ष सीएए आंदोलन के बीच दक्षिण कोरिया चले गए। मई 2022 में ब्रिटेन में सीबीआई-ईडी की पाक से तुलना की। मई 2023 में अमेरिका दौरे पर कहा कि भारत में लोकतंत्र खतरे में है। इसी वर्ष ब्रिटेन में पेगासस जासूसी मुद्दे को उठाया। अमेरिकी दौरे पर राहुल गांधी के विवादित बयानों की हो रही आलोचना पर आजकल का यह अंक...

विरोध के अतिवाद में राष्ट्र की छवि खराब न करें राहुल

विश्लेषण

अवधेश कुमार

वरिष्ठ पत्रकार

> **लोकसभा में विपक्ष का नेता या संवैधानिक दायित्व निभाने वाला कोई व्यक्ति क्या अपने सार्वजनिक वक्तव्यों के बारे में कह सकता है कि यह उस पद का नहीं, मेरा निजी विचार है क्योंकि मैं अपने अंदर दो चरित्र लेकर चलता हूं? राहुल गांधी ने अमेरिका में जो कुछ बोला, उसे लेकर कांग्रेस के परंपरागत नेताओं में भी असहजता और परेशानी है। देश का नेता विदेश की भूमि पर जाकर यह कहे कि हमारे देश में चारों ओर भय का माहौल है, धार्मिक स्वतंत्रता पर हमला है, अल्पसंख्यकों व समाज के पिछड़ों व वंचित वर्गों के विरुद्ध हिंसा हो रही है, विरोधी राजनेताओं को जेल में डाला जा रहा है, भारत की विविधताओं को समाप्त किया जा रहा है तो इसका अर्थ क्या लगाया जाए?**

राहुल गांधी की अमेरिका यात्रा पर मचा बवंडर बिल्कुल स्वाभाविक है। तीन दिनों की अमेरिका यात्रा में उनके द्वारा दिए गए वक्तव्यों और मुलाकातों के अनेक अंश ऐसे थे जिन पर सम्पूर्ण भारत को आपत्ति होनी चाहिए। विपक्ष का नेता बनने के बाद राहुल गांधी के लिए पहली विदेश यात्रा में विदेश में देश के हितों के प्रति सतर्क एवं उत्तरदायित्वपूर्ण व्यवहार करने वाले नेता की छवि निर्मित करने का महत्वपूर्ण अवसर था। ओवरसीज कांग्रेस ऑफ इंडिया के प्रमुख सैम पित्रोदा ने कह दिया था कि यह राहुल गांधी की विपक्ष के नेता के रूप में नहीं बल्कि निजी यात्रा है। क्या लोकसभा में विपक्ष का नेता या संवैधानिक दायित्व निभाने वाला कोई व्यक्ति अपने सार्वजनिक वक्तव्यों के बारे में कह सकता है कि उस पद का नहीं, मेरा निजी विचार है क्योंकि मैं अपने अंदर दो चरित्र लेकर चलता हूं? राहुल गांधी ने अमेरिका में जो कुछ बोला, उसे लेकर कांग्रेस के परंपरागत नेताओं में भी असहजता और परेशानी है। भारत का नेता विदेश की भूमि पर जाकर यह कहे कि हमारे देश में चारों ओर भय का माहौल है, धार्मिक स्वतंत्रता पर हमला है, एक संगठन समूह को छोड़कर अन्यों को अपने मजहब, पंथ, संप्रदाय, भाषा के अनुसार और वेशभूषा के साथ निकलने या महत्वपूर्ण जगहों पर प्रवेश करने तक पर खतरा है, अल्पसंख्यकों तथा समाज के पिछड़ों व वंचित वर्गों के विरुद्ध हिंसा हो रही है, विरोधी राजनेताओं को जेल में डाला जा रहा है तथा भारत की विविधताओं को समाप्त किया जा रहा है तो इसका अर्थ क्या लगाया जाए ?

विदेश में भारत की डरावनी तस्वीर पेश

जब उनका कार्यक्रम पहले से तय था तो उन्हें क्या बोलना है इनका निर्धारण भी पहले हो गया होगा। यही बात मुलाकातों के संदर्भ में भी है। हालांकि 2017 से उनकी राजनीतिक विदेश यात्राएं हो रही हैं और अभी तक के उनके वक्तव्य को देखें तो आपको हैरत नहीं होगी। हर यात्रा में उन्होंने विश्व समुदाय के समक्ष भारत की एक झूठी डरावनी तस्वीर पेश की है। वे लगातार कहते रहे हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार आने के बाद आरएसएस का सारी संस्थाओं पर कब्जा है, हम विविधता को मानते हैं, वे एकरूपता के लिए सत्ता की ताकत का उपयोग कर रहे हैं। इसी में वे जोड़ते रहे हैं कि समाज में दलितों, पिछड़ों, अल्पसंख्यकों और उनके विचार से असहमत होने वालों को हिंसा, प्रताड़ना और अनेक प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

सरकारी एजेंसियों का दुरुपयोग कर विरोधी नेताओं को जेल में डाला जा रहा है। संपूर्ण मीडिया पर कब्जा है और हमारे पास अपनी बात रखने के मंच नहीं हैं। लगभग ये ही बातें थोड़ी अलग या समान शब्दावलियों में उन्होंने इस बार भी बोला है। पिछले चुनाव में मोदी सरकार संविधान खत्म कर देगी, आरक्षण समाप्त कर देगी मनगढ़ंत नैरेटिव का असर उन्हें दिखा इसलिए ये विषय भी प्रमुखता से उठाया। पिछले वर्ष की अमेरिका यात्रा में उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा के बारे में कहा था कि जब हमारे पास अपनी बात रखने या जनसंवाद करने का कोई माध्यम नहीं बचा तो हम जनता के बीच यात्रा पर निकल पड़े। इस बार अंतर इतना था कि उन्होंने बताया कि लोगों ने समझा है और चुनाव परिणाम ने इसे साबित किया है। अब नरेंद्र मोदी से लोग डर नहीं रहे, सवाल पूछ रहे हैं और उनका (पीएम मोदी) आत्मविश्वास खत्म हो गया है। वैसे यह बात भारत में वह बोल चुके थे।

मोदी सरकार का विरोध या भारत का

राहुल गांधी के रणनीतिकार, सलाहकार, थिंक टैंक सब प्रफुल्लित होंगे क्योंकि जैसा वे चाहते थे राहुल गांधी पूरी तरह तैयार होकर देश के साथ विदेश में भी उतर चुके हैं। किंतु यह भूल गए कि एक बार आपने देश की छवि विदेशों में खराब कर दी तो यह केवल मोदी सरकार के लिए नहीं संपूर्ण भारत के लिए समस्या और चुनौती बनेगा। कल्पना करिए, जो संस्थाएं उभरते और खड़ा होते हुए भारत को रोकने के लिए झूठी रिपोर्ट के आधार पर विश्व के निरंकुश, अभिव्यक्ति और धार्मिक स्वतंत्रता का दमन करने वाले देशों की सूची में डालने की वकालत कर रहे हैं, उनके लिए तो राहुल गांधी को उद्धृत कर अपनी बात की पुष्टि करना ज्यादा आसान हो जाएगा। उनकी मुलाकातों की सूची में हमने भारत विरोधी और यहां तक कि भारत के विरुद्ध अमेरिकी कांग्रेस में मतदान करने वाली इल्हान उमर की चर्चा है, किंतु पूरी सूची में ऐसे ही लोग थे जो अल्पसंख्यकों, मुसलमानों, मानवाधिकारों आदि के नाम पर भारत विरुद्ध अभियान चलाते रहे हैं। इनमें पाकिस्तान समर्थक हैं। कोई विदेशी नेता पाक अधिकृत कश्मीर को भारत का भाग नहीं मानता, कश्मीर में जनमत संग्रह की आवाज उठाता है तथा अमेरिका में भारतीयों के लिए वीजा नियमों को आसान करने वाले विधायक के विरुद्ध मतदान करता है, उसका हमारे देश के किसी नेता के साथ खड़ा होने का अर्थ क्या है ? यह मोदी सरकार का विरोध है या भारत का?

कार्यक्रम में उठाया तथ्यहीन मुद्दा

यह कल्पना नहीं की जा सकती कि कोई नेता अपने कार्यक्रम में इस सीमा तक चला जाएगा कि एक सम्मानित सिख को उठाकर बोलेगा कि लड़ाई इस बात की है कि एक सिख पगड़ी या कड़ा पहनकर कहीं आ-जा सकते हैं या नहीं। यह सिर्फ एक रिलिजन के लिए नहीं बल्कि सभी रिलिजन के लिए है। हालांकि जिस सिख व्यक्ति का नाम पूछ कर उन्होंने यह टिप्पणी की उन भालिंदर सिंह वीरमानी ने कहा कि इस मुद्दे में कोई भी तथ्य मौजूद नहीं है। मैं इसे पहनकर बेझिझक भारत जा सकता हूं। वहां आज तक ऐसा नहीं हुआ कि उसे पगड़ी और कड़ा पहनने का हक नहीं मिला हो। भालिंदर सिंह ने कहा कि राहुल गांधी 15 -20 मिनट बोलने के बाद बाहर चले गए और हमें उनसे प्रश्न करने का मौका नहीं मिला अन्यथा मैं पूछना चाहता था कि आखिर आपसे किसने कहा है कि ऐसी आजादी नहीं है। क्या वजह, कोई खास एजेंसी है या खास लोग हैं जिन्होंने बातें बताई है? तो जिस अमेरिकी सिख बंधु से उन्होंने सवाल किया, वही असहज हो गया। सिख समुदाय के कुछ मुट्ठी भर अलगाववादी अराजक तत्व दुनिया में यही बात फैला रहे हैं। खालिस्तान की मांग सिखों की धार्मिक आजादी की मांग से जोड़कर अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, बेल्जियम जैसे देशों में सिख फॉर जस्टिस या ऐसे दूसरे समूह बीच-बीच में भारत को परेशान करने वाली गतिविधियां करते हैं। ये देश को बदनाम करते रहते हैं।

यह व्यवहार हर दृष्टि से अस्वीकार्य

क्या राहुल गांधी को पता नहीं कि इन तत्वों ने ही भारतीय दूतावास आदि पर हमले किए और महात्मा गांधी तक की मूर्ति को अपमानित किया? लंदन स्थित उच्चायोग में भारतीय तिरंगे को अपमानित किया। सिख फॉर जस्टिस के संचालक और भारत में वांछित आतंकवादी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने राहुल गांधी के बयानों को हाथों-हाथ लिया और कहा कि यही तो हम कह रहे थे, आज राहुल गांधी ने इसकी पुष्टि कर दी। दुनियाभर के सिख अलगाववादी समूह राहुल के इस वक्तव्य का उपयोग कर अपने को सही साबित करने की कोशिश करेंगे। भारत सरकार सभी देशों के साथ कड़ाई से इन तत्वों पर अंकुश लगाने की बात करती रही है। राहुल गांधी ने भारत का पक्ष कमजोर किया। इसका डरावना पहलू यह है कि इसका किंचित भी लाभ उठाकर इन तत्वों ने पंजाब में गड़बड़ी पैदा की तो क्या होगा? हाल के समय में पंजाब के अंदर अलगाववादी गतिविधियों के साथ हिंसा फैलाने के प्रमाण मिले हैं, उग्रवादी गिरफ्तार हुए हैं। भारत की एकता-अखंडता तथा विश्व में इसके प्रभाव बढ़ने, सम्मान मिलने के प्रति समर्पित नेता विदेशी भूमि पर ऐसी बातें नहीं कर सकता। आपको आरएसएस, भाजपा से मतभेद है तो देश के अंदर प्रकट कर सकते हैं। उसमें भी राहुल गांधी अतिवाद में जा रहे हैं जो हमारे अंदर ही तनाव और हिंसा बढ़ाने तथा उथल-पुथल मचाने की क्षमता रखता है। क्या राहुल गांधी का एजेंडा सामान्य राजनीति में कांग्रेस को मजबूत करने और सरकार बनाने तक सीमित नहीं है? अपने देश के बारे में ऐसे दुष्प्रचार उथल-पुथल और हिंसा के द्वारा सत्ता पर कब्जा करने वाले वामपंथी किया करते थे। वो देश व राज्य की भौगोलिक सीमाओं या आंतरिक एकता जैसे राष्ट्रवाद, राष्ट्रीय भाव आदि को खारिज करते थे और संपूर्ण विश्व में केवल एकवर्गीय व्यवस्था का सपना देखते थे। कम्युनिस्ट देशों में उन्हें शरण मिलती था और वहां से अपने देश के विरुद्ध अभियान चलाते थे, लोगों को सत्ता के विरुद्ध हिंसक विद्रोह के लिए भड़काते थे।

भारत के पक्ष में खड़े होने की अपेक्षा

राहुल गांधी संसदीय लोकतंत्र के अंदर क्या लक्ष्य चाहते हैं, इसे समझने के लिए शोध की आवश्यकता है। संसदीय व्यवस्था में राजनीतिक-वैचारिक मतभेद देश की भौगोलिक सीमाओं के अंदर हैं। सीमा से निकलते ही हर व्यक्ति भारतीय है और उससे भारत के पक्ष में खड़े होने की अपेक्षा है। यह व्यवहार हर दृष्टि से अस्वीकार्य है तथा इसका विरोध होना चाहिए। वैसे उनकी बातों का तथ्यों से खंडन संभव है और अपने देश से प्रेम करने वाले को इसके विरोध में आना चाहिए।

राहुल का बयान कांग्रेस के लिए मुसीबत

सियासत

रवि शंकर

वरिष्ठ पत्रकार

हरियाणा और जम्मू कश्मीर में चुनावी चकल्लस के बीच अमेरिका में सिख और आरक्षण पर विवादित बयान देकर राहुल गांधी ने कांग्रेस की मुसीबत बढ़ा दी है। राहुल गांधी का हालिया अमेरिका दौरा खासा चर्चा का विषय इसलिए बना हुआ है, क्योंकि वे इस बार नेता प्रतिपक्ष बनने के बाद पहली बार विदेश दौरे पर गए। हरियाणा और जम्मू-कश्मीर में चुनाव की प्रक्रिया चल रही हैं। ऐसे में राहुल के बयानों के कई सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। राहुल के आरक्षण वाले बयान पर जहां सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी हमलावर है, वहीं सिख वाले बयान को लेकर समुदाय से जुड़े संगठनों में आक्रोश है। हरियाणा में 20 प्रतिशत दलित और पांच प्रतिशत सिख समुदाय की आबादी है।

चुनाव में हो सकता है नुकसान

कहा जा रहा है कि अमेरिका में दिया गया राहुल का बयान अगर भारत में तूल पकड़ता है तो हरियाणा के दंगल में कांग्रेस के साथ खेल भी हो सकता है। हालांकि, ये पहली बार नहीं है, जब विदेश में दिए गए अपने बयानों की वजह से राहुल गांधी कांग्रेस के चुनावी परफॉर्मेंस के लिए पनौती साबित हुए हैं। इससे पहले भी कांग्रेस को कई बार राहुल गांधी के बयानों से नुकसान उठाना पड़ा है। इसे राहुल गांधी का स्वभाव कहें या उनकी अनिच्छा या आंतरिक कलह, इसे कुछ भी कहें लेकिन इसका नुकसान भारत की मुख्य विपक्षी पार्टी को लगातार उठाना पड़ रहा है।

पद लेने से बचते रहे हैं राहुल

नेहरू-गांधी परिवार की पांचवीं पीढ़ी का नेतृत्व राहुल गांधी करते हैं, वो परिवार के छठे सदस्य हैं जिन्होंने कांग्रेस संगठन की अध्यक्षता की है। 139 साल की कांग्रेस में नेहरू-गांधी परिवार के सदस्य 51 साल तक अध्यक्ष रहे हैं जिसमें सोनिया गांधी सबसे लंबे समय तक 22 सालों तक अध्यक्ष रहीं। जवाहरलाल नेहरू 11 सालों तक एआईसीसी के प्रमुख रहे, इंदिरा गांधी सात साल, राजीव गांधी छह साल और मोतीलाल नेहरू दो सालों तक इसके अध्यक्ष रहे। राहुल एआईसीसी के 87वें अध्यक्ष थे जिनका कार्यकाल 16 महीनों से भी कम था, वो दिसंबर 2017 से लेकर मई 2019 तक इसके प्रमुख रहे। अहम बात ये है कि राहुल गांधी 2004 में चुनावी राजनीति में आए और तब से कोई भी पद लेने से बचते रहे थे। यहां तक कि उन्होंने पार्टी प्रमुख के पद से भी इस्तीफ़ा दे दिया था। बता दें, 18वीं लोकसभा के चुनाव के बाद वे पहली बार कोई संवैधानिक पद लिया है और लोकसभा में विपक्ष के नेता बने हैं।

ऐसे बयानों से बचना होगा

खैर, राहुल गांधी 55 साल के हो गए हैं। अगर वो ख़ुद को एक परिपक्व नेता के तौर पर और मज़बूत करना चाहते हैं तो उन्हें देश के अंदर या विदेश में ऐसे बयान देने से बचना होगा जो उनके व्यक्तित्व और पार्टी की छवि पर सवालिया निशान खड़ा करता हो। सामान्य समझ तो यही कहती है कि कोई सफाई देने का लोड तभी लेता है जब लगे कि ऐसा नहीं किया तो बात बिगड़ सकती है। नुकसान का डर नहीं हो तो सफाई की कौन सोचता है भला? राहुल की तरफ से सफाई

आना अपने आप में सबूत है कि आरक्षण पर उन्होंने जो कहा है, उससे कम-से-कम उनके 'चैंपियन' की छवि को बट्टा लगने का डर तो जरूर था। संभवतः यही कारण है कि राहुल गांधी ने बाद में अपने बयान पर स्पष्टीकरण देते हुए कहा कि कांग्रेस आरक्षण को समाप्त करने के बारे में नहीं सोच रही है। उलटे वे देश में आर्थिक भागीदारी बढ़ाने और सामाजिक समरसता लाने के लिए आरक्षण की 50 फीसदी की सीमा को खत्म करने के बारे में सोच रहे हैं। इसे कांग्रेस का 'डैमेज कंट्रोल' माना जा रहा है। हमें नहीं भूलना चाहिए कि 2015 के बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ प्रमुख मोहन भागवत ने अपने एक बयान में आरक्षण की समीक्षा किए जाने की बात कह दी थी। कहा जाता है कि भागवत के इस बयान के कारण बिहार में बीजेपी को भारी नुकसान हुआ।

अपनी बढ़त खो सकती है कांग्रेस

यदि कांग्रेस इस मामले को गंभीरता से नहीं लेती तो उसे भी इसका नुकसान होने वाले विधानसभा चुनावों में हो सकता है। ज्ञात है, पिछले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने संविधान का मुद्दा उठाकर ही ओबीसी, दलित और आदिवासी मतदाताओं के बीच अपनी पैठ बनाई है। यदि वे इस मामले को नहीं संभाल पाती है तो उसे इस बढ़त को भी खोना पड़ सकता है। इसे देखते हुए ही कांग्रेस के सीनियर नेता तुरंत पार्टी का पक्ष रखने के लिए सामने आ गए। खैर,गौर करने वाली बात ये है कि पहले देश की राजनीति में इस तरह के कई उदाहरण मौजूद थे जब सत्ता पक्ष और विपक्ष के लोग विदेश की धरती पर अपने देश की बात नहीं करते थे और ना ही किसी की निंदा करते थे।

प्रतिद्वंद्वियों की निंदा का ट्रेंड

पहले विदेश में देश की छवि को लेकर राजनीतिक दल एक हो जाया करते थे। याद कीजिए, तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने तब विपक्ष के नेता अटल बिहारी वाजपेयी को संयुक्त राष्ट्र भेजा था ताकि भारत के पक्ष को मज़बूती से रख पाएं। पहले विदेश में सत्ता और विपक्ष के नेता एक ही बोली बोलते थे।

खुद बतौर प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने भी इसका अनुसरण करते हुए कभी सोनिया गांधी तो कभी सलमान ख़ुर्शीद को भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए विदेश भेजा जबकि वो विपक्ष में थे। लेकिन अब न सिर्फ़ विपक्ष के नेता, बल्कि सत्ता पक्ष के लोग भी विदेशी दौरों के दौरान अपने राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की आलोचना करने से चूकते नहीं है। बीते एक दशक में इसका ट्रेंड तेजी से बढ़ा है। 2014 में जब पीएम मोदी शासन में आए, तो उन्होंने कई बार विदेशी धरती पर कांग्रेस के शासनकाल और उसके प्रधानमंत्रियों की निंदा की। इतना ही नहीं, पिछले कुछ सालों में सत्ता पक्ष के नेता भी विदेशों में जाकर देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरु की आलोचना करते हुए कहते रहे हैं कि पिछले 60 सालों में भारत में कुछ नहीं हुआ था और जो कुछ हो रहा है या हुआ है वो सिर्फ़ बीजेपी की सरकार बनने के बाद संभव हो पाया है। इसलिए अगर राजनीतिक शिष्टाचार खत्म हुआ है, तो उसके लिए दोनों ही पक्ष दोषी है, किसी एक को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है।

विदेश में देश की साफ छवि रहे

साफ है अब भारत में लोकतंत्र शोरशराबे वाला बनने की राह पर है। सोशल मीडिया हो या एक दूसरे की व्यक्तिगत आलोचना हो। राजनीति का अब यही स्वरूप उभर रहा है जिसमें मर्यादा की सीमा की कोई गुंजाइश ही नहीं नज़र आती है। इसलिए सतापक्ष के साथ विपक्षी पार्टियों के नेताओं को इस बात का पूरा ध्यान रखना चाहिए कि ऐसे कोई भी आंतरिक मुद्दों को विदेशी धरती पर न उठाया जाए जिससे देश की छवि खराब हो।

कांग्रेस राज में ही पिछड़ा मैन्युफैक्चरिंग क्षेत्र

दो टूक

शंभू भद्र

वरिष्ठ आर्थिक पत्रकार

शायद राहुल गांधी को भी लगने लगा है कि राष्ट्र निर्माण वर्ष 2014 में ही शुरू हुआ है। अपनी तीन दिवसीय अमेरिका यात्रा के दौरान जब कांग्रेस सांसद राहुल गांधी भारत में मैन्युफैक्चरिंग की स्थिति पर 'ज्ञान' बांच रहे थे, तो लग रहा था मानो भारत के औद्योगिक विकास के आर्किटेक्चर देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू द्वारा राष्ट्र निर्माण की बुनियाद रखने के लिए किए गए औद्योगिक कार्यों को भी नकार रहे थे। मोदी सरकार की ओर से किए गए नीतिगत बदलाव व मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर में किए कार्यों का विरोध करने में कांग्रेस सांसद भूल ही गए कि भारत आजादी के वक्त से ही मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बढ़ावा दे रहा है। इस दिशा में देश की तकरीबन सभी दलों की सरकारों ने काम किया है। एचएएल, सेल, भेल, ओएनजीसी, इंडियन ऑयल, एचपी, बीपी, टाटा, टिस्को, बिड़ला, महिंद्रा समेत एक हजार से अधिक बड़ी सरकारी व निजी कंपनियां हैं, जो विनिर्माण में योगदान दे रही हैं। सूक्ष्म, लघु व मध्यम (एमएसएमई) कंपनियां तो देश में छह करोड़ से अधिक हैं। आज भारत टेक्सटाइल, ऑटोमोबाइल समेत कई क्षेत्रों में बहुत आगे है।

कांग्रेस सरकार की नीतिगत चूक

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार आने के बाद मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को गति जरूर मिली है। पर कांग्रेस सरकार ने दो महत्वपूर्ण अवसर गंवाए। अस्सी के दशक में जब ब्रिटेन व अमेरिका में डॉटकॉम क्रांति हो रही थी, तब भारत में कांग्रेस सरकार मूकदर्शक बनी हुई थी, डिजिटल सेक्टर में बड़ा निवेश नहीं किया, भविष्य की अर्थव्यवस्था को नजरअंदाज किया, नहीं तो आज भारत सर्च इंजन के लिए गूगल का उपभोक्ता नहीं होता। भारत के पास भी अपनी सर्च इंजन कंपनी होती। सिलिकॉन वैली भारत में होती। निजी क्षेत्र के प्रयासों से भारत सॉफ्टवेयर सेक्टर में सुपरपावर जरूर बना, लेकिन कांग्रेस नेताओं में दूरदर्शिता के अभाव के चलते डिजिटल सेक्टर में पिछड़ गया। डिजिटल सेक्टर की यह कमी मोदी सरकार पूरी कर रही है।

कांग्रेस सरकार की दूसरी चूक उदारीकरण अपनाने के वक्त हुई, जब भारत ने अपना बाजार खोला, उस वक्त विश्व के बाजार भी खुले। उस समय अगर सरकार अपने मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को तेजी से बढ़ावा देती, तो आज राहुल गांधी को यह नहीं कहना पड़ता कि मैन्युफैक्चरिंग में चीन भारत से बहुत आगे है। पीवी नरसिम्हाराव सरकार की शिथिलता के चलते उदारीकरण के दौर में भारत केवल विश्व का उपभोक्ता ही बना, निर्यात का खिलाड़ी नहीं बना। कांग्रेस सरकार की दो अवसरों पर नीतिगत चूक ने मैन्युफैक्चरिंग में भारत को पीछे धकेल दिया।

मोदी सरकार बदल रही तस्वीर

नरेन्द्र मोदी की सरकार देश में मैन्युफैक्चरिंग की तस्वीर बदलने की कोशिश कर रही है। मेक इन इंडिया, स्किल इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, ब्रांड भारत, आत्मनिर्भर भारत, वोकल फॉर लोकल, डिजिटल इंडिया, पीएलआई स्कीम, मुद्रा योजना आदि अभियान से मोदी के नेतृत्व वाली राजग

सरकार मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को मजबूती दे रही है। यह सरकार अर्थव्यवस्था को ग्लोबल जरूरतों के हिसाब से ट्रांसफॉर्म कर रही है। सरकार चीन से आयात पर निर्भरता कम कर रही है। सरकार जहां इन्फ्रास्ट्रक्चर सेक्टर- रेल, रोड, एयरपोर्ट, पोर्ट, सी-रिवर रूट को विश्वस्तरीय बना रही है, वहीं ग्रीन हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा, बायो एनर्जी, सेमीकंडक्टर, डिजिटल सेक्टर (एआई, क्लाउड कंप्यूटिंग, ब्लॉकचेन, आईओटी, रोबोटिक्स) आदि नए सेक्टर को पीएसयू (पब्लिक सेक्टर यूनिट) व निजी स्तर पर प्रोत्साहित कर रही है। सरकार डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रही है, वह एग्रीटेक, फिनटेक और नैनोटेक को भी आगे बढ़ा रही है। मोदी सरकार की उदार नीति के चलते ही हाल के वर्षों में मैन्युफैक्चरिंग गतिविधियां चीन से भारत शिफ्ट हो रही हैं।

मात्र मोदी सरकार का विरोध

भारत डिजिटल भुगतान में वैश्विक रिकार्ड बना रहा है। राहुल गांधी भारत में हो रहे इस बदलाव को नहीं देख रहे होंगे, ऐसा नहीं कहा जा सकता है, लेकिन चूंकि उन्हें मोदी सरकार का विरोध करना है, इसलिए अमेरिका में भी अपने ही नए भारत की विकास यात्रा को शर्मिंदा करने में भी गुरेज नहीं करते हैं। अमेरिका में राहुल गांधी ने कहा कि भारत में मैनुफैक्चरिंग सेक्टर की हालत खराब है। तो क्या उन्होंने कभी सोचा कि ऐसी हालत कब से हुई, क्यों हुई? अगर पूर्व की कांग्रेस सरकार ने 80, 90 के दशक में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर ध्यान दिया होता तो चीन की तरह भारत में भी रोजगार की कमी नहीं होती। वर्ष 2014 से पीएम मोदी की राजग सरकार मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर को बूस्ट दे रही है। राहुल गांधी ने अगर भारत के मैनुफैक्चरिंग इतिहास का अध्ययन किया होता तो अमेरिका में अनभिज्ञ सरीखे कतई नहीं बोलते। स्वतंत्रता प्राप्ति से पहले ज्यादातर उत्पाद हाथ से बने होते थे। भारत हुनर की वैश्विक राजधानी था। लकड़ी का कोयला जलाकर लोहा बनाने की पहली कोशिश 1830 में तमिलनाडु में हुई थी। 1868 में जमशेदजी टाटा ने टाटा ग्रुप शुरू किया। आजादी के बाद (1951-91) पंचवर्षीय योजना लाकर भारत ने उद्योगों पर फोकस किया। 1956 में औद्योगिक नीति बनाई गई। इससे लोहा, स्टील, भारी इंजीनियरिंग और फर्टिलाइजर उद्योग तेजी से बढ़े। हालांकि, कांग्रेस सरकार में लाइसेंस राज व करप्शन के कारण औद्योगिक विकास की रफ्तार सुस्त रही। उदारीकरण के दौर में भारत वैश्विक उत्पादों का डंपिंग ग्राउंड बन रहा था।

मोदी सरकार ने पैटर्न को तोड़ा

पीएम मोदी की सरकार ने इस पैटर्न को तोड़ा। मेक इन इंडिया को बढ़ावा देकर मैनुफैक्चरिंग के वैक्यूम को भरना शुरू किया। पीएलआई स्कीम, एफडीआई नियम में ढील, बेकार कानूनों का खात्मा, कॉर्पोरेट टैक्स में कमी, मुद्रा योजना आदि से मैनुफैक्चरिंग सेक्टर में जान फूंकी गई। जीडीपी में 17 फीसदी हिस्सेदारी मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की है। आईबीईएफ की रिपोर्ट के मुताबिक, जून 2022 से जून 2024 के बीच भारत की मैनुफैक्चरिंग इंडस्ट्री में 40 फीसदी की वृद्धि हुई है। वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, वर्ष 2014 से 2024 के बीच मैनुफैक्चरिंग सेक्टर में 165 अरब डॉलर से ज्यादा का विदेशी निवेश आया, जबकि, 2004 से 2014 के बीच 98 अरब डॉलर का एफडीआई आया था। यूपीए के दस वर्ष की तुलना में एनडीए के दस वर्ष में मैनुफैक्चरिंग सेक्टर में एफडीआई में 69 फीसदी की वृद्धि हुई। भारत ने 2025 तक 5 अरब डॉलर के रक्षा निर्यात का लक्ष्य रखा है। मोदी सरकार अगले पांच साल में इन्फ्रास्ट्रक्चर में 11 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा खर्च करने जा रही है। राजनीति अपनी जगह रहे, लेकिन विपक्ष के नेता भी देश के विकास की वैश्विक ब्रांडिंग करें। इससे भारत एक सुलझा हुआ एकीकृत व शक्तिशाली राष्ट्र बनकर उभरेगा।

ऑडिशन देने के बाद बीमार हो गई थीं

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राधिका मदान ने टीवी के बाद बॉलीवुड का रुख किया और अभिनेत्री का यह फैसला काफी सफल भी साबित हुआ। 'अंग्रेजी मीडियम' में अपनी भूमिका से शोहरत पाने वाली राधिका ने उस समय को याद किया, जब उन्होंने धर्मा प्रोडक्शंस की 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' के लिए अपना सबसे खराब ऑडिशन दिया था। अभिनेत्री ने यह भी बताया कि उसके बाद उनकी तबीयत भी खराब हो गई थी।

राधिका ने हाल ही में, फिल्मफेयर को बताया, 'मुझे एक बहुत बड़ा ऑडिशन मिला। यह 'स्टूडेंट ऑफ द ईयर 2' के लिए था। मैंने खुद को बहुत ज्यादा तैयार किया। मैं इतनी तैयारी कर रही थी कि यह दो पेज का सीन भी नहीं था, मैंने इसे नींद में भी पढ़ा। मैंने खुद को इतना तैयार किया कि ऑडिशन से पहले ही मैं बीमार हो गई। मुझे बुखार था, मुझे सर्दी थी और मैंने अपनी जिंदगी का सबसे बुरा ऑडिशन दिया। मैं बहुत चिंतित थी। फिर ऑडिशन देने के बाद मेरी हालत और खराब हो गई।' यह अनुभव राधिका के लिए एक टर्निंग पॉइंट साबित हुआ। अभिनेत्री ने साझा किया कि उन्हें एहसास हुआ कि उनकी चिंता उन्हें पीछे खींच रही है और उन्होंने एक नया विजन अपनाने का फैसला किया। राधिका ने कहा, 'उस दिन मैंने खुद से वादा किया कि मैं कभी भी इस तरह महसूस नहीं करूंगी। मैं अपने जीवन में असमंजस में नहीं रहना चाहती और इतनी चिंता महसूस नहीं करना चाहती हूं।' राधिका की नई सोच ने उन्हें विशाल भारद्वाज की 'पटाखा' में सान्या मल्होत्रा के साथ भूमिका निभाने में मदद की।

टीजर के साथ 'तुम्बाड़ 2' का हुआ ऐलान...

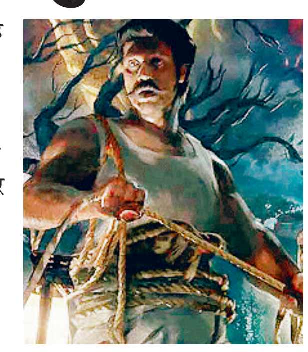

मुंबई। बड़े पर्दे पर छह साल बाद रिलीज हुई तुम्बाड़ ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया है। फिल्म ने पहले दिन करीना कपूर की नई फिल्म द बकिंघम मर्डर्स से ज्यादा कमाई कर दिग्गजों को भी चौंका दिया। इस फिल्म को मिल रहे बेशुमार प्यार फिल्म के निर्माता भी काफी ज्यादा खुश हैं। टिकट खिड़की पर शानदार ओपनिंग लेने वाले इस फिल्म के निर्माताओं ने अब तुम्बाड़ 2 का आधिकारिक ऐलान कर दिया है। हाल ही में सोहम शाह फिल्म्स ने फिल्म के सीक्वल की एक झलक फैंस के साथ साझा की है। इस टीजर की शुरुआत विनायक और उनके बेटे पांडुरंग से होती है, इसके साथ ही सोहम शाह का शानदार वॉयसओवर भी सुनने को मिलता। टीजर में सुनने को सुनने को मिलता है, 'समय का पहिया गोल है, जो बीत गया वो फिर लौट के आएगा... दरवाजा भी एक बार फिर खुलेगा।' इस टीजर के अंत में सोहम की आवाज में यह भी सुनाई देता है कि प्रलय आएगा।

'120 बहादुर' की शूटिंग की फोटो की पोस्ट

मुंबई। डायरेक्टर, राइटर, प्रोड्यूसर फरहान अख्तर तीन साल बाद बड़े पर्दे पर वापसी के लिए तैयार हैं। वह अपनी आगामी फिल्म 120 बहादुर में मेजर शैतान सिंह का किरदार निभाने वाले हैं। हाल ही में उन्होंने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर शूटिंग के दौरान अपनी कुछ बीटीएस फोटोज शेयर की हैं। शूटिंग के दौरान दिखाए जा रहे अपने काम के बाद फरहान की फिल्म को लेकर उनके प्रशंसक और भी उत्साहित हो गए हैं। फरहान अख्तर ने 14 सितंबर को सोशल मीडिया पर फिल्म के बीटीएस की झलक शेयर की है। इस फोटो में फरहान अख्तर की फिल्म की क्रू काम कर रही है। यह शूटिंग लद्दाख में हो रही है। फरहान अख्तर ने हाल ही में सोशल मीडिया से अपनी फिल्म 120 बहादुर का पोस्टर शेयर किया था। 'वो तीन थे... और हम? 120 बहादुर।'

मल्टी-स्टारर फिल्मों का दिया कॉन्सेप्ट

नई दिल्ली। भारतीय फिल्म उद्योग में राजकुमार कोहली एक ऐसा नाम है, जो अपनी विशिष्ट पहचान रखते हैं। एक सफल फिल्म निर्माता और निर्देशक, जिन्होंने करियर में कई ऐसी फिल्में दी, जो आज भी दर्शकों के दिलों में अपनी जगह बनाए हुए हैं। कोहली ने 1970 और 80 के दशक में कई ब्लॉकबस्टर फिल्में दी और बॉलीवुड में अपनी खास जगह बनाई. उन्होंने बॉलीवुड को 'नागिन', 'जानी दुश्मन', 'नौकर बीवी का' और 'कुर्बानी' जैसी दमदार फिल्में देने वाले राजकुमार कोहली ने मल्टी स्टारर फिल्में पेश की। जबकि उन्हें हॉरर फिल्मों का कॉन्सेप्ट पेश करने के लिए भी जाना जाता है। इस कॉन्सेप्ट पर बॉलीवुड में कई फिल्में बनी थीं. उनकी फिल्मों की खासियत गाने और डायलॉग होते थे, जो आज भी लोगों को याद हैं। 'नागिन' का संवाद आज भी लोगों को रोमांचित कर देता है। लाहौर में 14 सितंबर 1930 को जन्मे कोहली के पिता भी एक फिल्म निर्माता थे। शायद यही वजह है कि कोहली को फिल्मों का शौक बचपन से था। उन्होंने अपने पिता के साथ काम करना शुरू कर दिया था। राजकुमार कोहली की निजी जिंदगी की अगर हम बात करें तो उन्होंने पंजाबी स्टार निशि से शादी की थी। निशि ने कोहली के साथ एक फिल्म में काम किया था। कहा जाता है कि इसी के बाद दोनों में प्यार हुआ और उन्होंने शादी कर ली।

एक्टर की पत्नी को दिल पर रखना पड़ता है पत्थर : सुनीता

नई दिल्ली। गोविंदा एक समय पर बॉलीवुड के स्टार रहे हैं। उन्होंने एक से बढ़कर एक हिट फिल्में दी हैं। हालांकि काफी समय से वह पर्दे से दूर हैं। बता दें कि गोविंदा की फीमेल फैन फॉलोइंग भी काफी जबरदस्त रही है। अब एक्टर की पत्नी सुनीता ने एक्टर को मिलती फीमेल अटेंशन पर बात की। सुनीता ने बताया कि क्या उन्हें इससे फर्क पड़ता है कि नहीं। सुनीता का कहना है कि एक्टर की पत्नी होने के लिए बहुत सिक्योरिटी चाहिए होती है। दरअसल, सुनीता हाल ही में टाइमाउट विद अंदित के शो में नजर आईं और कहा, हीरो की पत्नी होना, आपको दिल में इतना बड़ा पत्थर रखना पड़ेगा या तो आप शादी ना करो हीरो से। सुनीता का कहना है कि फीमेल अटेंशन से उन्हें फर्क नहीं पड़ा है, क्योंकि हर रात गोविंदा घर ही आते थे। उन्होंने कहा, 'मुझे फर्क नहीं पड़ता। आपको खुद पर कॉन्फिडेंस रखना चाहिए। अभी आदमी है वो, आप ऐसा नहीं बोल सकते गाय है कोई आदमी। होता होगा। ठीक है ना, घूम फिर के रात को घर ही आ जाता है न।'

भारतीय सिनेमा का इकलौता सुपरस्टार जिसने 900 फिल्मों में किया काम...

नई दिल्ली। अक्सर फिल्म स्टार्स के बारे में कुछ फिगर्स डिक्लेयर किए जाते हैं, जिसमें बताया जाता है कि उन्होंने एक साल में कितनी फिल्मों में काम किया या ताउम्र कितनी फिल्मों में सक्रिय रहे। जैसे अक्षय कुमार के लिए कहा जाता है कि वो एक दौर में साल में सबसे ज्यादा फिल्म करने वाले स्टार थे। लेकिन वो कभी एक हीरो का रिकॉर्ड नहीं तोड़ सके। इस हीरो ने सौ या दो सौ नहीं, बल्कि अपने पूरे करियर में करीब 900 फिल्मों में काम किया था। इन 900 फिल्मों में से 700 फिल्में ऐसी थीं जिसमें वो लीड रोल में दिखे। चालीस फिल्मों में उन्होंने डबल रोल भी किए।

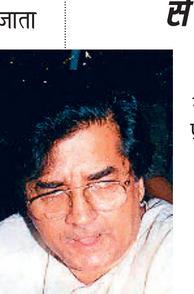

साउथ के फिल्मों से बने सुपरस्टार

हम जिस एक्टर का यहां जिक्र कर रहे हैं उस एक्टर का नाम है प्रेम नजीर। प्रेम नजीर ने साउथ इंडियन फिल्मों से अपने करियर की शुरुआत की थी। उनके नाम सबसे बड़ा रिकॉर्ड दर्ज है एक साल में रिलीज हुई फिल्मों का। कुछ साल ऐसे रहे जब प्रेम नजीर की 39-39 फिल्में रिलीज हुई हैं। मलयालम इंडस्ट्री को पूरी दुनिया में पहचान दिलाने का क्रेडिट भी उन्हें ही दिया जाता है। ज्यादा फिल्में करने का असर कभी उनकी एक्टिंग पर नहीं पड़ा। कहा जाता है कि वो इतनी रियलिस्टिक एक्टिंग करते थे कि फिल्म मेकर्स भी हैरान रह जाते थे।

इस फिल्म से किया डेब्यू

प्रेम नजीर ने अपने पूरे फिल्मी करियर में 40 फिल्मों में डबल और ट्रिपल रोल भी किया। इस दौरान उन्होंने 85 हीरोइन्स के साथ स्क्रीन शेयर की। उनकी पहली फिल्म साल 1952 में रिलीज हुई थी, जिसका नाम था मरूमकल। इसके बाद उनकी फिल्म विसाप्पिंटे विली रिलीज हुई, जिसने उन्हें घर-घर में फेमस बना दिया। आपको बता दें कि प्रेम नजीर का असली नाम अब्दुल खादिर था। लेकिन, फिल्मी दुनिया में उन्हें प्रेम नजीर के नाम से पहचान मिली और फैन्स का प्यार भी।

जैकेट के शेष

एनजीटी की भी कोई नहीं ...

तारीख...अल्टीमेटम काम नहीं आया। तारीखें निकल गई। पांच फीसदी तालाब भी कब्जामुक्त नहीं हुए। आदेश के बावजूद तालाबों की तस्वीर और तकदीर नहीं बदली है, बेजा कब्जा के चलते इन तालाबों का जल भराव क्षेत्र 50 फीसदी तक कम हो गया है। खास बात यह है कि एनजीटी द्वारा जारी आदेश के परिपालन में नगरीय प्रशासन ने तालाबों को सुरक्षित रखने के आदेश दिए हैं। जिस पर 15 सितंबर तक बेदखली की कार्रवाई पूरी करनी थी, लेकिन नोटिस से आगे कार्रवाई नहीं बढ़ सकी।

नगर पंचायत बलौदा: कोई कार्रवाई नहीं : यहां 14 तालाब अतिक्रमण चपेट में है। बलौदा के मुख्य बिस्तारी तालाब लोनी, बाबू तालाब, अंधरी तालाब, कोयली पुरैना, बिलासपुर, नगाउ तालाब, नया तालाब में अतिक्रमण हो गया है। 100 एकड़ का बंधवा तालाब अब आधे रकबे में सिमट गया है। इसी प्रकार मया सागर, तेंदु डबरी, बूंदी रमचंदा, रामसागर, मजीठहा, मानिकबंद तालाब भी अतिक्रमणकारियों के चपेट में है। प्रदेश के 122 में से बलौदा नगर पंचायत अंतर्गत इन 14 तालाबों में हुए अतिक्रमण को मुक्त कराने नगरीय प्रशासन विभाग ने संबंधित नगर पंचायत प्रशासन को 12 जुलाई को आदेश दिया है, जिस पर 15 सितंबर तक बेदखली की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश थे, लेकिन इस दिशा में सिवाय कागजी कार्रवाई के और कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी है।

सीएमओ ने कहा, कार्रवाई कर रहे : एनजीटी के आदेश के परिपालन में तालाबों को अतिक्रमण मुक्त करने की कार्रवाई प्रचलित है। संबंधितों को नोटिस भेजी जा रही है। विधि सम्मत कार्रवाई कर रहे हैं। आर सी तिवारी, सीएमओ, नगर पंचायत बलौदा

बिलासपुर में बारिश का बहाना, 44 तालाब में कब्जा : 44 तालाबों में पाया गया **बेजा-कब्जा** : बिलासपुर में 44 तालाबों में बेजा कब्जा का मामला सामने आया है। इसमें बढ़ेरा तालाब, श्मशान घाट के पास डबरी, चांदमारी तालाब तालापारा, डिपूपारा छोटा तालाब, करबला, पैठू तालाब, जोगनी तालाब, नाग नाथिन तालाब, पुराना तालाब, सलही तालाब, अरपा नदी, कोयलीपुरैना तालाब आदि में आसपास अतिक्रमण पाया गया है।

बारिश के बाद होगी कार्रवाई : एनजीटी का पत्र आया था, जिसमें जल स्रोतों, तालाबों के संबंध में कुछ जानकारी मांगी गई थी, वह भेजी जा चुकी है। निगम एरिया में तालाबों के आसपास अतिक्रमण मुक्त करने पहले कुछ कार्रवाई हुई है। अभी बरसात में तालाबों में पानी भरा हुआ है जिसके वजह से सीमांकन नहीं हो पा रहा है। बरसात के बाद तालाबों से अतिक्रमण हटाने कार्रवाई की जाएगी।

अमित कुमार कमिश्नर, नगर निगम

कुछ तालाबों से हटा है कब्जा : एनजीटी का तालाबों, जल स्रोतों के बारे में पत्र आया था। नगर निगम द्वारा भारतीयनगर तालाब, तालापारा तालाब सहित कुछ तालाबों से बेजा कब्जा हटवाने पूर्व में कार्रवाई की गई थी। अभी भी कई तालाबों में अतिक्रमण है, जिसे आगे कार्रवाई कर हटाया जाएगा।

खजांची कुम्हार, अपर आयुक्त, नगर निगम

पत्र लिखकर पल्ला झाड़ा : निगम आयुक्त लोकेश चंद्राकर ने बताया कि, कुछ तालाब से अतिक्रमण हटाने नोटिस जारी किया जा रहा है। वहीं उन्होंने बताया कि, तालाबों के नाप के लिए तहसीलदार दुर्ग को पत्र लिखा गया है। उनके अनुसार नाप होने के बाद यह तय जाएगा कि, तालाब के कितने जमीन पर अतिक्रमण है। लेकिन अब तक तहसीलदार नापजोख का कार्य शुरू नहीं किया। भिलाई निगम में भी एनजीटी के मुताबिक आधा दर्जन तालाब है, जिसमें आलाबंद तालाब खम्हरिया, बावली तालाब, छोटे डबरी तालाब, शीतला मंदिर तालाब खम्हरिया, कुरूद नगपुरा तालाब, सुपेला शीतला तालाब व पन्द्रह तालाब ग्रामीण इलाकों में शामिल है। कहीं पर भी प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने कार्यवाही नहीं की गई है।

दुर्ग-भिलाई निगम के ...

भी नापजोख करने रूचि नहीं दिखाई है। हालात यह है कि, एनजीटी के निर्देश में अतिक्रमित दो दर्जन तालाबों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। दुर्ग निगम में जहां तीन दर्जन तालाब अतिक्रमण से मुक्त नहीं हो पाए हैं। वहीं भिलाई में अतिक्रमण का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। दुर्ग निगम प्रशासन की मानें तो पन्द्रह दिन पहले तालाबों के नाप के लिए तहसीलदार को पत्र लिखा गया है। लेकिन राजस्व ने इस मामले को संज्ञान में ही नहीं लिया है। दुर्ग और भिलाई निगम में तालाब अतिक्रमण से घिरा हुआ है। दुर्ग निगम में एनजीटी के मुताबिक हरनाबांधा, डोंगिया और पोलसायपारा तालाब अतिक्रमण के चपेट में है। हालांकि दुर्ग में स्थित 36 तालाब में लगातार अतिक्रमण की शिकायत आ रही है।

बालोद में भी ...

सकता। एनजीटी के निर्देश के बाद भी अब तक स्थानीय प्रशासन ने कोई कार्रवाई नहीं की है।

धमतरी में अफसर...

आता है। इस तालाब में जाने का रास्ता ही नहीं बचा है। पानी के आने का रास्ता भी बंद है। इसके अतिरिक्त शहर के अन्य तालाब भी बुरी तरह से अतिक्रमण की चपेट में है। करीब माह भर पहले संचालक नगरीय निकाय द्वारा इन तालाबों की लिस्ट नगर निगम को भेजी गई थी और तालाबों को अतिक्रमणमुक्त करने के निर्देश दिए गए थे, लेकिन अब तक अतिक्रमण हटाने की दिशा में कोई पहल नहीं की गई है।

एमएमआई कांड...

जाने का बोर्डिंग पास दिया गया।

अस्पताल वालों की सफाई झूठी : इस मामले में भारती खेमानी के परिवार द्वारा सोशल मीडिया में पोस्ट कर एमएमआई प्रबंधन द्वारा दी गई सफाई को झूठा बताया गया है। पोस्ट में जिक्र किया गया है कि परिवार अपनी मर्जी से हैदराबाद नहीं गया था, अस्पताल के डाक्टर ने सीटी स्कैन की रिपोर्ट का हवाला देकर बताया कि अब इलाज एमएमआई में संभव नहीं है और उन्होंने ही हैदराबाद के अस्पताल की सिफारिश की थी। एमएमआई प्रबंधन ने अपनी सफाई में कहा था कि परिवार को स्थानांतरण के जोखिमों को समझाते हुए मेडिकल सलाह के विरुद्ध छुट्टी (डामा) दी गई थी।

छत्तीसगढ़ में एमबीबीएस ...

बड़ा फैसला ले रहे है। हिंदी दिवस मनाने की सार्थकता तभी होगी, जब हम शासन प्रशासन और शिक्षा के हर स्तर पर हिंदी को लागू करेंगे। हिंदी में काम काज करेंगे। इसी क्रम में हमारी सरकार ने ये निर्णय लिया है कि एमबीबीएस की पढ़ाई हिंदी में कराने की व्यवस्था भी हम हिंदी में करेंगे। एमबीबीएस प्रथम सत्र में इस साल हिंदी में पढ़ाई की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके लिए छात्र-छात्राओं की संख्या के मुताबिक आवश्यक पुस्तकें उपलब्ध कराने के निर्देश स्वास्थ्य विभाग को दे दिए गए हैं।

ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्रों को होगा लाभ : मुख्यमंत्री ने कहा, वर्तमान में राज्य में 10 शासकीय चिकित्सा महाविद्यालय हैं। हिंदी में चिकित्सा शिक्षा उपलब्ध कराने का सबसे अधिक लाभ हमारे ग्रामीण पृष्ठभूमि के छात्रों को होगा जो अधिकतर हिंदी मीडियम से होते हैं, जो प्रतिभाशाली होते हैं, लेकिन अंग्रेजी की वजह से उन्हें चिकित्सा पाठ्यक्रम में कुछ दिक्कत आती है। अब यह दिक्कत दूर हो जाएगी। इससे चिकित्सा छात्र छात्राओं का आधार भी मजबूत होगा और अच्छे चिकित्सक तैयार करने में इससे अधिक मदद मिलेगी। मातृभाषा में शिक्षा दिए जाने का यह सबसे बड़ा लाभ यह होता है कि इससे विषय की बारीक समझ बनती है। इसे हम छत्तीसगढ़ में हर स्तर पर कार्यान्वित करने के लिए कृत संकल्पित हैं।

भारत की अस्त्र मिसाइल से दुश्मन पर काल बनकर टूटेंगे आर्मेनिया के 'सुखोई' विमान

हरिभूमि न्यूज ▸▸ नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के बीच आर्मेनिया ने भारत की स्वदेशी हवा से हवा में मार करने वाली अस्त्र मिसाइल की खरीद को लेकर रुचि जाहिर की है। इसका प्रयोग वह अपने सुखोई लड़ाकू विमानों को अपग्रेड करने के लिए करना चाहता है। रक्षा सूत्रों ने बताया कि बियॉन्ड विजुअल रेंज अस्त्र मिसाइल की खरीद को लेकर दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है। लेकिन अभी यह शुरुआती स्तर पर है। आर्मेनिया के पास वर्तमान में 4 सुखोई लड़ाकू विमान हैं। जिन्हें उसने वर्ष 2019 में रूस से खरीदा था। इन विमानों को 'व्हाइट एलीफेंट' के नाम से जाना जाता है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

सामग्री प्रबंधन विभाग

ई-निविदा सूचना क्रमांक: एनआईटी/14/24/41, तिथि 03 सितम्बर 2024

क्र. सं.	ई-निविदा संख्या	विवरण	टेंडर बंद/खुलने की तिथि एवं समय	खरीदी मात्रा
1	03242021	ब्रेक बियर प्लेट (पॉकेट लाईनर) फॉर केसनब बोगी	20.09.2024 At 10:30 hrs	28610 नग
2	02244026	किट आईओएच फॉर आर.आर 20100 सी.जी. (एम) एयर पर ईएलजी	23.09.2024 At 10:30 hrs	55 सेट
3	04241149A	लो मेंटेनेन्स लीड एसिड बैटरी 75 ए	23.09.2024 At 10:30hrs	490 नग
4	03243164	ए.ए.आर. अप्रूव्ड कार्टेज टेपर्ड रोलर बेयरिंग क्लास 'के' (6½"x9")	25.09.2024 At 10:30hrs	3000 नग
5	04245051	सप्लाई इरेक्शन टेस्टिंग एंड कमिसनिंग ऑफ 220 के.व्ही./2x25 के.व्ही. न्यूमेरिकल टाईप कंट्रोल एंड रिले पैनल	27.09.2024 At 10:30hrs	01 नग
6	03241557	कम्पलीट सेट फॉर एम्पटी लोड बॉक्स अरेंजमेंट ऑफ बॉक्सएन वैगन	30.09.2024 At 10:30hrs	2346 सेट

रेलवे को किसी निविदा के लिये शुद्धिपत्र जारी करने का अधिकार है, शुद्धि पत्र और ई खरीद की जरूरी सूचना वेंडर www.ireps.gov.in पर देख सकते हैं।
सीपीआर/10/PR/235 प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक
South East Central Railway @secrail

न्यायालय तहसीलदार पथरिया, जिला-मुंगेली (छ.ग.)
रा.प्र.क्र./202405250900001/अ-27/2023-24 ग्राम-बदरा ब, प.ह.नं. 31
दैनिक समाचार-पत्र के माध्यम से नोटिस
प्रति,
1. श्यामलाल साहू पिता मुखीराम साहू 2. बरूनलाल पिता मुखीलाल साहू दोनों निवासी ग्राम बदरा (ब.), तहसील पथरिया, जिला मुंगेली (छ.ग.).....अनावेदकगण

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि आवेदक कन्हैया लाल साहू पिता मुखीराम साहू, निवासी ग्राम बदरा ब., तहसील-पथरिया, जिला- मुंगेली (छ.ग.) के द्वारा ग्राम हिन्छापुरी, प.ह.नं.31, तहसील-पथरिया, जिला-मुंगेली (छ.ग.) में स्थित भूमि खसरा नम्बर 344 रकबा 0.922 हेक्टेयर भूमि शामिल खाता में आवेदक एवं अनावेदकगण के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त आवेदित कृषि भूमि का आवेदक तथा अनावेदकगण के मध्य 1/3 हिस्से में खाता विभाजन किये जाने हेतु ई-नामांतरण के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन किया गया है। प्रकरण में आवश्यक दस्तावेज के अभाव में/प्रकरण न्यायालय में लिया जाकर सुना जाना उचित प्रतीत होने से प्रकरण ई-कोर्ट में लिया गया।

उक्त प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है, जिसमें आगामी सुनवाई दिनांक 25/09/2024 को नियत है। अतः इस न्यायालय में उक्त तिथि को प्रातः 11 बजे उपस्थित होवें। अनुपस्थिति की दशा में एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी। आज दिनांक 11/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।
तहसीलदार
पथरिया, जिला-मुंगेली (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड रायपुर

(छत्तीसगढ़ शासन का एक उपक्रम) (छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत मंडल की उत्तरवर्ती कंपनी)
CIN-U4018T2003SGC051822
कार्यालय-कार्यपालन अभियंता, नगर संभाग (दक्षिण) रायपुर
न्यु पुरैना बस्ती रोड, 33/11 के.व्ही. उपकेन्द्र पुरैना के बाजु,
दूरभाष : 0771-2574766, Email- eecitysouth.raipur@cspc.co.in

क्रमांक/051-56/ सामान्य/2936 रायपुर, दिनांक 13/09/24

// बिजली बंद की सूचना //

समस्त सम्मानीय उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि नगर संभाग (दक्षिण) छ.स्टे.पा.डि.कं.लिमि., रायपुर के अंतर्गत निम्नांकित 33/11 के. व्ही. लाईनों का संधारण / रखरखाव एवं नये लाईन विस्तार से संबंधित कार्य किया जाना है। जिसके कारण कुछ स्थानों पर विद्युत आपूर्ति अवरूद्ध रहेगी। अतः दर्शायी गई तिथि के सम्मुख दर्शाये गये क्षेत्र में प्रातः 09:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक विद्युत आपूर्ति बंद रहेगी। आवश्यकतानुसार समय में वृद्धि की जा सकती है।

क्र.	दिनांक	फीडर का नाम	प्रभावित क्षेत्र
01	16.09.2024 दिन सोमवार	11 के. व्ही हर्ष टावर फीडर	हर्ष टावर, हर्ष रेसीडेंसी, सांई वाटिका, ए से एच रोड़ के आसपास का क्षेत्र।
02		33 के.व्ही. इंडियन ऑइल फीडर	उच्चदाब उपभोता अग्रसेन धाम, बालाजी मंदिर, चोकरधानी एवं वी.डब्लू केन्यान होटल के आसपास का क्षेत्र।
03		11 के.व्ही. फुंडहर फीडर	उच्चदाब उपभोक्ता, अग्रसेन धाम, बालाजी मंदिर, चोकरधानी एवं वी.डब्लू केन्यान होटल, लव-कुश वाटिका, गौरव गार्डन, साधना मंडप एवं वी.आई.पी. रोड का क्षेत्र।
04		11 के.व्ही. पिरदा फीडर	भवानी नगर जोरा, खल्लारी मंदिर, जोरा ग्राउंड, पंजाब नेशनल बैंक, आनंद भूमि के आसपास का क्षेत्र।
05	18.09.2024 दिन बुधवार	11 के. व्ही. महात्मा गांधी फीडर	नर्मदेश्वर मंदिर के आसपास का क्षेत्र, मारूति रेसीडेन्सी, गैलेक्सी रेसीडेन्सी, 3 जी कचनार, पीयुस कॉलोन के आसपास का क्षेत्र।
06		11 के.व्ही. गोल्डन टावर फीडर	गोल्डन टावर, नेचर सिटी के आसापास का क्षेत्र।
07	19.09.2024 दिन गुरूवार	11 के.व्ही. परशुराम नगर फीडर	आजाद नगर, अमलीडीह बी.एस.यू.पी., प्रेमपार्क फेस-1 व 2, संभाग ऑफिस रोड़ के आसपास का क्षेत्र।
08	20.09.2024 दिन शुक्रवार	33 के.व्ही. भाठागांव फीडर	उच्चदाब उपभोक्ता उर्मिला हॉस्पिटल, अवधपुरी, सोनू फर्नीचर के पास, हल्का तालाब के पास, सांई विला, ढेबर सिटी के सामने, अभिनंदन टावर, राम-जानकी मंदिर के पास, भाठागांव के आस-पास का क्षेत्र ।
09		11 के.व्ही. ऊर्जा पार्क फीडर	बीजनिगम के आसपास का क्षेत्र, धरमपुरा रोड़ का कुछ क्षेत्र।
10		11 के.व्ही. ओम विहार फीडर	फुण्डहर पानी टंकी के पास, फुण्डहर बस्ती, फुण्डहर चौक, साहू होटल के पास, ओम विहार एवं वी.आई.पी. रोड का क्षेत्र
11		11 के.व्ही. जैनम विहार फीडर, लॉर्ड सिटी फीडर	जैनम विहार, आकृति गार्डन, सांई रेसीडेन्सी, डी.एन. हाइड, सांई पेराडाइट्स, मुस्कान रेसीन्डेसी, वालफोट फेस-1 व 2, दावड़ा कॉलोनी, संजीवनी हॉस्पिटल के आसपास का क्षेत्र।

(आशीष अग्निहोत्री-4511743)
स्वहित एवं राष्ट्रहित में उर्जा की बचत करें। कार्यपालन अभियंता, नगर संभाग (दक्षिण)
छ.स्टे.पा.डि.कं. लिमि.रायपुर

पेज एक के शेष

टमाटर और भाटा की...

थी। नर्सरी का यह पौधा दिसंबर महीने में तैयार हो जाता। वह बाढ़ के पानी में डूबने से पूरी तरह गल गया। करेला और सेमी के नार भी खराब हो गए। करेला और सेमी का उत्पादन भी शुरू हो गया था। इसी तरह पालक, मिर्च की फसल को काफी नुकसान पहुंचा है। पपीते की नर्सरी का भी यही हाल है। दुर्ग, धमधा, अहिवारा क्षेत्र के नदी किनारे के किसान सबसे ज्यादा प्रभावित है।

ट्रायल रन पर...

दें कि यह घटना वंदे भारत ट्रेन के ट्रायल रन के दौरान हुई। ट्रेन महासमुंद से सुबह 7:10 बजे निकली थी और करीब 9 बजे बागबाहरा के पास पथराव हुआ। ट्रेन में मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने तत्काल सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों के नाम शिव कुमार बघेल, देवेंद्र कुमार, जीतू पांडे, सोनवानी और अर्जुन यादव हैं। शिव कुमार बघेल के भाई के बारे में जानकारी मिली है कि वह एक पार्षद है।

पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में...

के अनुसार वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में नक्सल उन्मूलन अभियान चलाया जा रहा है। इसी तारतम्य में जिला सुकमा थाना चिंतागुफा क्षेत्रान्तर्गत छोटे केड़वाल, बड़े केड़वाल, सिंघनमड़गू, तुमालपाड़ एवं आस-पास क्षेत्र में कोंटा एरिया कमेटी एवं पीएलजीएल बटालियन के नक्सलियों की उपस्थिति की सूचना पर 13 सितंबर को थाना चिंतागुफा क्षेत्रान्तर्गत कैम्प करीगुड़म से सहायक उप निरीक्षक नंदा मरकाम, प्रधान आरक्षक रमेश कुंजाम, उमेश कुंजाम, विनय दुधी के साथ जिला बल, डीआरजी एवं बस्तर फाउटर की संयुक्त पार्टी सूचना स्थल नक्सली गस्त सर्चिंग के लिए रवाना हुए थे। उसी दौरान 14 सितंबर की सुबह लगभग 8.30 बजे तुमालपाड़ के जंगल-पहाड़ को सर्च करते हुए आगे बढ़ रहे थे। पूर्व से घात लगाकर बैठे नक्सलियों ने सुरक्षा बलों को जान से मारने एवं हथियार लूटने के नीयत से अंधाधुंध फायरिंग करने लगे सुरक्षाबलों द्वारा भी पोजिशन लेकर आत्मरक्षार्थ में जवाबी कार्यवाही किया गया। नक्सली अपने आपको घिरता हुआ देखकर जंगल-पहाड़ी का आड़ लेकर भाग खड़े हुए।

यह वस्तुएं हुई बरामद : मुठभेड़ स्थल की सर्चिंग करने पर एक पुरुष नक्सली का शव, एक पिस्टल 3 नग जिंदा राउण्ड, एक बायोफेम वायरलेस सेट, एक काला पिट्टू, जिसमें एक टिफिन बम, एक देशी ग्रिनेड, 2 बीजीएल सेल, 4 जिलेटिन रॉड, 4 इलेक्ट्रिक डेटोनेटर, एक कैमरा फ्लेश, एक गुच्छा बिजली वायर, लगभग एक मीटर नीला रंग का गांठ लगा हुआ कोर्डेक्स वायर, एक मीटर लाल रंग का कोर्डेक्स वायर, एक जोड़ी काली वर्दी, एक केमोफ्लेस पेंट, एक केमोफ्लेस कैप एवं अन्य दैनिक उपयोगी सामग्री बरामद किया गया। पुलिस-नक्सली मुठभेड़ में मारे गए नक्सली का शिनाख्तगी ऑपरेशन टीम में शामिल आत्मसमर्पित नक्सली पुलिस कर्मियों से माड़वी कोसा ग्राम तोलेवर्ती थाना जगरगुण्डा जिला सुकमा, नक्सल संगठन में पद प्लाटून 4 एसीएम (पीपीसीएम) इनामी 5 लाख रुपए के रूप में किया गया।

मारे गए नक्सली...

के आने-जाने वाले मार्गों पर स्पाइक, बम लगाना, मुख्य मार्गों को खोदकर मार्ग अवरुद्ध करना, शासन-प्रशासन के विरुद्ध बेनर, नक्सली पर्चा लगाने एवं अन्य घटनाओं में शामिल रहा है।

एसआई भर्ती परीक्षा रद्...

सिंगल बेंच के फैसले को यथावत रखा है। कोर्ट ने तजवीर सिंह सोढी बनाम स्टेट ऑफ जम्मू-कश्मीर 2023 केस का हवाला देते हुए कहा है कि असफल परीक्षार्थियों को भर्ती प्रक्रिया निरस्त करने का अधिकार नहीं है। इससे चयनित उम्मीदवारों को बड़ी राहत मिली है। इससे पहले हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने भर्ती प्रक्रिया को 45 दिनों में पूरा करने और 90 दिनों में चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र जारी करने का निर्देश दिया था। कोर्ट ने यह भी आदेश दिया था कि प्लाटून कमांडर के पदों पर चयनित महिला उम्मीवारों को हटाकर पुरुष उम्मीदवारों को मेरिट के आधार पर नियुक्ति दी जाए। असफल परीक्षार्थियों ने इस फैसले के खिलाफ डिवीजन बेंच में अपील की थी, जिसमें दावा किया गया था कि भर्ती प्रक्रिया में अनियमितताएं थीं।

केंद्र ने तेल पर ...

कि कच्चे खाद्य तेलों पर पहले जो आयात शुल्क 5.5 प्रतिशत था उसमें 22 फीसदी का इजाफा करके इसको 27.5 प्रतिशत कर दिया गया है। इसी के साथ पक्के खाद्य तेज पर जो आयात शुल्क 12.5 फीसदी था, उसमें 25 फीसदी इजाफा होने से यह 37.5 फीसदी हो गया है। ऐसे में खाद्य तेलों के दाम 15 से 20 रुपए तक बढ़ सकते हैं। उत्पादन करने वाली कंपनियां सोमवार को जिस कीमत पर माल देंगी, उसके हिसाब से बाजार में कीमत तय होगी कि वास्तव में कितना इजाफा होगा। फिलहाल शनिवार को बाजार में 5 से दस रुपए अलग-अलग खाद्य तेलों पर दाम बढ़े हैं। कारोबारियों का कहना है, खाद्य तेलों की कोई कमी नहीं है, लेकिन कीमत जरूर बढ़ा दी गई है।

एक माह में दूसरी ...

तक हो गया है, वहीं चिल्हर में इसकी कीमत 110-115 रुपए तक हो गई है। इसी तरह से राइस ब्रान तेल थोक में 105 और चिल्हर में 110 रुपए हो गया है। अन्य खाद्य तेलों की कीमत में भी इजाफा हुआ है। फल्ली तेल थोक में 190 और चिल्हर में दो सौ रुपए हो गया है। सरसों तेल थोक में 140 और : चिल्हर में 150 रुपए हो गया है। पाम आइल की कीमत ज्यादा बढ़ी है। यह थोक में 175 और चिल्हर में 185 रुपए हो गया है।

सरकार ने तेल पर बढ़ाया ...

महंगा होगा। महाराष्ट्र और हरियाणा चुनाव से पहले यह कदम उठाया गया है। इन कच्चे तेलों पर प्रभावी शुल्क 5.5 से बढ़कर 27.5 फीसदी और रिफाइंड तेलों पर 13.75 से बढ़कर 35.75 फीसदी हो जाएगा। शुल्क में यह बदलाव शनिवार से प्रभावी हो गया है। सरकार के इस कदम से घरेलू तेल उत्पादकों को प्रोत्साहन मिल सकता है। देश की तेल आवश्यकताओं को पूरा करने में आत्मनिर्भर बनने की दिशा में यह एक कदम होगा। इसके अलावा घरेलू तेल उत्पादन बढ़ने से किसानों को बेहतर दाम मिल सकते हैं। उनकी आय में बढ़ोतरी होने के आसार हैं। हालांकि, तत्काल प्रभाव में खाद्य तेलों की कीमतें बढ़ सकती हैं।

राजस्व मंत्री टंकराम पर...

सेवा संघ के प्रदेश अध्यक्ष नीलमणी दुबे का आरोप है कि, जो मंत्री बंगले के आगे नतमस्तक हुए, उन्हें मनचाही जगह पर पदस्थापना दी गई है। इस ट्रांसफर पोस्टिंग में किसी प्रकार का कोई क्राइटेरिया नहीं बनाया गया है। किसी का एक वर्ष के अंदर भी स्थानांतरण कर दिया गया है, तो किसी का 3 वर्ष के बाद भी स्थानांतरण कर दिया गया है। क्या मंत्री यह बताने का कष्ट करेंगे कि, किसी भी अधिकारी का 3 वर्ष के बाद ही स्थानांतरण करने का नियम है, लेकिन इसमें एक वर्ष, दो वर्ष किसी भी क्राइटेरिया का पालन ही नहीं किया गया है, इस पदस्थापना में घोर अनियमितता हुई है।

जिनका 6 माह बाद रिटायरमेंट उनका भी तबादला : नीलमणी दुबे ने कहा, जिस व्यक्ति का 6 महीने बाद रिटायरमेंट है, उसका भी स्थानांतरण कर दिया गया है। 55 वर्ष के व्यक्ति जो आईसीयू में भर्ती है, उनका भी स्थानांतरण कर दिया गया है। न ही स्वास्थ्य क्राइटेरिया है, ना ही उम्र क्राइटेरिया है। इस पदस्थापना में कोई क्राइटेरिया नहीं है। उन्होंने कहा, पिछले 2 साल में यह मेरा छठवां ट्रांसफर है। मेरे परिवार पर क्या बीत रही है, मुझ पर क्या बीत रही है। आप 2 साल में मेरा 6-6 बार ट्रांसफर कर रहे हैं।

संघ के पदाधिकारियों को किया टारगेट : संघ के अध्यक्ष ने कहा, जानबूझकर संघ के पदाधिकारियों को टारगेट किया गया है। मैं अध्यक्ष हूं, मेरा ट्रांसफर मोहला-मानपुर कर दिया गया है, क्योंकि मैं संघ का अध्यक्ष हूं, और मैं लोगों की बातों को रायपुर आकर रखता हूं। मुझे जानबूझकर मोहला-मानपुर भेज दिया गया है, ताकि मैं किसी भी प्रकार की बातों को रखकर रायपुर नहीं आ पाऊं। उन्होंने कहा, राकेश देवांगन संघ के सक्रिय सदस्य हैं, उनका रायपुर से सुकमा ट्रांसफर कर दिया गया है। संघ के पदाधिकारी गुरुदत्त पंच भाई को दुर्ग में गए एक साल हुआ है, उनका ट्रांसफर बलरामपुर कर दिया गया है। संघ के प्रवक्ता पेखंड टोकरे को सुकमा भेज दिया गया है। ये षड़यंत्रकारी नीति है।

उप्र : बदायूं में करंट लगने से छह बंदरों की मौत, मामला दर्ज

बदायूं। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के दातागंज थाना क्षेत्र में वन विभाग ने छह बंदरों की करंट लगने से मौत की घटना के सिलसिले में जांच के आदेश दिए हैं और दो लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। निर्माण में जुटी एक निजी निर्माण कंपनी के कैंप कार्यालय में शुक्रवार को हुई।

विभागीय सूत्रों ने बताया कि कार्यालय में लगे कूलर की सुरक्षा के लिए कर्मियों ने एक बिजली का तार अलग से लगा दिया था, जिसमें करंट आ गया और उसी करंट से बंदरों की शुक्रवार को मौत हो गयी।

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं. WAT-TRS-OT-15-2024-25
कार्य का नाम साथ में उसका स्थान: इलेक्ट्रिक लोको शेड (ELS)/विशाखापट्टणम (VSKP) में CLW आरेख सं. 1209-08-131-010 के अनुसार WAP7/WAG9 इलेक्ट्रिक लोकोमोटिवों के चालक दल के अनुकूल ड्राइविंग CAB में ड्राइवर सीट असेम्बली का 3 वर्षों की अवधि के लिए मरम्मत एवं फिटमेंट।
निविदा मूल्य: रु. 25,52,148.00, EMD: रु. 51,100.00.

निविदा सूचना सं. WAT-TRS-OT-16-2024-25
कार्य का नाम साथ में उसका स्थान: इलेक्ट्रिक लोको शेड, विशाखापट्टणम में WAG9, WAP7 एवं WAG5 इलेक्ट्रिक लोकोमोटिवों की 3 वर्षों की अवधि के लिए PU (पॉलीयूरेथेन) पेंटिंग।
निविदा मूल्य: रु. 1,05,17,878.38, EMD: रु. 2,02,600.00.
कार्य समापन की अवधि: 3 (तीन) वर्ष (क्रमांक 1 एवं 2 के लिए)।
निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 03.10.2024 को 1500 बजे (क्रमांक 1 एवं 2 के लिए)।
ऊपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित सम्पूर्ण जानकारी वेबसाइट: www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है।
वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता (TRS), विशाखापट्टणम
PR-525/P/24-25

न्यायालय तहसीलदार पथरिया, जिला-मुंगेली (छ.ग.)
रा.प्र.क्र./202405250900004/अ-27/2023-24 ग्राम-बदरा ब, प.ह.नं. 30
दैनिक समाचार-पत्र के माध्यम से नोटिस
प्रति,
1. श्यामलाल साहू पिता मुखीराम साहू 2. बरूनलाल पिता मुखीलाल साहू दोनों निवासी ग्राम बदरा (ब.), तहसील पथरिया, जिला मुंगेली (छ.ग.).....अनावेदकगण

एतद् द्वारा आपको सूचित किया जाता है कि आवेदक कन्हैया लाल साहू पिता मुखीराम साहू, निवासी ग्राम बदरा ब., तहसील-पथरिया, जिला-मुंगेली (छ.ग.) के द्वारा ग्राम बदरा ब., प.ह.नं.30, तहसील-पथरिया, जिला-मुंगेली (छ.ग.) में स्थित भूमि खसरा नम्बर 422, 482/1 रकबा क्रमशः 1.007, 1.210 हेक्टेयर भूमि शामिल खाता में आवेदक एवं अनावेदकगण के नाम पर राजस्व अभिलेख में दर्ज है। उक्त आवेदित कृषि भूमि का आवेदक तथा अनावेदकगण के मध्य खाता विभाजन किये जाने हेतु ई-नामांतरण के माध्यम से ऑनलाईन आवेदन किया गया है। प्रकरण में आवश्यक दस्तावेज के अभाव में/प्रकरण न्यायालय में लिया जाकर सुना जाना उचित प्रतीत होने से प्रकरण ई-कोर्ट में लिया गया।

उक्त प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है, जिसमें आगामी सुनवाई दिनांक 25/09/2024 को नियत है। अतः इस न्यायालय में उक्त तिथि को प्रातः 11 बजे उपस्थित होवें। अनुपस्थिति की दशा में एकपक्षीय कार्यवाही की जावेगी। आज दिनांक 11/09/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा के अधीन जारी किया गया।
तहसीलदार
पथरिया, जिला-मुंगेली (छ.ग.)

छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल

पर्यावास भवन, सेक्टर 19, नवा रायपुर अटल नगर, जिला - रायपुर (छ.ग.)

// सर्व संबंधित को सूचना //

भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा जारी ई.आई.ए. नोटिफिकेशन, 2006 (यथा - संशोधित) के तहत सर्व संबंधित को सूचित किया जाता है कि मेसर्स अकोलडीह खपरी लाईम स्टोन (लो ग्रेड) क्वारी माईनिंग (प्रो. मोहम्मद अल्ताफ), ग्राम अकोलडीह, तहसील-आरंग, जिला रायपुर स्थित खसरा क्रमांक 427/1-2, 428, 429, 430, 431, 432, 433, 453, 454, 455/1-2, 456, 458, 459, 461, 463, 465, 482 483 कुल क्षेत्रफल - 4.09 हेक्टेयर में प्रस्तावित आवेदित उत्खनन क्षमता 39,814.5 टन प्रतिवर्ष के पर्यावरणीय स्वीकृति बाबत लोक सुनवाई दिनांक 16/10/2024 को प्रातः 11:00 बजे से स्थल- परियोजना मेसर्स अकोलडीह खपरी लाईम स्टोन परिसर स्थित रिक्त भूमि खसरा नं. 339 तहसील - आरंग, जिला - रायपुर (छ.ग.) में नियत की गई है।

ई.आई.ए. नोटिफिकेशन, 14 सितम्बर 2006 (यथा - संशोधित) के अनुसार संबंधित व्यक्तियों के अवलोकन / पठन हेतु ड्राफ्ट ई.आई.ए. रिपोर्ट, कार्यपालक सार हिन्दी एवं अंग्रेजी भाषा तथा सी.डी. (साफ्ट कॉपी) डायरेक्टर, भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, जोर बाग रोड, नई दिल्ली, भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, अरण्य भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर - 19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर, कार्यालय कलेक्टर रायपुर, जिला - रायपुर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत रायपुर, जिला - रायपुर, मुख्य महाप्रबंधक, जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, रायपुर, जिला रायपुर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत आरंग, जिला कार्यालय सरपंच, धनसुली, तहसील आरंग, जिला - रायपुर, क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ पर्यावरण संरक्षण मंडल, न्यू ऑफिस बिल्डिंग, रिंग रोड़ नं. 2. टाटीबंध, रायपुर, जिला - रायपुर एवं मुख्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, पर्यावास भवन, सेक्टर-19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर, जिला - रायपुर में रखी गई है।

सदस्य सचिव
छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर (छ.ग.)
S-41434/1

कार्यालय नगर पंचायत बसना, जिला महासमुन्द (छ.ग.)

E mail- npbasna@gmail.com

क्रमांक 826/न.प./लो.नि.वि./2024-25 ई-निविदा आमंत्रण सूचना बसना दिनांक 13.09.24

नगर पंचायत बसना के अधीन निर्माण कार्य हेतु एकीकृत पंजीयन प्रणाली में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन निविदा प्रपत्र ए में छ.ग. लोक स्वास्थ्य यांत्रिक विभाग पी.एच.ई.डी. एस.ओ.आर (दिनांक 07.02.2020 से प्रभावित) एवं छ.ग. लोक निर्माण विभाग में प्रचलित भवन /सड़क एस.ओ.आर. (दिनांक 01.01.2015 से प्रभावशील) एवं इलेक्ट्रिकल एस.ओ.आर. (दिनांक 01.06.2020 से प्रभावशील) प्रतिशत दर पर आमंत्रित किया जाता है-

01. Date Of Issue Of tender - 13.09.2024 5.30 PM
02. Last Date for On line Submission for technical& Financial Bid - 03.10.2024 5.30 PM
03. Last Date for Submission of Physical bid - 10.10.2024 5.00 PM
04. Bid Open Date - 11.10.2024 11.00 AM

क्रं.	सिस्टम टेंडर क्रमांक	कार्य-विवरण	अनु लागत (रू. लाख में)	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य	समयावधि	प्रपत्र	एस.ओ.आर
01	158598	नगर पंचायत बसना क्षेत्रान्तर्गत वार्ड क्रं. 06,07,08,09 एवं 10 में पेयजल प्रदाय कार्य हेतु 01 लाख लीटर ओवरहेड टैंक, 50 हजार लीटर सम्पटेंक एवं पम्प हाउस निर्माण कार्य	46.35	34800.00	1500.00	06 month	'A'	CGPHED SOR 07.02.2020&CGPWD Bulding/Road SOR 01.01.2015 & Electrical SOR 01.06.2020
02	158599	नगर पंचायत बसना क्षेत्रान्तर्गत वार्ड क्रं 02,03 एवं 04 में पेयजल प्रदाय कार्य हेतु 50 हजार लीटर सम्पटेंक, पम्प हाउस तथा 500 मीटर पाईप लाईन कार्य।	36.83	27650.00	1500.00	06 month	'A'	CGPHED SOR 07.02.2020&CGPWD Bulding/Road SOR 01.01.2015 & Electrical 01.06.2020

उपरोक्त कार्य की निविदा की सामान्य शर्तें धरोहर राशि विस्तृत, निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल http://eproc.cgstate.gov.in/ से डाउनलोड की जा सकती है।
मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत बसना

राशिफल

मेष — कारोबार के कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। किसी मित्र का सहयोग भी मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृष — मन परेशान हो सकता है। आत्मविश्वास में कमी आयेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में बदलाव हो सकता है।

मिथुन — परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं। भाइयों का सहयोग रहेगा।

कर्क — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। नौकरी में स्थान परिवर्तन हो सकता है। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में सफलता मिलेगी।

सिंह — बातचीत में सन्तुलन बनाये रखें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। जीवनसाथी का सहयोग एवं सानिध्य मिलेगा।

कन्या — नौकरी में परिवर्तन की सम्भावना बन रही है। किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — भाग-दौड़ अधिक रहेगी। मित्रों का सहयोग मिलेगा। लाभ के अवसर मिलेंगे। शैक्षिक कार्यों के लिए यात्रा पर जा सकते हैं। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे।

वृश्चिक — जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। माता का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। व्यर्थ की चिंताओं से मन विचलित रहेगा।

धनु — व्यर्थ के वाद-विवाद से बचें। नौकरी में अफसरों से सदभाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी।

मकर — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा। धन प्राप्ति के मार्ग बनेंगे।

कुंभ — मन प्रसन्न रहेगा। फिर भी आत्मसंयत रहें। बातचीत में सन्तुलित रहें। कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मीन — तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे, परन्तु किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मसंयत रहें। क्रोध के अतिरेक से बचें।

शब्द पहेली - 5633

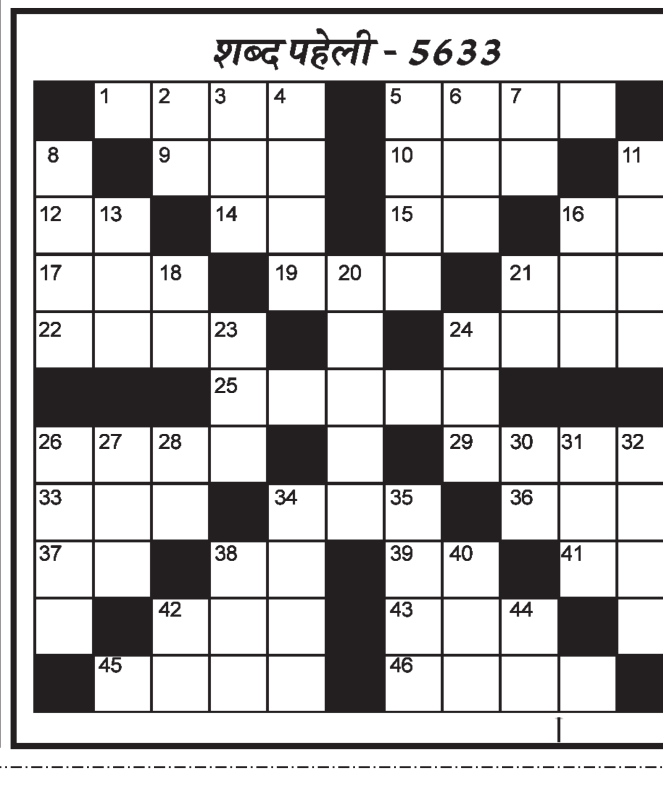

बाएँ से दाएँ
1.लूटमार,डाका-4
5.रपटना -4
9.डोली उठानेवाले-3
10.पुत्र,लड़का-3
12.अधिकार-2
14.नवीन,नया-2
15.एक विदेशी शराब-2
16.कला,हुनर-2
17.मां का प्यार-3
19.दम,बल,जोर-3
21.पपीहा,पपीहरा-3
22.करामात,कारनामा-4
24.शमशीर,कृपाण-4
25.तरंगित,लहरीय-5
26.बोरिया-बिस्तर-4
29.साले की पत्नी-4
33.प्रयास,यत्न-3
34.सहायता,सहयोग-3
36.लीन,तल्लीन-3
37.गहन वन,बुनाई कर्म-2
38.टुकड़ा,कण-2
39.मैं का बहुवचन-2
41.भीगा हुआ-2
42.अंधकार,अंधेरा-3
43.द्रव मापने की इकाई-3
45.प्राचीर,स्तंभ-4
46.बादला,जरबाफ-4

ऊपर से नीचे
2.अधिकार-2
3.जगत,दुनिया-3
4. सुनसान शांति,-4
5.आदत-4
6.साजन, बालम-3
7.क्रमबद्धता-2
8.मूर्ख,बेवकूफ-4
11.बुनाई करने वाला-4
13.कटि,मध्यांग-3
16.धार्मिक आज्ञा-3
18.पितामह-2
20.कमर में पहनने वाला आभूषण -5
21.चलने का ढ़ंग-2
23.पिया,साजन-3
24.दया,रहम-3
26.बेमिसाल, अनूठा-4
27.स्वदेश,मातृभूमि-3
28.जनता,आम लोग -2
30.मैं का बहुवचन-2
31.अभिरुचि,तल्लीनता-3
32.जनता की राय-4
34.उपाधि,पदवी-4
35.देहरी,चौखट-4
38.कक्ष,रूम-3
40.बटाणा,काबुली-3
42.स्तर,परत-2
44.ईश्वर,खुदा,भगवान-2

शब्द पहेली- 5632 का हल

सूडोकु नवताल - 5644

★★★★☆ कठिन

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
							3	5
	6						7	
4	8							
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
■ पहेली का केवल एक ही हल है.

MANGAL SENACHA, BANGALORE

सूडोकु नवताल - 5643 का हल

4	2	5	8	6	1	9	7	3
7	3	1	9	4	2	8	5	6
6	9	8	7	3	5	4	2	1
1	6	2	3	8	9	5	4	7
9	4	3	5	1	7	6	8	2
8	5	7	4	2	6	3	1	9
2	1	9	6	5	8	7	3	4
5	7	4	1	9	3	2	6	8
3	8	6	2	7	4	1	9	5

तरकश
संजय के. दीक्षित

अमीर छत्तीसगढ़, गरीब मध्यप्रदेश!

काम-धाम, वर्क कल्चर और तरक्की के मामले में मध्यप्रदेश भले ही छत्तीसगढ़ से आगे हो मगर करप्शन के रेट में काफी पीछे है। शुक्रवार की की ही बात है...मउगंज के अपर कलेक्टर पांच हजार रिश्वत लेते पकड़े गए। जमीन बंटवारे के केस में फैसला देने के लिए उन्होंने 20 हजार मांगा और पांच हजार लेते ट्रेप हो गए। जबकि, उससे एक दिन पहले छत्तीसगढ़ की एसीबी ने बाबू को एक लाख रुपए लेते रंगे हाथ पकड़ा था। अब आप समझ सकते हैं...छत्तीसगढ़ का बाबू एक लाख और एमपी में एडिशनल कलेक्टर पांच हजार...। दरअसल, सूबे में करप्शन का लेवल इतना बढ़ गया है कि बिना पैसे के आप वाजिब काम की भी कल्पना नहीं कर सकते। मुलाजिमों को छोड़यि...ठेका, सप्लाई में कई मंत्री 35 परसेंट के रेट से नीचे जाने तैयार नहीं। रमन और भूपेश सरकार में दो-एक मंत्रियों ने अपने खर्चे को देखते रेट 35 से 40 फीसदी तक बढ़ा दिया था, इस समय भी कुछ मंत्री पुराने रेट को कम करने तैयार नहीं।

जेलों में जगह नहीं

एमपी में 5 हजार रुपए के चक्कर में मउगंज के अपर कलेक्टर के निबट जाने की खबर सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद लोगों ने खूब मौज ली। एक ने लिखा, छत्तीसगढ़ में अगर पांच हजार रिश्वत वालों को पकड़ना शुरू कर दिया जाए तो जेलों में जगह कम पड़ जाएगी...वैसे भी छत्तीसगढ़ की जेलों में क्षमता से दोगुने, तीगुने कैदी हैं। किसी ने लिखा...सरकार को नए जेल बनवाने पड़ेंगे। देर रात एसीबी के एक अफसर ने भी चुटकी ली...पांच हजार रुपए वालों को हमलोग चाय-पानी का खर्चा मान छोड़ देते हैं, ऐसी शिकायतों पर कार्रवाई नहीं करते। जाहिर है, विष्णुदेव से फ्री हैंड मिलने के बाद छत्तीसगढ़ की एसीबी इस समय फुल मोड में है। छह महीने में 35 अधिकारियों, कर्मचारियों को जेल भेज चुकी है। इनमें एसडीएम से लेकर ज्वाइंट डायरेक्टर, सुपरिटेंडेंट इंजीनियर और टीआई, एसआई तक शामिल हैं।

मंत्रियों को मर्यादा की पाठ

कई मंत्रियों की कारगुजारियों से छत्तीसगढ़ सरकार की छबि को लेकर अच्छे संदेश नहीं जा रहे हैं। लिहाजा, संगठन मंत्री पवन साय को मंत्रियों को मर्यादा को याद दिलाना चाहिए। क्योंकि, ये आवश्यक नहीं कि जो मुख्यमंत्री करें, वो मंत्री भी करने लगें। मुख्यमंत्री निवास में तीजा महोत्सव मना तो एक मंत्रीजी ने भी अपने सरकारी बंगले में धूमधाम से तीज उत्सव का आयोजन कर डाले। मुख्यमंत्री किसी मंत्री के इलाके में जाए और वहां के मंत्री उस कार्यक्रम से गोल रहे तो ये सीधे-सीधे प्रोटोकॉल का उल्लंघन है। ये तो हुई अदब और प्रोटोकॉल की बात। करप्शन में दो-तीन मंत्री पिछली सरकारों के अपने भाइयों को पीछे छोड़ दिए हैं। ट्रांसफर में मुलाजिमों के पास मंत्रियों के करिंदों के फोन जा रहे...कुर्सी पर टिके रहना है तो इतना पेटी पहुंचा दो। अगर पैसे देने में इधर-उधर किए तो फिर तबादला। सीधे तौर पर कहें तो पोस्टिंग की बोली लग रही है। रेट भी बेहद हाई। सरकार की सेहत के लिए ये ठीक नहीं। मुख्यमंत्री गुड गवर्नेंस के लिए दो दिन सर्किट हाउस में कलेक्टरों, पुलिस अधीक्षकों की क्लास लेते रहे मगर मंत्रियों को इससे कोई वास्ता नहीं। उन्हें चाहिए सिर्फ पेटी। पवन साय जी को थोड़ा कड़क होना पड़ेगा, जरूरी हुआ तो डंडे भी चलाएं...क्योंकि मोदी की गारंटी और विष्णु के सुशासन के लिए इस टाईप के मंत्रियों को टाईट करने रखना होगा।

टी ब्रेक केंसिल

कलेक्टर-एसपी कांफ्रेंस में सीएम विष्णुदेव साय ने एक चीज स्पष्ट कर दिया कि काम नहीं करोगे तो उसके जिम्मेदार आप होगे...गड़बड़ी करने वालों को आप जेल नहीं भेजोगे तो हम कार्रवाई करेंगे। जाहिर है, सीएम ने कलेक्टर-एसपी को बड़ा टास्क दे दिया है। डीएम-एसपी के पद को सिर्फ पैसा कमाने का जरिया समझने वालों को इससे मायूसी हुई होगी। बता दें, दो दिन के कलेक्टर-एसपी कांफ्रेंस को सीएम ने इतना इम्पॉर्टेंस दिया कि दो दिन वे वहां से हिले नहीं। प्रोग्राम में दोनों दिन टी ब्रेक था, सीएम ने उसे रोकवा दिया। बोले, चाय की जरूरत नहीं। लिहाजा, अफसरों को भी चाय का ब्रेक नहीं मिल पाया। सीएम ने दोनों दिन सर्किट हाउस में ही खाना खाया। जबकि, चार कदम पर सीएम हाउस है। सबसे अहम बात कलेक्टर-एसपी से आई कंटेक्ट। किसी भी अफसर के प्रेजेंटेशन को उन्होंने अनसूना नहीं किया। पूरे समय उन्होंने रिस्पांस दिया और प्रेजेंटेशन देने वाले अफसर को सुनते रहे। कलेक्टर्स, एसपी को अब डर सता रहा कि सीएम साब ने इतना ध्यान से उनके प्रेजेंटेशन को सुना है तो अगली बार अगर कोई चूक हुई तो फिर क्या होगा?

अधिकारियों, कर्मचारियों का डेटा

नगरीय प्रशासन विभाग ने इस हफ्ते एक ऐसे कार्यपालन अभियंता का ट्रांसफर कर दिया, जिसका फरवरी में रिटायरमेंट है। उसे कोरबा से बिलासपुर ट्रांसफर किया गया। आमतौर पर ट्रांसफर से छह महीने पहले ट्रांसफर नहीं किया जाता। फिर नगर निगमों के मुलाजिम मूल पदास्थापना से ही रिटायर होते हैं। ईई का मूल पोस्टिंग कोरबा है। और इसी आधार पर ट्रांसफर के तीसरे दिन ही बिलासपुर हाई कोर्ट से उन्हें स्टे मिल गया। छत्तीसगढ़ सरकार को गुड गवर्नेंस के प्रयासों के बीच कर्मचारियों और अधिकारियों का एक डेटा तैयार कराना चाहिए। ताकि, मालूम रहे कि किसका कब रिटायरमेंट है, उसकी मूल पोस्टिंग कहां है। वरना, इस तरह तबादले से विभागों के साथ ही सरकार की छबि धूमिल होती है।

नया ट्रांसफर मॉडल

पिछले महीने पंजीयन मंत्री ओपी चौधरी ने सरकारी खजाने को डेढ़ करोड़ का चूना लगाने के मामले में तीन रजिस्ट्री अधिकारियों को सस्पेंड किया था। इस कार्रवाई के खिलाफ पंजीयन अधिकारियों ने प्रेशर पॉलिटिक्स के तहत हड़ताल पर उतरने की तैयारी कर लिया था। मगर इस बार कोई मौका नहीं मिला। तीन दिन की छुट्टी शुरू होने के दिन पंजीयन विभाग ने 60 अधिकारियों, कर्मचारियों को एक झटके में बदल दिया। रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग के सारे स्टाफ हटा दिए गए। इससे पहले हाई कोर्ट में केवियेट दायर हो चुका था। ट्रांसफर के कुछ घंटे के भीतर उसी दिन सभी को रिलीव कर दिया गया। ठीक ही कहा गया है...सरकार, सरकार होती है।

7 दिन का टाईम क्यों?

मध्यप्रदेश बड़ा राज्य था। ग्वालियर से लेकर दंतेवाड़ा और जशपुर तक। इसलिए वहां अधिकारियों, कर्मचारियों के ट्रांसफर में कार्यभार ग्रहण करने के लिए सात दिन का टाईम दिया जाता था। छत्तीसगढ़ में भोपालपटनम से बलरामपुर भी सुबह निकलकर शाम तक पहुंचा जा सकता है। नई ज्वाईनिंग के लिए सात दिवस का समय दिए जाने से होता ये है कि अधिकांश तबादलों पर स्टे मिल जा रहा। ट्रांसफर आदेश निकलते ही लोग बिलासपुर में अपने परिचित वकील को फोन लगाते हैं और अगली सुबह पहुंचकर वहां अर्जी दाखिल हो जाती है। एमपी के समय जबलपुर हाई कोर्ट था। तब रोड कनेक्टिविटी भी पुअर रहा। इसलिए, वहां जाने के पहले सोचना पड़ता था। बहरहाल, जानकारों का कहना है कि छोटे राज्य में ज्वाईनिंग के लिए तीन दिन का टाईम काफी है। मगर यह भी सही है कि ट्रांसफर के पीछे किसी पूर्वाग्रह से ग्रसित नहीं होना चाहिए।

देर आए दुरुस्त आए

रायपुर कलेक्टर रहे डॉ0 सर्वेश भूरे को सरकार ने जलग्रहण मिशन का सीईओ बनाया है। सर्वेश के पास नौ महीने से अल्पज्ञात विभाग था...राज्य निर्वाचन आयुक्त के सचिव का। चलिये, देरी से हुआ मगर सरकार ने उन्हें महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी है। करीब 25 हजार करोड़ के जलग्रहण मिशन के तहत घर-घर को नलजल से जोड़ने की योजना है। सरकार का बेहद फोकस वाला यह मिशन है।

बड़ा फैसला

हाल में आईएएस अफसरों के फेरबदल में सरकार ने एसीएस ऋचा शर्मा को खाद्य विभाग की कमान सौंपी है। उनके पास फॉरेस्ट भी रहेगा। ऋचा पहले भी खाद्य विभाग संभाल चुकी है। छत्तीसगढ़ में राईस माफियाओं पर अंकुश लगाने में उनका अहम योगदान रहा है। कई बड़े-बड़े नाम वाले फूड सिकरेट्री जो नहीं कर पाए, उसे ऋचा ने किया था। वैसे भी, देखा गया है कि कई मामलों में लेडी अफसर माफिया तंत्र पर भारी पड़ जाती है। सामने अगर तेज महिला अफसर है तो बड़े रसूखदार लोग भी पांव पीछे खींच लेते हैं। अब सरकार ने दूसरी बार ऋचा को फूड की कमान सौंपी है तो कुछ तो बात होगी। हो सकता है कि पिछली सरकार में मिलिंग चार्ज तीगुना किया गया था, उसे कम किया जाए। मिलिंग चार्ज का करोड़ों रुपए राईस मिलरों की जेब में जा रहा है।

अंत में दो सवाल आपसे

1. किस मंत्री के जोरु का भाई ट्रांसफर का खाता-बही लेकर काउंटर खोल दिया है?
2. वास्तव में अभी लाल बत्ती दी जाएगी या फिर अफवाहें फैलाई जा रही?

पुत्र के पेट में छुरी से हमलाकर की हत्या, आरोपी पिता जेल दाखिल

फरसगांव। कोंडागांव जिले के उरन्दाबेडा थाना क्षेत्र के ग्राम मोदेबेड़मा में एक कलयुगी पिता ने अपने ही एकलौते बेटे की हत्या कर दी । पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। जानकारी अनुसार प्रार्थिया रजाय बाई नाग पति दलसिंह नाग शुक्रवार की रात 8 बजे थाना उरन्दाबेड़ा में आकर रिपोर्ट दर्ज करावाई कु शुक्रवार की शाम उसके ससुर लछमाराम नाग और उसके पति दलसिंह के बीच खेत के कामकाज और धान बेचने को लेकर विवाद हुआ। जिसमे बेटे में दलसिंह गुस्से में आकर अपने पिता को 2-3 थप्पड़ मार दिया। फिर दोनो में हाथापाई हई तभी अचानक पिता ने पास में रखे लोहे की छूरी से अपने पुत्र के पेट में वार कर दिया, जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया,जिसकी मौके पर ही मौत हो गई। रिपोर्ट पर थाना उरन्दाबेड़ा में तत्काल भादंवि की धारा 103 (1) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध दर्ज किया गया।

REQUIRE IN YOUR CITY
FRANCHISE / Co-PACKER
FOR 8 PM PACKAGED DRINKING WATER & SODA

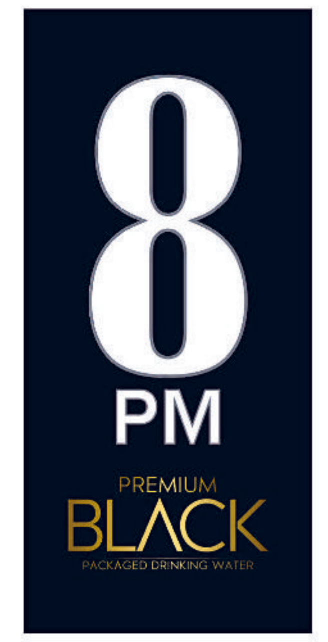

The following qualifications are required to apply
FRANCHISE / Co-PACKER
For New Automatic Water Bottling Plant
Investment Starts - from 2 Cr.
If you already have Automatic Bottling Plant
Investment Starts - from 50 Lac.
In your area Company / Firm / Individual can apply
To apply contact
NGE LTD.
Call : 1800 309 3081
E-mail : info@nexgenenergia.com

गिरफ्तार 8 नक्सलियों में एक एक लाख का इनामी, विस्फोटक सामग्री भी जब्त

कोंटा। थाना जगरगुण्डा से तोमेश वर्मा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी जगरगुण्डा के नेतृत्व में इन्द्रकुमार प्रधान आरक्षक, बारसे भीमा के साथ जिला बल, डीआरजी हिरो, इंडिया एवं बस्तर फाईटर व कैम्प कमारगुड़ा से विकास कुमार सहायक कमाण्डेंट के साथ यंग प्लाटुन 231 वाहिनी सीआरपीएफ बल की संयुक्त पार्टी गस्त सर्चिंग के लिए निकली थी। ग्राम बैनपल्ली व आस-पास क्षेत्र की ओर रवाना हुए थे। इस दौरान जंगली रास्ते में कुछ संदिग्ध व्यक्ति पुलिस पार्टी को देखकर लुक छिप रहे थे। जिन्हे पुलिस पार्टी द्वारा आठ संदिग्ध व्यक्तियों को घेराबंदी कर पकड़ा गया। इनमें एक मिलिशिया कमाण्डर पर एक लाख रुपए का ईनाम घोषित है। वहीं नक्सलियों के पास से सुरक्षा बलों के आने-जाने वाले मार्ग में प्लांट करने के मंशा से रखे, विस्फोटक सामग्री बरामद किया गया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सभी गिरफ्तार नक्सली थाना जगरगुण्डा क्षेत्र के निवासी हैं।

THE INDIAN NAVY

online application are invited from eligible unmarried men and unmarried women candidates for grant of Short Service Commission (SSC) for course commencing Jun 2025 at Indian Naval Academy Ezhimala, Kerala.

Branch/Cadre	Vacancies*	Gender
General Service {GS(X)/ Hydro Cadre	56 (Including 06 Hydro)	Men and Women {maximum of 15 vacancies in GS (X) and 02 vacancies in GS (Hydro) for women}
Pilot	24	Men and Women (maximum of 07 vacancies for women)
Naval Air Operations Officer (Air Crew)	21	Men and Women (maximum of 06 vacancies for women)
Air Traffic Controller(ATC)	20	Men and Women (maximum of 06 vacancies for women)
Logistics	20	Men and Women (maximum of 06 vacancies for women)
Naval Armament Inspectorate Cadre(NAIC)	16	Men and Women
Education	15	Men and Women
Engineering Branch {General Service (GS)}	36	Men and Women (maximum of 11 vacancies for women)
Electrical Branch {General Service (GS)}	42	Men and Women (maximum of 13 vacancies for women)

The Vacancies are tentative and may be changed depending on availability of training slots. Candidates will be inducted in the rank of Sub Lieutenant.

CBC 10701/13/0026/2425

LAST DATE FOR SUBMISSION OF ONLINE APPLICATION 29 SEP 2024

For eligibility criteria and specific details for the batch, visit www.joinindiannavy.gov.in and

EMPLOYMENT NEWS DATED 14 SEP 2024

Scan this QR Code to apply online

मशरूमेक्स मशरूम पाउडर के उपयोगकर्ता के हज़ारों विडियो हो रहे YouTube पर वायरल

अजय देवगन बने देश के सबसे लोकप्रिय आयुर्वेदिक मशरुम पाउडर के ब्रांड एम्बेसडर

कॉर्पोरेट न्यूज़ ⏭ भोपाल

भारत में स्वास्थ्य संबंधी चिंताएँ तेजी से बढ़ रही हैं, विशेषकर कोरोना महामारी के बाद से, जब लोगों ने अपने स्वास्थ्य और वजन पर अधिक ध्यान देना शुरू किया है। एक स्वस्थ जीवनशैली के लिए सही वजन बनाए रखना आवश्यक है, लेकिन आज की अनियमित खान-पान और आधुनिक जीवनशैली के कारण कई लोग या तो अत्यधिक वजन बढ़ा लेते हैं या बहुत दुबले हो जाते हैं। ऐसे में एक प्राकृतिक और आयुर्वेदिक समाधान की तलाश स्वाभाविक है। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए मशरूम वर्ल्ड ग्रुप ने अपने मशरूम आधारित उत्पादों के साथ एक प्रभावी समाधान पेश किया है। इन उत्पादों में सबसे लोकप्रिय है मुशरूमेक्स – एक ऐसा मशरूम पाउडर जो भारत का सबसे ज़्यादा बिकने वाला वजन बढ़ाने वाला उत्पाद बन चुका है। यह उत्पाद अपनी गुणवत्ता और आयुर्वेदिक फार्मूले के आधार पर लाखों लोगों को स्वास्थ्य लाभ पहुंचा चुका है। खास बात यह है कि मशहूर अभिनेता अजय देवगन भी इस प्रोडक्ट का समर्थन कर रहे हैं, जो इसे भारतीय बाजार में एक प्रतिष्ठित और भरोसेमंद ब्रांड बना देता है। उनका कहना है कि मशरूमेक्स पाउडर ने लोगों के जीवन में एक सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, और वह खुद भी इस ब्रांड के साथ जुड़ने पर गर्व महसूस करते हैं।

YouTube पर छाया मशरूमेक्स – भारत का सबसे ज़्यादा बिकने वाला मशरूम-आधारित पाउडर

मशरूमेक्स तेजी से भारत में सबसे ज़्यादा बिकने वाला मशरूम-आधारित वजन बढ़ाने वाला पाउडर बन गया है। पतलेपन (दुबलेपन) और पाचन से जुड़ी समस्याओं के लिए इसे एक प्राकृतिक समाधान के रूप में देखा जा रहा है। इसका 12 आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों और मशरूम का खास फॉर्मूला भूख बढ़ाने, मेटाबॉलिज्म सुधारने, और मांसपेशियों के विकास में सहायक साबित हो रहा है। YouTube और सोशल मीडिया पर मशरूमेक्स की खूब चर्चा हो रही है। लोग अपने अनुभव शेयर कर रहे हैं कि कैसे इस मशरूम-आधारित पाउडर ने उनके वजन बढ़ाने और पाचन में मदद की है। कंपनी का कहना है कि मशरूमेक्स का फॉर्मूला पूरी तरह से प्राकृतिक और शाकाहारी है, जो इसे 14 साल से ऊपर के सभी लोगों के लिए सुरक्षित बनाता है। इसमें किसी भी प्रकार के रसायन या हानिकारक तत्व नहीं होते, जिससे यह बिना साइड इफेक्ट के शरीर में पोषक तत्वों की कमी को दूर करता है। यह उत्पाद उन लोगों के लिए भी आदर्श है जो अपने स्वास्थ्य को बेहतर बनाना चाहते हैं। YouTube पर मिल रहे सकारात्मक फीडबैक से यह साफ है कि मशरूमेक्स ने लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव लाया है।

मेरे लिए सीमाएं सिर्फ कागज पर खींची गई रेखाएं हैं – असल में, वो होती ही नहीं हैं। अगर आपके पास जुनून है और जोखिम उठाने की हिम्मत, तो आप कुछ भी कर सकते हैं। मशरूम वर्ल्ड सिर्फ एक कंपनी नहीं है, ये मेरी और मुझ जैसे लोगो की सोच है – कुछ ऐसा करना जो पहले किसी ने सोचा नहीं। आयुर्वेद और आधुनिक विज्ञान को एक साथ लाकर हमने एक नया रास्ता बनाया है, और ये सिर्फ शुरुआत है। मशरूमेक्स मशरुम पाउडर और हमारे अन्य बहुत से लोकप्रिय प्रोडक्ट उसी सोच के परिणाम है!
समीर सागर
डायरेक्टर मशरूम वर्ल्ड ग्रुप

क्यों बढ़ता है मशरूमेक्स से वज़न?

मशरूमेक्स, भारत का सबसे अधिक बिकने वाला मशरूम-आधारित उत्पाद, तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। इसे आयुर्वेदिक फॉर्मूला के रूप में सरकारी मान्यता प्राप्त है, जो दुबलेपन और पाचन समस्याओं का समाधान प्रदान करता है। मशरूमेक्स में 12 आयुर्वेदिक जड़ी-बूटियों और मशरूम का मिश्रण है, जिसे प्राकृतिक तरीके से वजन बढ़ाने में प्रभावी माना जा रहा है। कंपनी का दावा है कि यह फॉर्मूला भूख बढ़ाने, मेटाबॉलिज्म को सुधारने और मांसपेशियों के विकास में मदद करता है। यह शरीर में नई कोशिकाओं का निर्माण कर स्वस्थ वजन बढ़ाने में सहायक होता है। इसके अलावा, यह पाचन तंत्र को मजबूत करने में मदद करता है, जिससे शरीर भोजन से अधिक पोषण प्राप्त कर सके। विशेषज्ञ इसे पूरी तरह से प्राकृतिक और शाकाहारी उत्पाद मानते हैं, जिसे 14 वर्ष से ऊपर के लोग सुरक्षित रूप से उपयोग कर सकते हैं। कंपनी का कहना है कि इसमें कोई रसायन या हानिकारक तत्व नहीं होते, जिससे यह साइड इफेक्ट्स से मुक्त है और पोषक तत्वों की कमी को दूर करने में सहायक है। मशरूमेक्स न केवल वजन बढ़ाने में मदद करता है, बल्कि प्रतिरक्षा प्रणाली को भी मजबूत बनाता है, जिससे यह स्वास्थ्य को बेहतर बनाए रखने का एक आदर्श विकल्प है। व्यक्तिगत स्वास्थ्य स्थितियों को ध्यान में रखते हुए इसका उपयोग करने की सलाह दी जाती है।

वैज्ञानिक शोध : मशरूम पर क्या कहते हैं तथ्य?

वैज्ञानिक शोध के अनुसार, ऑयस्टर मशरूम पाउडर पोषक तत्वों और कैलोरी से भरपूर होता है, जो स्वस्थ वजन बढ़ाने में सहायक है। इसमें फाइबर, प्रोटीन, विटामिन, एंटीऑक्सीडेंट्स और खनिज होते हैं, विशेषकर एर्गोथायोनिन, जो एक शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट है। यह प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत करने और मेटाबॉलिज्म में सुधार करने में मदद करता है। ऑयस्टर मशरूम पाउडर मांसपेशियों के विकास, ऊर्जा स्तर बढ़ाने, और भोजन के कुशल अवशोषण में कारगर है। इसमें कम कार्बोहाइड्रेट होते हैं, जिससे यह वजन बढ़ाने के लिए एक स्वास्थ्यवर्धक और प्राकृतिक विकल्प बनता है। इसका नियमित सेवन शरीर के समग्र स्वास्थ्य में सुधार करता है।

मैं आपकी दीदी बनकर आई हूं, सीएम नहीं, मेरी रातों की नींद उड़ी

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

पश्चिम बंगाल में कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज-अस्पताल में एक प्रशिक्षु महिला डॉक्टर से दुष्कर्म और हत्या के मामले में प्रदर्शन कर रहे जूनियर डॉक्टरों और राज्य सरकार के बीच गतिरोध जारी है।

इस बीच सीएम ममता बेनर्जी प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों से मिलने स्वास्थ्य भवन पहुंचीं डॉक्टरों ने हमें न्याय चाहिए के नारे लगाए। ममता ने कहा कि वह यहां दीदी के तौर पर डॉक्टरों से मिलने आई हैं। मैं यहां आपसे मुख्यमंत्री नहीं बल्कि दीदी के तौर पर मिलने आई हूं।

मैं खुद छात्र आंदोलन करके आगे आई हूं, मैंने अपने जीवन में भी बहुत संघर्ष किया है, मैं आपके संघर्ष को समझती हूं। मुझे मेरे पद की चिंता नहीं है। बारिश में आप यहां विरोध पर बैठे थे मैं रात भर परेशान रही।

सीबीआई का बड़ा एक्शन घोष-एसएचओ गिरफ्तार

कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज में ट्रेनी महिला डॉक्टर से रेप और मर्डर के मामले में सीबीआई ने बड़ा एक्शन लिया है। केंद्रीय जांच ब्यूरो ने मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रिंसिपल संदीप घोष और कोलकाता पुलिस के एसएचओ अभिजीत मंडल को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले डॉ. संदीप घोष को वित्तीय धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार के मामले में गिरफ्तार किया गया था। अब सीबीआई ने कोलकाता रेप और मर्डर मामले में एफआईआर दर्ज करने में देरी और सबूत गायब करने के आरोप में डॉ. संदीप घोष को गिरफ्तार किया है। घोष के साथ ही सीबीआई ने एसएचओ अभिजीत मंडल को भी गिरफ्तार किया है। अभिजीत मंडल ताला पुलिस स्टेशन में स्टेशन हाउस ऑफिसर (एसएचओ) के पद पर तैनात हैं।

सीबीआई का बड़ा खुलासा : घटना की रात संजय को फोन करके बुलाया गया था

आरजी कर अस्पताल में एक महिला ट्रेनी डाक्टर की दुष्कर्म के बाद हत्या मामले में सीबीआई ने बड़ा खुलासा किया है। महिला ट्रेनी डॉक्टर से दरिंदगी की घटना की जांच कर रही सीबीआई ने बड़ा खुलासा किया है। जांच एजेंसी के अनुसार वारदात की रात मुख्य आरोपित कोलकाता पुलिस के सिविक वालंटियर संजय रॉय को किसी ने फोन करके अस्पताल में बुलाया था।

केजरीवाल ने हनुमान जी का किया पूजन

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय से कथित आबकारी नीति घोटाले के संबंध में सीबीआई द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार के मामले में शुक्रवार को जमानत मिलने के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शनिवार को भगवान हनुमान का आशीर्वाद लिया। वह कनॉट प्लेस स्थित हनुमान मंदिर पहुंचे और पूजा-अर्चना की।

असली केंदवा मलहम
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
घमंडी दर्द का दुश्मन 25 दर्द की एक दवा
94060-21769

हरिभूमि HEALTH CARE
छत्तीसगढ़ के मेडिकल विशेषज्ञ

सभी प्रकार के स्किन एवं बाल संबंधी समस्याओं का निदान, मुंहासे, झांई, झुर्रियों का इलाज, अनचाहे बालों हेतु लेजर ट्रीटमेंट
सिंघानिया स्किन केयर
36, प्रथम तल, गुरूकुल कॉम्प्लेक्स कालीबाड़ी, रायपुर 0771-4053311
Email:bsinghania111@yahoo.co.in
Makeover Skin, Hair & Aesthetic Cente
रानी सती मंदिर के पास, केनाल लिंकिंग रोड, रवीनगर, राजातालाब, रायपुर
मो. 94252-14479
0771-4020411
www.makeoverraipur.com
त्वचा व बाल संबंधी समस्याओं का इलाज

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

कान, नाक, गला, एलर्जी एवं वर्टिगो (चक्कर) कोअब्लेशन एवं लेजर सर्जरी हॉस्पिटल
डॉ. जाऊलकर
ई.एन.टी. हॉस्पिटल
(ISO 9001-2000 Certified)
सेन्ट्रल एवेन्यू चौबे कालोनी प्रगति कॉलेज रायपुर (छ.ग.)
फोन: 0771-4044551
समय: सुबह 9.30 से 4.30 तक

सुविधाएं : मेडिसिन, पॉलीट्रामा, बर्न एण्ड प्लास्टिक लप्रोस्कोपिक सर्जरी, जनरल सर्जरी, स्पाईन एण्ड न्यूरो सर्जरी, आर्थो, कैंसर (कीमोथैरेपी व सर्जरी), स्त्री रोग, जोड़ प्रत्यारोपण
पाल जी
स्वास्तिक नर्सिंग होम
बर्न एण्ड पॉलीट्रामा सेंटर मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
(आयुष्मान भारत स्कीम के तहत निःशुल्क ईलाज की सुविधा उपलब्ध)
श्यामनगर जल विहार कॉलोनी पानी टंकी के पास तेलीबांधा मरीन ड्राइव के पीछे
मो. 7991031330
मो. 0771-4347172

उपलब्ध विशेषताएं
• लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी
• जनरल मेडीसीन • ऑर्थोपेडिक्स
• जोड़ प्रत्यारोपण सर्जरी
• ऑन्कोलॉजी (सर्जिकल)
• गायनेकोलॉजी
अग्रवाल हॉस्पिटल
(मल्टीस्पेशियेलिटी सेन्टर)
जी.ईरोड, आर.के.सी. कॉम्पलेक्स के सामने, रायपुर (छ.ग. 492001)
फोन: +91-0771-4088107/108, ईमरजेंसी नंबर 9109187755, डॉ. सजन अग्रवाल - 9329101037
लेप्रोस्कॉपिक सर्जरी में सभी प्रकार की हार्निया, अपेन्डिक्स, पित की थैली, बच्चादानी आदि से संबंधित ऑपरेशन सभी तरह की कैंसर सर्जरी एवं कीमोथेरेपी की सुविधा उपलबध
OPD समय - शाम 4 से 6 बजे

मनोरोग नशा उन्मूलन एवं यौन रोग विशेषज्ञ
प्रभा मनोचिकित्सा क्लिनिक
मो. 9977247553
नया पता : शॉप नं. 119, प्रथम तल, लालगंगा मिडास, फाफाडीह, रायपुर
समय : सुबह 11.00 से शाम 5.00 बजे तक
सिरदर्द, मिर्गी, मानसिक तनाव, घबराहट, असामान्य व्यवहार, डिप्रेशन, शीर्ध पतन, आदि, हर माह के प्रथम रविवार को कवर्धा में 12.00 से 4.00 एवं 8.30 से 10.30 बेमेतरा में

अष्टविनायक हॉस्पिटल
बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
* आयुष्मान कार्ड / राशन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव *
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन
डॉ. रितेश रंजन
(MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

डायबिटीज / शुगर संबंधी सभी समस्याएं, थायराइड, मोटापा, प्रेग्नेंसी डायबिटिस, फुलबॉडी चेकअप, डायबिटिक सेक्स रोग, नसों की सुन्नता।
डायबिटिक क्लीनिक
Dr. Satyajeet Sahu Advance Dibetes & Thyroid care centre
Diabetic Clinic
Appointments No. 7724035770 9329004557 9303724304
17, गुरूकुल कॉम्पलेक्स, कालीबाड़ी रायपुर, समय - सुबह 10 से 5, शाम 6 से रात 9 बजे तक

सुविधाएं : पी.एफ.टी. ब्रांकोस्कोपी स्लीप स्टडी
डॉ. राठौर चेस्ट क्लिनिक
दमा, टी.बी., छाती एवं एलर्जी रोग विशेषज्ञ
स्पेशलिस्ट : खासी, श्वॉस, दमा, टी.बी., निमोनिया, एलर्जी फेफड़े का कैंसर, खर्राटे व नींद
गरचा कॉम्पलेक्स, कचहरी चौक, जेल रोड, रायपुर
मो. 7999450384, 7042974029
समय : दोपहर 2.00 बजे से शाम 7.00 बजे तक (रविवार अवकाश)

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 7987119756, 9303508130

epaper : www.haribhoomi.com
हरिभूमि CLASSIFIED
Email : response.haribhoomi@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

टीचर

Required- VR Educational Academy Higher Secondary School Kailash Nagar Birgaon Raipur requires teachers for English medium from 1st to 5th classes for all subjects and science for Higher Secondary Contact- 9754955511, 7738963592. Time- 8:00 am to 12:00 pm (RO-2987)

पैकिंग/बिलिंग कार्य

आवश्यकता है- 500/- प्रतिदिन (+) ओवरटाइम 250 फटाका जमाना, पैकिंग, बिल बनाना, ड्राइवर। लड़कों की आवश्यकता। सम्पर्क तापड़िया फटाका, नेमींचंद गली, तेलघानीनाका चौक, रायपुर (RO-560)

केयर टेकर

आवश्यकता है- 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला के लिए पूर्ण कालिक 35 वर्ष तक की जिम्मेदारी मुक्त सेवाभावी सेविका चाहिए वेतन आपसी सहमति से/ रहना खाना फ्री उच्च जाति को प्राथमिकता अनुबंध आवश्यक होगा। मोबाइल 9425518442. केवल 8 से 10 शाम (RO-6479)

वाइंडर/हेल्पर

आवश्यकता है- इंडसट्रियल मोटर /जनरेटर वर्कशॉप में वाइंडिंग कार्य हेतु वाइंडर, हेल्पर तथा संपूर्ण छत्तीसगढ़ में मार्केटिंग हेतु मेहनती युवकों की आवश्यकता है। फ्रेशर भी बायोडाटा सहित मिले टाटीबंध रायपुर. 7694954356, 7898900131. (RO-308)

आवश्यकता

आवश्यकता है- ओम ज्वेलर्स इंदिरा मार्केट दुर्ग में लड़कियों की अतिशीघ्र आवश्यकता है। संपर्क करे (आरो नं -6380)

ड्रायवर

आवश्यकता है- 5 वर्ष अनुभवी कार ड्राइवर जो की ऑटोमेटिक एवं मैनुअल चलाने का जानकार हो, घर का काम एवं टूर के लिए, सोमवार को मिले कृपा राम साहू 84351939024. (RO-6485)

आवश्यकता है- रायपुर शहर के भीतर ड्राइवर चाहिए जो ड्राइवरी सहित अन्य कार्य भी कर सके वेतन 12000/- प्रतिमाह लाइसेंस के साथ 1 दो हेल्परों की भी आवश्यकता हैं वेतन 9000/- प्रति माह संपर्क:- 99267-53341. (RO-2984)

लोडर/अनलोडर

Requirment- Urgent Required scanner, putter loader, unloader duty: 9 hours. shift: 3 salary: 12000 + PF + ESIC + Snacks Qualification- 10th- 12th Location: Tendua Raipur Contact: 8120263486, 7440699282. (RO-3735)

आवश्यकता

Requirment- "A law consulting firm is looking for a sincere and hardworking young graduate preferably with some experience to look after office and liasion work. Incumbent should be able to independently handle record keeping and correspondence etc. Proficiency in english and computers is essential. Should be willing to undertake local as well as out-station travel. Liking for reading & writing preferred. Location: Raipur. Salary: Negotiable Send your resume at email Id: vivechnaconsultingllp@gmail.com Contact : 9981991643" (RO-6481)

टेलीकॉलर

आवश्यकता है- गुरुकृपा एसोसिएट में फिल्ड कर हेतु लड़के व टेलीकॉलर हेतु लड़कियों की आवश्यकता है। कृपया अनुभवी संपर्क करें। चुगानी प्राईड, चांगोराभाटा, रायपुर मोबाइल 9827654621, 7000131997. (RO-4458)

अकाउटेंट/टेलीकॉलर

आवश्यकता है- कलेक्शन एजेंसी को भिलाई में(1) अकाउंटेंट पद 05 वेतन- (10000-25000),(2) टेलिकॉलर पद 20 वेतन (7000-12000),Contact : 9589049626 ,9399921416, Mail : egenesis.2023@gmail.com, हेड ऑफिस- इ जेनेसिस फाइनेंसियल सोलूशन्स, 4/16 दक्षिण गंगोत्री, सुपेला, भिलाई (आरो न.-583)

इंजीनियर/मैनेजर

आवश्यकता है- सत्यम बेकरी दुर्ग भिलाई में कंप्यूटर ऑपरेटर, सॉफ्टवेयर इंजीनियर और मैनेजर की आवश्यकता है। एक्सपीरियंस 3 से 4 वर्ष। संपर्क - 9589917781. (आरो न.-581)

घरेलु कार्य

आवश्यकता है- घर का समस्त कार्य करने के लिए मेहनती एक महिला कामवाली की,24 घंटे साथ में रहने खाने की सुविधा मुफ़्त जल्दी संपर्क करें - रायपुर mobile - 8839536035, 7987466526. (RO-258)

पैकिंग कार्य

आवश्यकता है- पैकिंग कार्य हेतु लडको की आवश्यकता है सैलेरी योग्यतानुसार शीतला एजेंसी रिंग रोड नंबर 1 भांटागांव चौक न्यू बस स्टैंड रायपुर 9300629026, 9300129026. (RO-1757)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- हार्डवेयर दुकान में कार्य करने के लिए आठवीं पास लड़के लड़कियों की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। संपर्क करे:- जैन हार्डवेयर एंड टूल्स, बाम्बे मार्केट, रायपुर, 9229101124. (RO-398)

आवश्यकता है- दुकान में कार्य करने हेतु मेहनती लड़कों की आवश्यकता है। वेतन योग्यता अनुसार संपर्क:- खेतान इंटरप्राइजेस, खेतान गेराज बिल्डिंग, वीडियो वर्ल्ड के पास, मौदहापारा, रायपुर (RO-572)

सेल्समैन/सेल्सगर्ल

आवश्यकता है- साड़ी, सूट व रेडीमेड कपड़ा दुकान में सेल्समैन व सेल्सगर्ल की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार प्रेम NX नेताजी चौक कटोरा तालाब रायपुर 9893377713, 8770718084, 8319639801. (RO-7402)

मिस्त्री/हेल्पर

आवश्यकता है- ढाबा में काम करने हेतु वेटर, तन्दूर मास्टर हेड मिस्त्री, हेल्पर, बर्तन धोने वाले की आवश्यकता है सम्पर्क करें- नया हाईकोट के पास, रायपुर रोड बिलासपुर 7000942962, 9098976666. (RO-35388)

घरेलु/कुक

आवश्यकता है- घरेलू/कुक कार्य तेलीबांधा के आगे, वी.आई.पी. चौक के पास रायपुर में घर का झाड़ू पोछा, कपड़ा बर्तन, साफ सफाई व शुद्ध शाकाहारी खाना बनाने हेतु पुरूष/ महिलाये चाहिए। पान, गुटका, तंबाखू या किसी तरह का नशा न करने वाले व शाकाहारी ही संपर्क करें 9300593000. (RO-1227)

सेल्समैन

Requirment- Experience salesman for sale industrial goods rolling mills Raipur, Raigarh, and Orissa mob. No. 9830027878. (RO-2993)

पेट्रोल पंप कर्मी

आवश्यकता है- पेट्रोल पंप पर कार्य करने हेतु उम्मीदवार की आवश्यकता है। इच्छुक व्यक्ति अपने समस्त बायोडाटा सहित संपर्क करें- डागा पेट्रोल पंप, फाफाडीह चौक, स्टेशन रोड, रायपुर, मो.- 94255-16644. (RO-574)

आवश्यकता है- पुजारी फ्यूल्स राजेंद्र नगर में कार्य करने हेतु लड़के व लड़कियों की आवश्यकता है काम किए हुए को प्राथमिकता मोबाइल नंबर - 8720050022. (RO-6482)

आवश्यकता है- पेट्रोल पंप में कार्य करने हेतु कर्मचारी एवं कम्प्यूटर आपरेटर की आवश्यकता है। 1. रिंग रोड नं 4 सरोरा, तेंदुआ के पास, बिलासपुर बाईपास रायपुर मो. 7000780126, 9039970008. (RO-1754)

मार्केटिंग/टेलीकॉलर

आवश्यकता है- सनरेज बिल्डर को मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव एवं टेलीकॉलर मेल फीमेल वेतन योग्यता अनुसार संपर्क सुपेला नेहरू भवन भिलाई -9200002422 787 9030 886. (आरो न.-584)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

ऑफिस कार्य

आवश्यकता है- ऑफिस कार्य हेतु 18 से 28 वर्ष युवतियों, महिलाओं की आवश्यकता है। सैलरी 5,000 से 20,000 कमाने का अवसर पता खम्हारडीह पुलिस स्टेशन के पास न्यू सेल्स टैक्स कॉलोनी रायपुर संपर्क करें 9343467254, 7470490884. (RO-6483)

आवश्यकता है- ऑफीस स्टॉफ हेतु लड़के / लड़कियो की आवश्यकता है। योग्यता 8th/ 10वीं /12वीं पास / fail Fresher Can Apply Riddhi Siddhi Enterprises पद्मनाभपुर दुर्ग। MO.- 8269720997. (आरो न.-580)

रिसेप्शनिष्ट/सेल्स

Requirement- 1. Reception staff- 2 female, 2. Sales Executive- 2 M/F, 3. Office Assistant- M/F 2, 4. साफ- सफाई- Female-2 Address- Lal Ganga shopping complex mobile:- 8823000065. (RO-P)

टेलीकॉलर/कम्प्युटर

आवश्यकता है- ऑफिस में टेलीकॉलर, कंप्यूटर वर्क ,हेतु महिला /युवती की आवश्यकता है । आकर्षक वेतन+ कमीशन, कमाने का सुनहरा अवसर शीघ्र संपर्क करें ढिल्लन कॉम्प्लेक्स सुपेला भिलाई मो -9302650639, 8839171274. (आरो न.-585)

अन्य

आवश्यकता है- जरूरतमंद लोग की आयुवेदिक कंपनी में दवा पैक करने के लिए संपर्क करें शि क्षि त / बे रो ज गा र जरूरतमंद लड़कें-लड़कियाँ हाउसवाइफ घर बैठे दवाई पैकिंग करके पार्टटाइम/ फुलटाइम 30,500/- से 35,500/- महीना कमाएं (जरुरतमंद लोग WHATSAPP या कॉल करें) NOC -2150/- +91 62673 24667. (RO-1331)

आवश्यकता है- Reliance Jio 5G कंपनी (SMS SENDING CALLING JOB) करके लड़के- लडकिया, गृहणिया, रिटायर्ड पर्सन, स्टूडेंट घर बैठे कमाए (21500- 48500) महीना (लैपटॉप +मोबाइल मुफ्त) NAME, पता QUALIFICATION, CALL /SMS /WHATSAPP करें:- 9102935834. (RO-2975)

आवश्यकता है- भारत की नंबर-1, Reliance Jio 5G कंपनी (SMS JOB) लड़के- लड़कियां, गृहणियां, रिटायर्ड पर्सन, घर बैठे कमाए (21500- 48500) महीना (लैपटॉप +मोबाइल मुफ्त) NAME, ADDRESS QUALIFICATION, WhatsApp /Call करें:- 8391958072. (RO-2986)

आवश्यकता है- आकर्षक ऑफर, पैन पेंसिल कंपनी में घर बैठे काम करके शिक्षित, बेरोजगार,लड़के - लड़कियां, महिलाऐ - पुरुष पैकिंग (24500 से 64500) महीना कमाऐ, फन्ड + बोनस- 9958483685. (RO-449)

आवश्यकता है- फ्रॉड कॉल से सावधान RELIANCE JIO 5G कंपनी में घर बैठे (SMS /Job) करके लड़के- लड़कियां, गृहणियां कमाये (21,500- 45,500) महीना (लैपटॉप, मोबाइल मुफ्त) NAME, ADDRESS, QUALIFICATIONS, WhatsApp /Call करें:- 9372730168, 8433747810. (RO-2992)

Home Buildup भवन निर्माण

प्रीमियम निर्माण- स्ट्रक्चर - 890/- मैटेरियल सहित, पूर्ण फिनिशिंग 1390/- वर्गफीट दर से प्रारंभ, भूमि पूजन से लेकर गृह प्रवेश तक. अनुभवी इंजीनियरों की देखरेख में वास्तु अनुरूप नक्सा, ब्रांडेड मैटेरियल और फिनिशिंग में फॉल्स सीलिंग सहित लाइट, पंखे ,मॉड्यूलर किचन। 88274 91733, 8719911918. (RO-559)

Property प्रापर्टी

जमीन/मकान

जमीन बेचना है- मानसरोवर हनोदा कॉलोनी में 35 x 60 का प्लांट 2100 वर्ग फीट बेचना है संपर्क- 9424117041. (RO-6484)

बेचना है- शंकर नगर जोन-3 निगम ऑफिस के पास कमर्शियल उपयोग लायक 4000 फीट भूतल 2000 प्रथम तल 2000 फीट बना पुराना मकान बेचना है। 9826126101. (RO-7362)

Education शिक्षण

प्रवेश प्रारंभ- *फेल विद्यार्थी समय बचाए* :- पत्राचार, ओपन, प्राईवेट, द्वारा 10वी, 12वी निश्चित सफलता के साथ पास करे:- B.ED, B.A, B.COM, B.Sc, BCA, MCA, BBA, (*एक साल में*) M.A, M.COM, M.SC, MBA, MSW, B.LIB, M.LIB, DCA, PGDCA, POLYTECHNIC, B.Tech, सभी कोर्सेस मान्यता प्राप्त युनिवर्सिटी द्वारा संपर्क:- *Bharti Education Academy* *Sector-6 Bhilai* Mo.-9826196515, 9826896515 नोट :- *एडमिशन हेतु फ्रेंचाइजी सेंटर & एजेंन्ट आमंत्रित* (आरो नं -6381)

Astrology ज्योतिष

ज्योतिष - गुरु माँ सुमित्रा देवी एक फोन में चमत्कार महाकाली की शक्ति मेरी भक्ति सिर्फ 72 घंटो में लव मैरिज, वशीकरण, मनचाहा प्यार, माता पिता को मनाना, हर समस्या का घर बैठे समाधान - 9993670089. (RO-2989)

वैवाहिकी

वधु चाहिए

वधु चाहिए
विश्वकर्मा (लोहार) 17/09/82, 6' एमबीबीएस अविवाहित, डॉक्टर प्रायवेट पॉली क्लीनिक हेतु शिक्षित, अविवाहित, सुन्दर सजातीय, अपर कास्ट, वधु चाहिए। ब्यूरो क्षमा।
सम्पर्क करें 9131453175

वधु चाहिए
अनमैरिड लड़का हेतु 9/9/1979 हाईट 5'2" एमए बीए हार्डवेयर बिजनेस मासिक आय 300000 सीधी साधी वधु चाहिए सभी जरुरतमंद मान्य है जाति बंधन नहीं
सम्पर्क करें 9179472796

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

हरिभूमि क्लासीफाईड
छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें 62638-18152

Healthcare
गुप्त रोगो का सफल ईलाज पैसा ठीक होने के बाद
❖ गुप्त रोग, नामर्दी
❖ लिंग में छोटापन।
❖ शीघ्र पतन
❖ पेशाब से धातू जाना।
❖ लिंग में ढीलापन,
❖ शुक्राणु की कमी।
❖ शुगर से आयी हुई सेक्स में कमी।
❖ जड़ीबुटी द्वारा खोई हुई शक्ति पुनः प्राप्त करें।
❖ चर्मरोग व वात रोग का ईलाज किया जाता है।
निःसंतान दम्पत्ति आज ही मिलें
आज ही संपर्क करें 9753901137
पारख कॉम्प्लेक्स, शॉप नं.-16, ग्रीन चौक दुर्ग

छोटा लिंग निराश क्यों?
जोश जगा दे धूम मचा दे।
18 से 75 वर्ष तक लाभदायक
लिगं को 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढाएं।
नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक।
घर बैठे मंगवाये।
लाभ नही तो पैसे वापिस।
09083218330

हरिभूमि रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रायपुर, रविवार 15 सितंबर 2024

इसे अपना अस्तित्व बचाने का संघर्ष कहा जाए, खुद को बेहतर साबित करने का द्वंद्व या अधिक से अधिक सुख-सुविधाएं हासिल करने की जद्दोजहद, आज अधिकांश काम-काजी इंसान ओवर वर्क-प्रेशर से हैरान है, परेशान है। मानव सभ्यता के विकास में कभी भी इंसान ने इतना काम नहीं किया, जितना आज कर रहा है। लेकिन सवाल है, इतना काम करने के बाद भी क्या इंसान पूरी तरह खुश, संतुष्ट और आनंदित जीवन जी पा रहा है?

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

ओवर वर्क-प्रेशर का इफेक्ट
हैरान-परेशान है हर इंसान

इस बात में कोई दो राय नहीं है कि दुनिया में ज्यादातर लोग इस दौर में काम के बोझ से दबे हांफ रहे हैं। अधिकांश लोग तो इस प्रेशर को झेलते रहते हैं और अपने काम को अंजाम देते रहते हैं लेकिन कुछ लोग इसे सह नहीं पाते और तनाव या अवसाद के शिकार हो जाते हैं। कई बार अपने जीवन का अंत भी कर लेते हैं। इंसान ही नहीं अब तो यहां तक माना जाने लगा है कि मशीनी मानव भी वर्कप्रेशर ना झेल पाने के कारण सुसाइड कर सकता है। (इससे संबंधित घटना की जानकारी के लिए बॉक्स देखें।)

सर्वाधिक काम कर रहा वर्तमान इंसान

हकीकत यह है कि इस समय धरती पर रहने वाला इंसान, जितना ज्यादा काम करता है, इतना काम इंसानी प्रजाति ने अपने समूचे इतिहास में कभी नहीं किया। फोर्ब्स, सीएनबीसी और आईएनसी डॉट कॉम जैसे दुनिया के महत्वपूर्ण मीडिया संस्थानों से जुड़ी लेखिका, पत्रकार और अनेक विषयों पर लिखने वाली जेसिका स्टिलमैन ने अपने एक विश्वविख्यात शोधपूर्ण लेख में लिखा है, 'मानव इतिहास के 95 प्रतिशत समय में हमारे पूर्वजों ने सप्ताह में सिर्फ 15 घंटे काम किया है। क्या हम इस स्थिति को फिर से वापस हासिल कर सकते हैं? क्योंकि आज पूरी दुनिया में जो सबसे आदर्श कार्य सप्ताह है, वह भी 40 घंटे का है।'

अगर दुनिया के ज्यादातर देशों, खासकर भारत जैसे विकासशील देशों में देखें तो यहां आदर्श कार्य सप्ताह कम से कम 48 घंटे का है। कुछ महीनों पहले एन. नारायण मूर्ति जैसी कॉरपोरेट हस्ती ने तो भारतीय युवकों को सुझाव दिया था कि उन्हें सप्ताह में कम से कम 70 घंटे काम करना चाहिए। अगर हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिनचर्या देखें, तब तो हमें हर सप्ताह कम से कम 120 घंटे काम करना चाहिए। क्योंकि माना जाता है कि प्रधानमंत्री मोदी पूरे साल हर दिन औसतन 20 घंटे काम करते हैं। यह विलक्षण क्षमता किसी-किसी में हो सकती है। बहरहाल, इन आंकड़ों को अगर हम अपने पूर्वजों की जिंदगी से तुलना कर देखें तो जमीन-आसमान का फर्क नजर आएगा। क्योंकि हमारे पूर्वज पूरे सात दिन के सप्ताह में महज 15 घंटे तक काम करते थे। इसके बाद वो आराम करते थे। जब मानव पूर्वजों की बात की जाती है तो याद रखिए इतिहास बताता है कि आदमी अपने वर्तमान रूप में भी करीब 10 हजार सालों से मौजूद है और अगर आधुनिक मनुष्य के समूचे इतिहास की बात करें तो इसके लिए हमें कम से कम 3 लाख साल पीछे जाना पड़ेगा, क्योंकि धरती पर आधुनिक मनुष्य की मौजूदगी 3 लाख साल से है।

कई घंटे होते हैं काम में खर्च

इतिहास के शोधार्थी बताते हैं कि हमारे शिकारी पूर्वज हर सप्ताह महज 15 घंटे काम करते थे, तो इसमें उनके सारे काम शामिल होते थे। आज के इंसान की तरह काम करने का मतलब 8 या 10 घंटे की ड्यूटी करना भर नहीं था। आज के इंसान की रोजमर्रा की जिंदगी में 8 से 10 घंटे की ड्यूटी के अलावा, घर में आकर भी काम करना शामिल होता है और घर से कार्यस्थल तक जाना और कार्यस्थल से वापस घर तक आना भी एक तरह से काम के घंटे ही हैं। इस लिहाज से देखें तो आज का इंसान साल में कम से कम 3000 घंटे तो ड्यूटी के रूप में ही काम करता है और फिर लगभग इतने ही घंटे बिना किसी हिसाब किताब का काम करता है यानी, आज का एक आधुनिक शहरी इंसान सालभर में कम से कम 6000 घंटे तो काम करता ही करता है। अगर मान लें कि 52 साप्ताहिक अवकाश के दिनों पर वह 8 घंटे दफ्तर का काम नहीं करता, तो भी घर के काम तो उसे उस दिन भी करने ही पड़ते हैं। लेकिन हैरानी की बात यह है कि बढ़ता काम कभी खत्म ही नहीं होता यानी, काम से हम जबरदस्ती छुट्टी लेना चाहें तो भले ले लें, लेकिन काम हमें छुट्टी नहीं देता। शायद इसीलिए किसी शायर ने लिखा है, 'उसको छुट्टी न मिली, जिसको सबक याद हुआ।'

इसलिए करते हैं भरपूर काम

सवाल उठता है कि आखिर आज का इंसान इतना ज्यादा काम क्यों करता है? क्या वह पूर्वजों से ज्यादा एंज्वॉय करता है? क्या वह पूर्वजों से ज्यादा जीता है और क्या वह पूर्वजों से ज्यादा रचनात्मक है? इन सभी सवालों के जवाब एकदम से ना तो 'हां' हैं और ना ही, 'नहीं'। क्योंकि इसमें कोई दो राय नहीं है कि इंसान बहुत काम करके, बहुत सारी तकनीकी उन्नति हासिल करके आज बिना आशंका और हर रोज का संघर्ष झेले बिना, सुनिश्चित रूप से अच्छा खाता है। मेडिकल सुविधाओं के कारण वह पहले से ज्यादा जीता है और हां, उसकी रचनात्मकता के आयाम भी पहले से कहीं विस्तृत हुए हैं।

हमारे पूर्वज थे अधिक संतुष्ट

हालांकि हमारे कामों को विशुद्ध आराम, विशुद्ध आनंद और विशुद्ध रचनात्मकता की कसौटी पर अगर कसकर देखें तो हम वास्तव में इनका सुख नहीं उठा पा रहे हैं। क्योंकि अतीत में जब इंसान के पास अपने लिए बहुत ज्यादा समय था, उस दौर में भी कुछ लोग बहुत अच्छा जीते थे। हां कुछ लोग जरूर आधुनिक ज्ञान और सुविधाओं के अभाव में बहुत कम जी पाते थे। तब के लोग आज से ज्यादा पौष्टिक और शरीर के अनुकूल भोजन करते थे। हां, हर दिन उन्हें यह बिना संघर्ष किए मिलना सुनिश्चित नहीं था। अगर उनके जीवन को आनंद की कसौटी पर कसें तो उनका आनंद विशुद्ध आनंद था, बिना किसी डर, आशंका या निवेश के, जो आज के बहुत से गणितीय समीकरणों से घिरे आनंद के मुकाबले बेहतर था। ऐसे में कहा जा सकता है, हां, बहुत कम काम करके हमारे पूर्वज हमसे बेहतर खाते, जीते और आनंद उठाते थे। आज बेशक हमारे पास जीवन जीने की बेशुमार सुविधाएं हैं। उन्हें हासिल करने के लिए ही हम इतना काम करते हैं लेकिन वास्तविक संतुष्टि के बजाय तनाव के साथ प्रायः जीते रहते हैं। *

वर्कलोड से परेशान रोबोट ने किया सुसाइड

हालांकि दुनिया में करीब 1205 लोग हर रोज आत्महत्याएं करते हैं। लेकिन 26 जून 2024 को आई आत्महत्या की एक खबर ने पूरी दुनिया को झकझोर दिया। दरअसल, यह आत्महत्या किसी इंसान ने नहीं, बल्कि माना जा रहा है कि रोबोट ने की। जी हां, मशीनी मानव ने। दुनिया में किसी रोबोट द्वारा आत्महत्या किए जाने की यह पहली ज्ञात घटना है। हालांकि अभी इसकी अंतिम रूप से पुष्टि होनी बाकी है कि क्या वाकई स्टील और फाइबर बॉडी वाले रोबोट ने आत्महत्या की है? बहरहाल, खबर के मुताबिक काम के बोझ से दबे और प्रेशर ना झेल पाने के कारण दक्षिण कोरिया के गुमी शहर के नगर निकाय में सुबह 9 से शाम 6 बजे तक की ड्यूटी करने वाले साइबोर्ग नाम के इस रोबोट ने 6 फुट ऊंची सीढ़ियों से छलांग लगाकर आत्महत्या कर ली। इस दफ्तर के लोगों को ऐसा इसलिए लगता है कि साइबोर्ग ने आत्महत्या की, क्योंकि लोगों के मुताबिक जिस दिन उसने ऐसा किया, उसके पहले वह काफी परेशान दिख रहा था और आत्महत्या की घटना को अंजाम देने के पहले बड़ी बेचैनी से एक ही जगह पर चक्कर लगा रहा था।

इस साइबोर्ग नामक रोबोट को अगस्त 2023 में गुमी की सिटी काउंसिल में ऑफिसर के तौर पर चुना गया था। उसका काम नगर पालिका की विशाल इमारत में फाइलों को इधर से उधर भेजना था। इन फाइलों में आमतौर पर प्रमोशन की जानकारियां होती थीं। हालांकि साइबोर्ग को यह अधिकार था कि वह अपने लिए लिफ्ट बुलाकर अपने आप अलग-अलग मंजिलों में आ जा सकता था। लेकिन उसने यह नहीं किया सीढ़ियों के रास्ते अपने काम को अंजाम देता रहा और फिर काम के बोझ से ऊबकर आत्महत्या कर ली।

सिर्फ सुनने-देखने से नहीं करने से होगा कोई काम

आज के दौर में अनेक लोग, खासकर किशोर और युवा, कुछ सार्थक करने के बजाय अपना अधिकांश समय सोशल मीडिया पर देखने-सुनने में खर्च कर देते हैं। सोचा हुआ लक्ष्य पाने या मनचाही उपलब्धि के लिए प्लानिंग के साथ सही दिशा में एक्टिव होना बहुत जरूरी है।

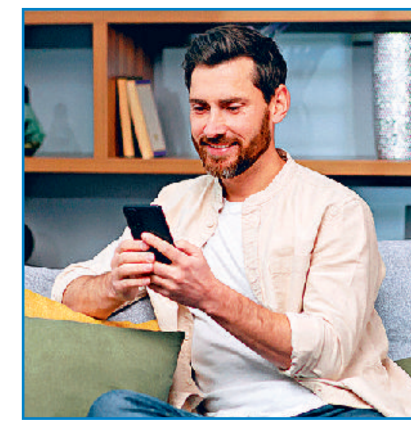

{ लाइफस्टाइल / डॉ. मोनिका शर्मा }

इससे तो बस बातें करवा लो...' 'अरे! कहते ही रहोगे या कुछ करोगे भी...।' 'बातें बनाना छोड़कर काम में लगो तो कुछ कर सकोगे।'

आलस में घिरे और बहुत कुछ करने की योजनाएं भर बनाते रहने वाले लोगों को अकसर ऐसी बातें सुनने को मिलती हैं। हर दिन नई योजनाएं, हर पल नया विचार। समस्या यह कि बात आगे नहीं बढ़ती। बढ़े भी कैसे? सिर्फ योजना बनाने से ही तो लक्ष्य नहीं पाए जा सकते। ढुलमुल रवैया छोड़कर उस राह पर आगे भी बढ़ना होता है।

समय हो रहा बर्बाद: विचारणीय है कि सोशल मीडिया पर पल-पल दिखता कंटेंट, सूचनाएं और सही-गलत जानकारियां लोगों की इस आलसी प्रवृत्ति को और बढ़ा रहे हैं। हम बहुत से विषयों के बारे में जान-समझ तो रहे हैं, पर क्रियाशीलता के मोर्चे पर पीछे छूट रहे हैं। ध्यान रहे कि शारीरिक कसरत हो या अकादमिक सक्रियता। मन को शांत-सहज रखने के प्रयास हों या घर आंगन की संभाल-देखभाल। इनसे जुड़े रील या वीडियोज देखते रहना केवल समय बर्बाद करता है। बीते कुछ वर्षों से हमारे यहां हर आयु वर्ग के लोग रील्स देखने में काफी वक्त बर्बाद कर रहे हैं। सोशल मीडिया स्क्रॉलिंग में अपना टाइम लगा रहे है। आंकड़े बताते हैं कि हर भारतीय औसतन 38-40 मिनट रोज रील्स देखने में ही लगा रहा है। रेडसीर स्ट्रेटजी की एक रिपोर्ट कहती है कि भारत में हर स्मार्टफोन यूजर औसतन 2.5 घंटे मनोरंजन के लिए मोबाइल स्क्रीन स्क्रॉल करता है। इंस्टाग्राम की पैरेंट कंपनी मेटा के आंकड़ों के अनुसार इस एप पर आने वाले लोग अपना 20 प्रतिशत समय रील्स वीडियो देखने में ही बिताते हैं। गौर करने वाली बात यह है कि अधिकतर लोग रील्स में बेहतर सेहत, कसरत, हॉबी, आर्ट, फिजिकल-मेंटल स्वास्थ्य की संभाल से जुड़ा कंटेंट ही देखते हैं। ऐसे में यूं सब कुछ देखने में समय लगाने के बजाय अपनी पसंद और जरूरत को समझकर उस काम को करने की दिशा में क्रियाशील बनना, कहीं अधिक आवश्यक और कारगर है। याद रहे, असल जीवन में तो बदलाव आपके एक्टिव होकर कदम उठाने से ही आएगा।

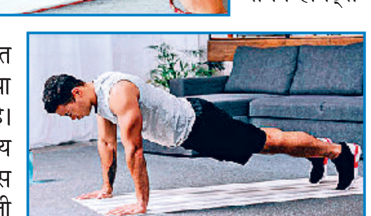

सेल्फ रेग्युलेशन है जरूरी: सेल्फ रेग्युलेशन यानी स्वनियमन का सीधा अर्थ है कि जीवन में खुद के बनाए कुछ नियम भी हों। वे रूल्स जिन्हें निभाने की प्रतिबद्धता भी स्वयं ही तय करनी होती है। दरअसल, काम-काजी जीवन हो या व्यक्तिगत मोर्चा, हम दूसरों के बनाए नियम निभा लेते हैं। घर, सड़क, मॉल, मूवी थिएटर, हर जगह समयबद्ध रहते हैं। नियमों का पालन भी कर लेते हैं। इस बाहरी नियमन की तरह ही मन-मस्तिष्क के मोर्चे पर भी स्वयं अपनी ही ऊर्जा को साधना जरूरी है। खुद की बनाई नियमावली पर टिके रहना भी आवश्यक है। सच तो यह है कि अनगिनत सुविधाओं और तकनीकी विस्तार की भीड़ में अब सेल्फ रेग्युलेशन और जरूरी हो गया है। अपने लिए कुछ नियम तय करना और निभाने के लिए विशेष प्रतिबद्धता रखना भी आज के समय की जरूरत है। इसके बिना मन के भटकाव को रोकना और सही दिशा चुनकर आगे बढ़ पाना मुश्किल है। सही योजना और कार्यशक्ति के बावजूद सेल्फ रेग्युलेशन का अभाव, कुछ बेहतर करने की राह में सबसे बड़ी बाधा बनता है।

तय हों प्राथमिकताएं: आज की जीवनशैली में दिखाने-बताने की अति में वह सब कुछ छूट रहा है, जो हमारी प्राथमिकताओं में होना चाहिए। वर्चुअल व्यस्तता में प्रैक्टिकली कोई बदलाव करने के प्रयास अब कम होते जा रहे हैं। सामाजिक मोर्चा हो या व्यक्तिगत जीवन, कहना-बताना ही ज्यादा होता जा रहा है। इसलिए अपनी प्राथमिकताओं को चुनकर ऊर्जा को सही दिशा में लगाएं। असल में अपनी प्राथमिकताओं को तय ना किया जाए तो आज नहीं कल कर लेंगे वाले फेर में कोताही करने की आदत बन जाती है। समय का मोल समझ नहीं आता। स्टीवन कोवे की किताब 'द सेवन हैबिट्स ऑफ हाइली इफेक्टिव पीपल' के मुताबिक अपने कामों की फेहरिस्त में हर कार्य के महत्व और अरजेंसी को भी ध्यान में रखें। स्टीवन ने प्राथमिकताओं को चार भागों में बांटकर समझाया है। इंपॉर्टेंट और अरजेंट, इंपॉर्टेंट पर नॉट अरजेंट, इंपॉर्टेंट ना होकर भी अरजेंट काम और नॉट इंपॉर्टेंट, नॉट अरजेंट। स्टीवन ने सबसे ज्यादा समय पहले और दूसरे तरह के काम को देने के लिए कहा है। निस्संदेह, कामों की सूची बनाकर उनकी रैंकिंग करना जरूरी भी है। पर्सनल मैनेजमेंट के लिए अपनी प्रायोरिटीज तय करना सबसे पहला कदम है।

नोटिस कीजिए बदलाव: हर तरह के कंटेंट को देखने-सुनने पर लगाम लगाकर अपनी एक्टिविटीज को पूरा करने का प्रैक्टिकल रास्ता चुनें। इस दौरान अपने आप में आ रहे सकारात्मक बदलाव को नोटिस कीजिए। पेंडिंग कामों को एक के बाद एक निपटाते हुए आपको एक अलग ही सुकून महसूस होगा। धीरे-धीरे काम करने की गति और रुचि भी बढ़ेगी। मन के सुकून और बढ़ती सक्रियता से जुड़े इन बदलावों पर ध्यान दीजिए। ऐसे पॉजिटिव बदलाव आपके हर काम को और गति देंगे। समय गंवाने के बजाय नियमित अपने काम समय पर पूरे करना मन की संतुष्टि देने वाला होता है। *

{ कविता / हरीश कुमार 'अमित' }

भ्रम

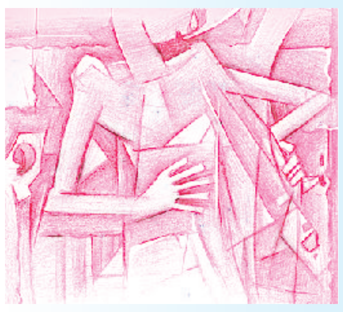

होता है जरूरी, बेहद जरूरी
होना कुछ भ्रमों का
जिंदा रहने के लिए,
दिखाते हैं भ्रम हमें
ऐसे रंगीन सपने
खोकर जिनकी भूल-भुलैया में
भूले रहते हैं हम
अपनी जिंदगी की
बहुत-सी कड़वी सच्चाइयां
होती है बड़ी तकलीफ
किसी भ्रम के टूट जाने पर,
इसलिए गलत नहीं होता
करना गुमान
अपने भ्रमों पर।

{ व्यंग्य / सतीश सिंह }

डॉक्टर और दवाखाना वाले तो अधिकांशत: तोंदुलों के रहमो-करम पर जिंदा हैं। मिठाई, पिज्जा, बर्गर, गोलगप्पे और समोसा-चाट, जलेबी, पूरी-कचौड़ी और मोमोज-चाउमीन आदि बेचने वालों की दुकान भी तोंदुल ही चला रहे हैं। कपड़े बेचने वाले, दर्जी आदि के मुनाफे को बढ़ाने में भी इस प्रजाति की अहम भूमिका है।

तोंद की महिमा

हिंदू शास्त्रों में समय को चार युगों यथा-सतयुग, त्रेता युग, द्वापर युग और कलयुग में बांटा गया है। विद्वानों के अनुसार अभी कलयुग चल रहा है। लेकिन मौजूदा समय को 'तोंदुल युग' भी कहा जा सकता है। हालांकि इन्हें किसी कालखंड में नहीं बांधा जा सकता है, क्योंकि तोंदुलों का अस्तित्व प्राचीन काल से बना हुआ है। इस मामले में ये कॉकरोचों को भी पीछे छोड़ चुके हैं। आज ये बहुसंख्यक हैं और देश को चलाने में इनकी अहम भूमिका है। इतना ही नहीं ऊर्जावान और क्षमतावान होने की वजह से दुनिया भर में इनकी तूती बोल रही है।

एक जमाना था जब तोंदुल की श्रेष्ठता से जलने-भुनने वाले इनकी महिमामंडन करने से बचते थे। लेकिन आज जरूरत इस बात की है कि तोंदुलों के एहसान को माना जाए, उनकी अहमियत को समझा जाए, बेवजह उनकी लालत-मलामात नहीं की जाए, हमेशा श्रद्धा भाव से उनका इस्तकबाल किया जाए।

दुनिया में तोंदुलों के महत्व को या उनकी महिमा को सिर्फ इथोपिया जैसा देश ही समझ सका है, जहां निवास करने वाले बोदी जनजाति में जिस पुरुष का तोंद सबसे ज्यादा बढ़ा हुआ होता है, उसे सबसे सुंदर या हैंडसम माना जाता है। वहां सभी पुरुष हमेशा तोंद बढ़ाने की जुगत में रहते हैं। बड़े-बड़े तोंद पर लड़कियां मरती हैं, जान छिड़कती हैं। मोटे पुरुषों के लिए सौंदर्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है, सबसे मोटे पुरुष को विजेता घोषित करके उनका मान-सम्मान किया जाता है। साथ ही साथ उन्हें पुरस्कार के रूप में एक मोटी राशि दी जाती है।

वर्तमान में तस्वीर थोड़ी बदल गई है। राजा अर्थात नेता यानी अधिकांश सांसद, विधायक, मंत्री आदि तोंदुल बन गए हैं। देश यही चला रहे हैं। नेता को इस मामले से अगर अलग कर दें तो भी रोजगार सृजन का कार्यभार तोंदुलों ने अपने कंधों पर ले रखा है।

डॉक्टर और दवाखाना वाले तो अधिकांशतः तोंदुलों के रहमों-करम पर जिंदा हैं। मिठाई, पिज्जा, बर्गर, गोलगप्पे और समोसा-चाट, जलेबी, पूरी-कचौड़ी और मोमोज-चाउमीन आदि बेचने वालों की दुकान भी तोंदुल ही चला रहे हैं। कपड़े बेचने वाले, दर्जी आदि के मुनाफे को बढ़ाने में भी इस प्रजाति की अहम भूमिका है। जिम चलाने वाले, स्लिमिंग मशीन का कारोबार करने वाले कारोबारी तोंदुलों की वजह से ही चांदी काट रहे हैं। ये लोग करोड़ों-अरबों रुपए के वारे-न्यारे कर रहे हैं। सिर्फ एक-दो किलोग्राम वजन कम करने के लिए तोंदुल डॉक्टरों और कारोबारियों की मोटी रकम से जेब गरम कर रहे हैं।

बड़ी संख्या में महिलाएं तोंदुल पति की वजह से ही आज चैन की नींद सो पा रही हैं। पति की जासूसी करवाने की भी टेंशन उन्हें नहीं रहती है। पति की सेक्रेटरी सुंदर कन्या के रहने पर उन्हें डर नहीं लगता है। कभी बुरे सपने नहीं आते हैं। तोंदुल पति इधर-उधर मुंह नहीं मारेगा और चर्बीदार-गुब्बारे जैसे फूले पेट वाले पति को कोई भी कन्या घास नहीं डालेगी का भरोसा पत्नी के मन में सर्वदा बना रहता है। हां, एकाध प्रतिशत कोई चंट या तेज-तर्रार लड़की पैसों के चक्कर में तोंदुल पति पर डोरे डालने की कोशिश करती भी है तो आसानी से पत्नी बेलन से या गालियों की बौछार से उसका छीछालेदर कर देती है।

इश्क के चक्कर से बचे रहना, लड़की के चक्कर में पत्नी से लड़ाई नहीं होना, काम पर फोकस बने रहना, हमेशा मनपसंद भोजन करना, कसरत करने या मॉर्निंग वॉक करने में समय बर्बाद नहीं करना, फिजिकल खेल-कूद में व्यर्थ के पैसे खर्च करने से बचा रहना, हमेशा खुश रहना आदि तोंदुल होने के ही तो फायदे हैं।

देखा जाए तो आज दुनिया तोंदुलों के रहमो-करम की वजह से ही चल रही है। सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के संदर्भ में देखेंगे तो इनका भारतीय अर्थव्यवस्था में कम से कम 25-30 प्रतिशत का योगदान जरूर होगा। अस्तु, अब वक्त आ गया है कि हम इन्हें हिकारत की नजरों से देखना बंद करें और तोंदुल महाराज का सोते-जागते अविरल-अविराम जयकारा लगाएं।

सचमुच! तोंद की महिमा अपरंपार है। *

{ लघुकथा / रेखा शाह आरबी }

बोहनी

पुल को पार करते ही नरेश ने राहत की सांस ली, 'चलो पिंड छूटा इन लोगों से, अब शांति से गाड़ी चला सकूंगा।' लेकिन यह क्या, कुछ दूर चलने पर ही गाड़ी को एक पुलिस वाले ने फिर हाथ दिया, 'ऐ गाड़ी रोको-रोको...।'

गाड़ी चालक नरेश ने गाड़ी को रोक दिया, पुलिस वाले से बोला, 'साहब... पुल पर दोनों तरफ खर्चा पानी दे दिया है, अब किस लिए रोक रहे हैं?' पुलिस वाला कड़क आवाज में बोला, 'तो क्या हुआ, उन लोगों का अलग लगता है, हमारा अलग लगता है।' ड्राइवर नरेश ने अपनी मजबूरी बताई, 'लेकिन साहब महाजन ने बस पुल पार करने का खर्चा ही दिया है, यहां पर तो कभी कुछ लगता ही नहीं है, इसीलिए पैसा नहीं दिया है।' पुलिस वाला सुनने को तैयार ना था, बोला, 'वह सब मैं नहीं जानता, सुबह-सुबह का वक्त है, तुमसे ही बोहनी कर रहा हूं, बोहनी मत बिगाड़ो।' झक मार कर नरेश ने अपने नाश्ते पानी के लिए मिले पचास रुपए में से पचीस रुपए पुलिस वाले को थमा दिए और उसकी बोहनी कर दी। *

शोषित स्त्री की दारुण कथा

{ पुस्तक चर्चा }

राजकुमार सिंह, उन लेखकों में शामिल हैं जिन्हें आम आदमी के असीम दुख-दर्द को एक प्रामाणिक रचना में तब्दील करने का हुनर आता है। इसका जीता-जागता उदाहरण है, हाल में छपकर उनका नया उपन्यास 'सुनो! सुनीला सारंग शोकगाथा,' जो दो खंडो में समाहित है। आमतौर पर हिंदी साहित्य के लेखक राजनीति को अछूत मानते हैं और उस पर लिखने से बचते हैं। लेकिन राजकुमार सिंह ने अपने इस उपन्यास में राजनीतिक व्यवस्था में अंदर तक धंसे विद्रूप को पूरी बेबाकी से अनावृत्त करने का दुस्साहस किया है। एक दबी-कुचली, उपेक्षित महिला के पतन और उत्थान के माध्यम से राजकुमार सिंह ने अपने अधिकार के प्रति सजग और सचेत होती बलात्कार पीड़िता एक स्त्री की मनोदशा और उसके द्वंद्व को बड़ी गहनता से इसमें व्यक्त किया है। *

-फीचर डेस्क

पुस्तक: सुनो! सुनीला सारंग शोकगाथा (दो खंडों में), **लेखक** : राजकुमार सिंह, **मूल्य:** 900 रुपए (प्रत्येक खंड), **प्रकाशक** : वैष्णो कम्युनिकेशन, दिल्ली

इक्विटी फंड के 14 चैम्पियन! निवेशकों को किया मालामाल

■ 5 साल में इन स्कीम ने अपनी कैटेगरी में दिया ज्यादा रिटर्न ■ ताजा आंकड़े सही स्कीम चुनने में कर सकते हैं आपकी मदद ■ रिस्क लेने की क्षमता है तो आप भी चुन सकते हैं ऐसे फंड ■ 5 साल में सबसे ज्यादा 49.98% औसत सालाना रिटर्न क्वांट स्मॉल कैप फंड के डायरेक्ट प्लान ने दिया ■ क्वांट इंफ्रास्ट्रक्चर फंड दूसरे नंबर पर है, जिसके डायरेक्ट प्लान ने 5 साल का औसत सालाना रिटर्न 40.19% दिया

किस कैटेगरी में कौन चैम्पियन

इक्विटी फंड की अलग-अलग सब-कैटेगरी में पिछले 5 साल के दौरान किस स्कीम ने मैक्सिमम रिटर्न दिया है, ये आंकड़े हम आपको इस रिपोर्ट के जरिये बताएंगे। इन आंकड़ों के जरिये आप इक्विटी फंड्स की अलग-अलग कैटेगरी में मिल रहे बेस्ट रिटर्न की तुलना कर पाएंगे, जिससे आपको अपने निवेश लक्ष्य के हिसाब से सही स्कीम चुनने में मदद मिलेगी।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

अगर आप इक्विटी फंड के चैम्पियन स्कीम्स के बारे में नहीं जानते हैं तो जान लीजिए। इन योजनाओं ने अपनी श्रेणी में सबसे ज्यादा रिटर्न देकर निवेशकों को मालामाल कर दिया है। अगर आप भी निवेश करने जा रहे हैं तो एक बार इनके बारे में अच्छे से जान लें, ये आपकी पूंजी बढ़ाने में काफी मदद कर सकती हैं। दरअसल, इक्विटी म्यूचुअल फंड्स को बहुत सारी अलग-अलग कैटेगरी में बांटा जाता है। इनमें लार्ज कैप, मिड कैप, स्मॉल कैप से लेकर फ्लेक्सी कैप, मल्टी कैप, ईएलएसएस और वैल्यू फंड तक कई कैटेगरी शामिल हैं। किसी भी निवेशक के लिए इतनी फंड कैटेगरी के बीच अपने लिए सही स्कीम का चुनाव करना मुश्किल हो सकता है। इस बारे में सही फैसले तक पहुंचने के लिए तमाम म्यूचुअल फंड स्कीम्स के सालाना रिटर्न के पिछले आंकड़ों की जानकारी काफी काम आ सकती है। इसीलिए हम यहां इक्विटी फंड की हर सब-कैटेगरी में पिछले 5 साल के दौरान सबसे ज्यादा सालाना रिटर्न देने वाली चैम्पियन स्कीम्स की जानकारी देने जा रहे हैं।

1. फंड कैटेगरी : स्मॉल कैप फंड
- 5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम : क्वांट स्मॉल कैप फंड
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 48.23%
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 49.98%

2. सब-कैटेगरी:सेक्टोरल/थीमैटिक फंड
- 5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम : क्वांट इंफ्रास्ट्रक्चर फंड
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 38.37%
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 40.19%

3. सब-कैटेगरी : मिड कैप फंड
- 5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम : क्वांट मिड कैप फंड
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 36.33%
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान): 38.76%

4. फंड-कैटेगरी : ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड
- 5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम : क्वांट ईएलएसएस टैक्स सेवर फंड
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 35.58
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 37.79

5. फंड-कैटेगरी : फ्लेक्सी कैप फंड
- 5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम : क्वांट फ्लेक्सी कैप फंड
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 35.93%
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 37.35%

6. फंड-कैटेगरी : मल्टी कैप फंड
- 5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम : क्वांट एक्टिव फंड
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 32.87%
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 34.55%

7. फंड-कैटेगरी : कॉन्ट्रा फंड
- 5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम : एसबीआई कॉन्ट्रा फंड
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 31.81
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 32.83

8. फंड-कैटेगरी : एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ)
- 5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम : सीपीएसई ईटीएफ
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 32.76
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : एनए

9. फंड-कैटेगरी : इंडेक्स फंड
- 5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम : मोतीलाल ओसवाल निफ्टी स्मॉलकैप 250 इंडेक्स फंड
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 30.91%
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 31.81%

10. फंड-कैटेगरी : लार्ज एंड मिड कैप फंड
- 5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम : क्वांट लार्ज एंड मिड कैप फंड
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 29.11%
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 30.71%

11. फंड-कैटेगरी : वैल्यू फंड
- 5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम : जेएम वैल्यू फंड
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 29.27%
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 30.25%

12. फंड-कैटेगरी : डिविडेंड यील्ड फंड
- 5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम : आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल डिविडेंड यील्ड इक्विटी फंड
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 27.33%
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 28.85%

13. फंड-कैटेगरी : फोकस्ड फंड
- 5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम : क्वांट फोकस्ड फंड
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 25.52%
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 27.76%

14. फंड-कैटेगरी : लार्ज कैप फंड
- 5 साल में सबसे ज्यादा रिटर्न देने वाली स्कीम : निप्पॉन इंडिया लार्ज कैप फंड
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (रेगुलर प्लान) : 22.57%
- 5 साल में स्कीम का औसत सालाना रिटर्न (डायरेक्ट प्लान) : 23.61%

किस स्कीम ने दिया सबसे ज्यादा रिटर्न

ऊपर दिए आंकड़ों के मुताबिक इक्विटी फंड की तमाम सब-कैटेगरी में पिछले 5 साल में सबसे ज्यादा 49.98% औसत सालाना रिटर्न क्वांट स्मॉल कैप फंड के डायरेक्ट प्लान ने दिया है। उसके बाद क्वांट इंफ्रास्ट्रक्चर फंड दूसरे नंबर पर है, जिसके डायरेक्ट प्लान का पिछले 5 साल का औसत सालाना रिटर्न 40.19% रहा है। हालांकि स्मॉल कैप और थीमैटिक फंड्स में निवेश को हाई रिस्क वाला माना जाता है, लेकिन जो निवेशक बेहतर रिटर्न के लिए ज्यादा रिस्क लेने की क्षमता रखते हैं, वे इन पर विचार कर सकते हैं। बाकी निवेशकों के लिए फ्लेक्सी कैप, मल्टी कैप, इंडेक्स फंड कैटेगरी की डायवर्सिफाइड स्कीम्स के कम जोखिम वाले ऑप्शन भी मौजूद हैं।

अब सीनियर सिटिजन को आयुष्मान बनाएगी केंद्र की एबीपीएमजेएवाई

केंद्र सरकार ने 70 साल से अधिक उम्र वाले बुजुर्गों के लिए आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबीपीएमजेएवाई) के तहत 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य बीमा कवर मुहैया कराने का फैसला किया है। इस योजना के तहत 70 साल से ऊपर के सभी बुजुर्गों को हेल्थ इंश्योरेंस कवरेज का लाभ दिया जाएगा, भले ही उनकी आर्थिक स्थिति कुछ भी हो। आयुष्मान भारत योजना की स्कीम में अब तक सिर्फ कमजोर आर्थिक स्थिति वाले नागरिकों को ही मुफ्त हेल्थ इंश्योरेंस की सुविधा मिलती रही है, लेकिन सरकार के नए फैसले के बाद अब सभी बुजुर्ग नागरिकों को यह जरूरी सुविधा मुहैया कराई जाएगी।

कौन हैं एलिजिबल

आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 70 साल से ऊपर के सभी नागरिक, चाहे उनकी आर्थिक स्थिति कोई भी हो, 5 लाख रुपये तक के हेल्थ इंश्योरेंस का लाभ लेने के लिए एलिजिबल यानी योग्य होंगे। इसके तहत उन्हें एक विशेष कार्ड जारी किया जाएगा, जिसकी मदद से वे योजना का लाभ प्राप्त कर पाएंगे। जो बुजुर्ग पहले से ही आयुष्मान भारत के तहत कवर किए गए हैं, उन्हें 5 लाख रुपये तक का अतिरिक्त टॉप-अप कवर मिलेगा, जो परिवार के अन्य सदस्यों के साथ साझा नहीं किया जाएगा। 70 साल से कम उम्र के नागरिकों को पहले की तरह पूरे परिवार के लिए लागू 5 लाख रुपये तक का हेल्थ इंश्योरेंस कवरेज मिलता रहेगा।

योजना के मुख्य लाभ

आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबीपीएमजेएवाई) के तहत सीनियर सिटिजन्स को हर साल 5 लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवर मिलेगा। योजना के जरिये इन प्रमुख सेवाओं का लाभ उठाया जा सकता है।

- ■मेडिकल जांच, उपचार व कंसल्टेशन
- ■अस्पताल में इलाज के दौरान भोजन और ठहरने की सुविधा
- ■ऑपरेशन, सर्जरी और अन्य मेडिकल प्रक्रियाएं
- ■दवाइयां और मेडिकल सामान
- ■आईसीयू व गैर-आईसीयू सेवाएं
- ■डायग्नोस्टिक और लैब जांच
- ■मेडिकल इंप्लांट्स
- ■इलाज के दौरान आने वाली जटिलताओं की देखभाल
- ■प्री-हॉस्पिटलाइजेशन केयर (भर्ती से 3 दिन पहले तक)
- ■डिस्चार्ज के बाद पोस्ट-हॉस्पिटलाइजेशन फॉलो-अप केयर (15 दिन तक)

बिजनेस साइट

बालाजी ग्रुप के 200 बिस्तरों वाले कैंसर हॉस्पिटल का उद्घाटन आज

रायपुर। श्री बालाजी ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल के नए 200 बिस्तरों वाले हॉस्पिटल का उद्घाटन आज जोरा में बीसीआर हॉस्पिटल के नाम से किया जाएगा। इस समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मुख्य अतिथि होंगे, जबकि अध्यक्षता डॉ. रमन सिंह करेंगे। विशेष अतिथियों में उप मुख्यमंत्री अरूण साव, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा, मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल, मंत्री ओपी चौधरी, पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर, सांसद बृजमोहन अग्रवाल और पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल शामिल होंगे। अस्पताल के चेयरमैन डॉ. देवेंद्र नायक के मुताबिक इस अस्पताल में कैंसर जैसे गंभीर बीमारियों के इलाज की विशेष सुविधाएं प्रदान की जाएंगी, जिससे प्रदेशवासियों को मेट्रो शहरों का दौरा करने की आवश्यकता नहीं होगी। अस्पताल एयरपोर्ट के नजदीक स्थित है और इसमें 5 स्टार सुविधाएं उपलब्ध होंगी। अस्पताल में 4 ऑपरेशन थियेटर और मल्टी स्पेशियालिटी सुविधाएं भी होंगी। अस्पताल की लॉबी 5 स्टार सुविधाओं से लैस होगी और 8 ओपीडी पूरी तरह से टोकन आधारित और हाईटेक होंगी। अस्पताल पूरी तरह से सेंट्रलाइज एसी से लैस है और अमेरिकन ओंकोलॉजी इंस्टिट्यूट के साथ एमओयू किया गया है, जिसका उद्देश्य कैंसर मरीजों को उत्कृष्ट चिकित्सा सुविधा प्रदान करना है। वीआईपी मरीजों के लिए विशेष वीआईपी आईसीयू 10 बेड का होगा, साथ ही 10 प्राइवेट और 10 सेमी प्राइवेट बेड के अलावा जनरल बेड और कैजुअल्टी की सुविधाएं भी उपलब्ध होंगी।

अविनाश वन : रेसीडेंशियल और स्टूडियो अपार्टमेंट के डेमो फ्लैट की हुई लॉन्चिंग

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अपने टॉलेस्ट टॉवर के लिए मशहूर अविनाश वन में शनिवार को रेसीडेंशियल और स्टूडियो (सर्विस) अपार्टमेंट के डेमो फ्लैट्स की लॉन्चिंग हुई। इस अवसर पर एमडी आनंद सिंघानिया, डायरेक्टर मुकेश सिंघानिया, प्रियांक सिंघानिया, यश सिंघानिया, अदित्य सिंघानिया, सौरभ अग्रवाल, प्रतीक शर्मा, जीएम सेल्स विपिन झा, एजीएम सेल्स मनीष झा और अविनाश ग्रुप के स्टाफ और कस्टमर्स मौजूद रहे।

जीई रोड, मैग्नेटो मॉल के सामने स्थित इस जी प्लस 19 फ्लोर वाले प्रोजेक्ट में 14 से 15 सितंबर तक एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया है। यह कार्यक्रम 'लिव, वर्क, प्ले और शॉप' कॉन्सेप्ट पर आधारित अविनाश वन की सुविधाओं और विशेषताओं को दर्शाने के लिए है, जहां आगंतुक लक्ज़री का अनुभव कर सकेंगे। अविनाश ग्रुप ने बताया कि यह प्रोजेक्ट मिक्स डेवलपमेंट लाइफस्टाइल का अनुभव कराता है, जिसमें परिवार के साथ सुखद समय बिताने और बेहतरीन सुविधाओं का आनंद लेने का मौका मिलेगा। स्टूडियो अपार्टमेंट का कल्चर लाने वाला अविनाश ग्रुप छत्तीसगढ़ का पहला रियल एस्टेट कंपनी है। जिसे लोगों ने काफी पसंद किया है। अविनाश वन के कमर्शियल स्पेस को 'हैप्पी स्ट्रीट' का नाम दिया गया है, जिसमें रिटेल शॉप्स, कैफे, एंकर शोरूम, रेस्टोरेंट, किओस्क और ऑफिस स्पेस शामिल हैं।

अब 15X15X15 का मैजिक जल्द बना सकता है करोड़पति

तैयारी
बिजनेस डेस्क

- 15 साल में 1 करोड़ बनाने का फॉर्मूला सीख गए तो होंगे धनवान
- अकेले 73 लाख रुपये तो सिर्फ ब्याज से ही कमा सकते हैं आप
- मतलब 15 हजार, 15 साल के लिए, 15% ब्याज पर निवेश करें

आपने पैसा तो कमा लिया, लेकिन इसे अब बढ़ाए कैसे। ऐसे तमाम सवाल एक निवेशक के मन में घूमते रहते हैं। ऐसे में जरूरी है कहीं भी निवेश करने से पहले बाजार की चाल को समझना और अपने लक्ष्य पर फोकस करना। इसके साथ ही जरूरी है थोड़ा सा रिस्क लेना। इसके बाद ही आप निवेश करेंगे तो कम समय में अच्छा खासा पैसा कमा सकते हैं। मसलन आप करोड़पति भी बन सकते हैं। बस एक बात का ध्यान रखना है। कि लक्ष्या और धैर्य से न भटकें। अपने निवेश को बढ़ाने के लिए 15X15X15 के मैजिक का सहारा ले सकते हैं। यह मैजिक बहुत काम का है। पैसों को बढ़ाने का शानदार तरीका है। ये रूल पैसे को 3 पार्ट में डिवाइड करता है। निवेश, अवधि और ब्याज। मतलब 15 हजार, 15 साल के लिए, 15% ब्याज पर निवेश करें। फिर देखना कंपाउंडिंग का कमाल। इस फॉर्मूले से निवेश की शुरुआत करेंगे तो करोड़पति बन सकते हैं, लेकिन, इसके पीछे भी एक फॉर्मूला काम करता है। वो है कम्पाउंडिंग का फॉर्मूला। पावर ऑफ कम्पाउंडिंग का फॉर्मूला यही सिखाता है कि निवेश हो तो लंबा हो।

क्या है पावर ऑफ कम्पाउंडिंग?

कंपाउंडिंग का सीधा सा अर्थ है चक्रवृद्धि ब्याज द्वारा आपके पैसे में बढ़ोत्तरी। अपनी बचत पर जो ब्याज आप अर्जित करते हैं, वह राशि मूलधन में वापस जोड़ दी जाती है, और फिर ब्याज राशि की गणना नई मूलधन राशि पर की जाती है। अब, मूलधन राशि हर साल बढ़ती रहती है, इसलिए आपके रिटर्न में भी बढ़ोत्तरी होती है।

इसे ऐसे समझें

- मूल निवेश पर ब्याज
- दोनों रकम पर फिर से ब्याज का फायदा
- निवेश+ ब्याज+ ब्याज+ ब्याज= कम्पाउंडिंग

कैसे बनेगा 15x15x15 से पैसा?

- निवेश - 15,000 रुपये मासिक
- अवधि - 15 साल
- ब्याज - 15 फीसदी
- कॉर्पस - 15 साल के बाद 1 करोड़ रुपये
- कुल निवेश - 27 लाख रुपये
- कम्पाउंडिंग - 73 लाख ब्याज से कमाई

15,000 नहीं 10 हजार से 1 करोड़ कब बनेंगे

अगर म्यूचुअल फंड के साथ मंथली एसआईपी करते हैं। इसकी शुरुआत 10 हजार रुपये से करें। आमतौर पर म्यूचुअल फंड में रिटर्न 12 फीसदी तक मिल सकता है। यहां आपको 20 तक के लिए निवेश करना होगा। 20 साल में आपका कुल निवेश 24 लाख रुपये होगा, लेकिन, इस पर जो ब्याज मिलेगा वो 74.93 हजार रुपये होगा। मतलब यहां पावर ऑफ कम्पाउंडिंग ने काम किया। एसआईपी की कुल वैल्यू 98.93 लाख रुपये पहुंच जाएगी। कुल 74.93 लाख रुपये का सिर्फ ब्याज आपने कमाया।

ब्याज पर ब्याज से बढ़ी कमाई

इसे ऐसे समझ सकते हैं कि कहीं निवेश करने पर आपकी जो कमाई होती है, उसे भी फिर से निवेश करना कंपाउंडिंग होता है। इसमें आपको मूलधन के साथ उसके ब्याज पर भी ब्याज मिलता है। कंपाउंडिंग आपके निवेश को बढ़ाने में जहां बड़ा जरिया है।

क्या होता है रिस्क यानी जोखिम?

रिस्क यानी जोखिम की परिभाषा वित्तीय शब्दों में वैसे अवसर के रूप में की जाती है जब परिणाम या निवेश का वास्तविक लाभ अपेक्षित परिणाम या रिटर्न की तुलना में अलग होगा। जोखिम में किसी मूल निवेश का कुछ या सारा कुछ गवां देने की आशंका शामिल है। मात्रात्मक रूप से, जोखिम का आकलन ऐतिहासिक व्यवहारों और परिणामों पर विचार करने के द्वारा किया जाता है। वित में, स्टैंडर्ड डेवियेशन को जोखिम से जुड़ा एक सामान्य मीट्रिक माना जाता है। स्टैंडर्ड डेवियेशन किसी समय सीमा में उनके ऐतिहासिक औसतों की तुलना में एसेट प्राइस की अस्थिरता की माप उपलब्ध कराता है। कुल मिला कर, जोखिम के मूलभूत तत्वों और किस प्रकार इसकी माप की जाती है, को समझने के द्वारा निवेश जोखिमों को प्रबंधित करना संभव और विवेकपूर्ण है। उन जोखिमों के बारे में जानना जो विभिन्न परिदृश्यों में लागू हो सकते हैं और उन्हें समग्र रूप से प्रबंधित करना सभी प्रकार के निवेशकों और बिजनेस मैनेजरों को अनावश्यक और भारी नुकसान से बचने में सहायता करेंगे।

निवेश करने से पहले जान लें कुछ सबक, आपके बेहद काम आएंगे

बेहतर फ्यूचर के लिए एक्सपर्ट निवेश की सलाह देते हैं **काफी लोग निवेश से घबराते हैं, क्योंकि यह जोखिम भरा** ज्यादातर एफडी जैसी फिक्स्ड रिटर्न वाली स्कीम चुनते हैं **एफडी में बिल्कुल भी जोखिम नहीं होता, पर रिटर्न काफी कम**

सुझाव
बिजनेस डेस्क

जिंदगी में किसी भी मोड़ पर पैसों को लेकर कोई दिक्कत न हो, इसलिए हम लोग बचत के साथ-साथ निवेश भी करना चाहते हैं। चूंकि निवेश का पहला कदम जोखिम उठाना होता है इसलिए वे घबराते भी हैं कि कहीं उन्हें रुपये-पैसों का भारी नुकसान न उठाना पड़े। बेहतर फ्यूचर के लिए एक्सपर्ट निवेश की सलाह देते हैं। काफी लोग निवेश करने से घबराते हैं क्योंकि काफी स्कीम में निवेश करना जोखिम भरा होता है। हालांकि कुछ लोग एफडी जैसी फिक्स्ड रिटर्न वाली स्कीम को चुनते हैं। क्योंकि इसमें बिल्कुल भी जोखिम नहीं होता, लेकिन रिटर्न काफी कम होता है। कई एक्सपर्ट ने निवेश से जुड़े अपने अनुभव साझा किए हैं। इनसे निवेशक कुछ सबक ले सकते हैं। जो उनके भविष्य की निवेश यात्रा में बेहद काम आएंगे।

ट्रेडिंग में अनुशासन और अनुभव जरूरी

बाजार के एक जानकार का कहना है कि शेयर बाजार में ट्रेडिंग शुरू करते समय किसी को भी जानकारी नहीं होती। मैंने कम पैसे लगाकर ज्यादा रिटर्न पाने के लालच में एफएंडओ को चुना। शुरुआत में सफलता मिली। शायद वह शुरुआती किस्मत थी। लेकिन वह जल्दी ही फीकी पड़ गई। मैं सिर्फ 1 साल के अंदर नुकसान में था। ट्रेडिंग में निवेश से ज्यादा अनुशासन और अनुभव की जरूरत होती है। मेरे नुकसान की भरपाई के लिए मां को गहने तक बेचने पड़े। उन्होंने कहा कि मैं निवेशकों को सलाह देता हूं कि वे फ्यूचर्स और ऑप्शंस की तरफ आकर्षित न हों।

ये सबक सीखे

▸ फ्यूचर्स और ऑप्शंस की तरफ आकर्षित न हों। ▸ क्योंकि यहां सफलता की दर केवल 1% ही है। ▸ ट्रेडिंग के लिए निवेश से ज्यादा अनुशासन और अनुभव की जरूरत। ▸ ट्रेडिंग में हमेशा स्टॉप लॉस रखें।

अलग-अलग जगह निवेश करना जरूरी

एक अन्य जानकार का कहना है कि साल 2001 में मैं जिस बैंक में काम करता था, वह अचानक बंद हो गया। मैं रातों-रात बेरोजगार हो गया और मेरी इनकम बंद हो गई। मैं नए मौकों के लिए इंग्लैंड चला गया। यहां भी कई तरह की चुनौतियां थीं और इसने फाइनेंशियल सिक्योरिटी के प्रति मेरी सोच को बदला। धीरे-धीरे मैंने शेयर, बॉण्ड्स और रियल एस्टेट में निवेश करना शुरू किया। इससे मेरे पोर्टफोलियो में डाईवर्सिफिकेशन आया। साथ ही लाइफ इंश्योरेंस भी लिया। सबसे अहम सबक है फाइनेंशियल प्लानिंग और किसी एक जगह निवेश न करके अलग-अलग जगह निवेश करना है।

ये सबक सीखे

▸ सारा निवेश एक ही जगह न करें। ▸ एक ही इनकम के भरोसे न रहें। ▸ इमरजेंसी फंड जरूर बनाएं।

गिरावट में खरीद हमेशा सही नहीं

शेयर बाजार में सेक्टर साइकल की समझ न होने के चलने खराब शेयरों में पैसा लगाया। मैंने 2006 में उस वक्त टॉप पर रहे चीनी के एक स्टॉक में निवेश किया, यह मानते हुए कि यह ऊपर की ओर बढ़ रहा है। 2005 से इसने जो अच्छे रिटर्न दिए, उससे मैं ओवर कॉन्फिडेंट हो गई। बाद में इसमें गिरावट आई। स्टॉक की कीमत में हर गिरावट के साथ मैंने इसमें और निवेश किया। बाद में स्टॉक की कीमत 70-80% तक गिर गई। 7 साल बाद मुझे इसे इसकी लागत के 5वें हिस्से से भी कम कीमत पर बेचना पड़ा।

ये सबक सीखे

- सेक्टर साइकल को समझना बेहद जरूरी है।
- पहले का प्रदर्शन भविष्य की गारंटी नहीं है।
- किसी शेयर ने पहले अच्छा प्रदर्शन किया है, इसका मतलब यह नहीं है कि वह हमेशा अच्छा प्रदर्शन करेगा।
- कभी-कभी नुकसान झेलकर आगे बढ़ना बेहद जरूरी है।

बुरे वक्त के लिए रखें तैयारी

जब आसानी से पैसा मिल रहा हो तो हम अक्सर समझदारी से खर्च नहीं करते। 2008 में मुझे एक झटका लगा। मैंने शेयर में कुछ करोड़ रुपये निवेश किए थे। लेकिन बाजार में गिरावट आई और मुझे सबसे कम कीमत पर इसे बेचना पड़ा, जिससे मेरा नुकसान हुआ। मेरी स्थिति ऐसी थी कि मुझे पैसे की जरूरत थी, पर मेरे पास ज्यादा ऑप्शन नहीं थे। इसने मुझे एक अहम सबक भी सिखाया कि हमेशा अचानक होने वाली चीजों के लिए तैयार रहें।

ये सबक सीखे

- फाइनेंशियल प्लानिंग को आसान रखें।
- इससे आप बेहतर तरीके से अपनी आर्थिक स्थिति को कंट्रोल कर सकते हैं
- बड़े जोखिम से बच सकते हैं।
- शेयर मार्केट में निवेश करते वक्त पूरी तरह से समझें कि जिस कंपनी में पैसा लगा रहे हैं, वह कैसे काम करती है और पैसा कैसे कमाती है।
- जीवन में अचानक आने वाली परिस्थितियों का सामना करने के लिए तैयार रहना चाहिए।

रहने के लिए खरीदें प्रॉपर्टी

जानकार बताते हैं कि मैं 2013 में अपने करियर के सिर्फ 3 साल बाद रियल एस्टेट की लहर में बह गया। गुरुग्राम में 60 लाख रुपये के लोन पर 1 करोड़ रुपये का घर खरीदा। यह एक गलत निवेश साबित हुआ। 60 हजार रुपये की ईएमआई का भारी बोझ भी था। इसने मेरे करियर की शुरुआत में जोखिम लेने और अलग-अलग विकल्पों को आजमाने की मेरी क्षमता को सीमित कर दिया। मैं खुशकिस्मत था कि मुझे अपने पहले स्टार्टअप से अच्छा मुनाफा मिला, जिसने मुझे अपने दूसरे स्टार्टअप के लिए अच्छी पूंजी दी। इसके बाद 2019 में मैं लोन वापस चुकाने में सक्षम हुआ। लेकिन लोन चुकाने की इस प्रक्रिया में मुझे 6 साल लग गए।

ये सबक सीखे

- कर्ज लेकर निवेश करना जोखिम भरा हो सकता है।
- लॉन्ग टर्म निवेश जैसे म्यूचुअल फंड, एसआईपी में निवेश करना बेहतर होता है। यह न सिर्फ फाइनेंशियल स्थिरता देता है, बल्कि रिस्क भी कम करता है।
- रियल एस्टेट को सिर्फ पर्सनल यूज के लिए ही खरीदना चाहिए न कि निवेश के मकसद से।

उधार के पैसों से कभी न लें शेयर

मेरी सबसे बड़ी गलतियों में से एक मेरे करियर की शुरुआत में हुई जब मैं इंग्लैंड में था। मैंने ग्लोबल फाइनेंशियल क्राइसिस में ग्लोबल शेयरों में निवेश करना शुरू किया था। शुरुआती फायदा देखने के बाद मैंने मार्जिन लागत से ज्यादा रिटर्न की उम्मीद में ब्लू-चिप शेयरों में निवेश करने के लिए मार्जिन मनी का इस्तेमाल किया। लेकिन 2008 के ग्लोबल बैंकिंग क्राइसिस ने बाजार में भारी गिरावट ला दी। जैसे ही शेयरों में गिरावट आई, सबसे खराब वक्त पर मार्जिन कॉल ट्रिगर हो गए, जिससे मुझे काफी नुकसान उठाना पड़ा।

भारतीय टीम ने अभ्यास के लिए साढ़े 6 फिट के बराड़ को बुलाया, 19 से पहला टेस्ट

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

पिछले कुछ वर्षों में भारतीय टीमें मैच के अभ्यास पर काफी हद तक निर्भर रही हैं और गौतम गंभीर की टीम भी इससे अलग नहीं है जो विशेष कौशल वाले नेट गेंदबाजों का चयन कर रही है ताकि 19 सितंबर से यहां शुरू हो रही बांग्लादेश श्रृंखला के लिए बल्लेबाजों को तैयार होने में मदद मिल सके। यहां चार दिवसीय शिविर के लिए बुलाए गए तेज गेंदबाजों में से एक पंजाब के गुरनूर बराड़ हैं जिन्होंने अब तक पांच प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं और वह पिछले सत्र में इंडियन प्रीमियर लीग के दौरान पंजाब किंग्स के साथ भी थे।

हालांकि गुरनूर का प्रथम श्रेणी रिकॉर्ड अच्छा नहीं है। लेकिन इस 24 वर्षीय खिलाड़ी के लिए जो चीज कारगर रही है वो उनकी छह फीट 4.5 इंच लंबा कद और तेज गति से गेंद फेंकने की उनकी क्षमता है।

तेज गेंदबाज बरपाएंगे कहर

ऐसा माना जा रहा है कि नई गेंद से गेंदबाजी करने वाले दो शानदार गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और मोहम्मद सिराज की मौजूदगी में भारत के 'टर्निंग पिच' पर खेलने की संभावना नहीं है और चेपक की पिच ऐसी हो सकती है जहां तेज गेंदबाजों और स्पिनरों दोनों को बराबर मदद मिलेगी। पर इस पर उछाल और अधिक हो सकता है इसलिए बांग्लादेश के लंबे कद के तेज गेंदबाज राणा को भी मौका मिल सकता है।

उछाल का सामना करने में मिलेगी मदद

ऐसा माना जा रहा है कि गुरनूर को बांग्लादेश के तेज गेंदबाज नाहिद राणा के गेंदबाजी एक्शन के लिए खास तौर पर बुलाया गया है जिन्होंने हाल में रावलपिंडी में पाकिस्तान के खिलाफ टेस्ट मैच में पांच विकेट चटकाए थे। राणा की गेंदबाजी की खासियत यह है कि छह फीट पांच इंच लंबे कद के कारण उन्होंने उछाल हासिल किया और पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टेस्ट में उन्होंने सीधी लाइन में गेंदबाजी की थी।

कोच ने संभाली कमान

भारत के नए गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल को सलाह देते हुए देखा गया कि स्टार बल्लेबाजों को गेंदबाजी किस तरह की जाए। मुंबई के ऑफ स्पिनर हिमांशु सिंह भी नेट्स का हिस्सा हैं। तमिलनाडु के बाएं हाथ के धीमे गेंदबाज एस अजीत राम ने भी नेट्स पर खूब पसीना बहाया। दूसरे दिन नेट्स पर तेज गेंदबाज आकाश दीप और यश दयाल ने बुमराह और सिराज की प्रमुख तेज गेंदबाज जोड़ी से ज्यादा गेंदबाजी की। एक महीने के ब्रेक के बाद अब सीनियर बल्लेबाज लय में आने की कोशिश कर रहे हैं।

आज पहुंचेगी बांग्लादेशी टीम

बांग्लादेश की टीम रविवार को चेन्नई पहुंचेगी। बांग्लादेश में अशांति और पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को हटाए जाने के ठीक बाद आने वाले मेहमानों के लिए कड़ी सुरक्षा व्यवस्था होगी। दरअसल बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के नए प्रमुख फारुख अहमद ने पिछले गुरुवार को ढाका में पत्रकारों से कहा कि बीसीसीआई सचिव जय शाह ने उन्हें जरूरी सुरक्षा व्यवस्था का आश्वासन दिया है।

खबर संक्षेप

33 सदस्यीय संभावित कोर टीम की घोषणा

बेंगलुरु। हॉकी इंडिया ने 15 सितंबर से नौ अक्टूबर तक होने वाले राष्ट्रीय कोचिंग शिविर के लिए शनिवार को 33 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा की। यह शिविर बेंगलुरु में भारतीय खेल प्राधिकरण के परिसर में लगेगा। यह शिविर 11 से 20 नवंबर तक बिहार के नवनिर्मित राजगीर स्टेडियम में खेली जाने वाली महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए टीम की तैयारी की शुरुआत होगी। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, 'आगामी राष्ट्रीय महिला कोचिंग शिविर महिला एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के लिए हमारी तैयारियों में एक महत्वपूर्ण कदम है।'

शुभंकर कोर्स रिकॉर्ड के साथ शीर्ष 15 में पहुंचे

रॉयल काउंटी डाउन। शुभंकर शर्मा आयरिश ओपन के दूसरे दौर छह अंडर 65 के कोर्स रिकार्ड के साथ शानदार वापसी करते हुए संयुक्त रूप से 15वें स्थान पर पहुंच गए।

शुभंकर ने दूसरे दौर में कमाल के प्रदर्शन के साथ आसानी से कट में जगह बना ली। पार 71 के कोर्स पर दो दौर के बाद उनका कुल स्कोर दो अंडर है। उन्होंने दूसरे दौर के शुरुआती तीन होल में लगातार तीन बर्डी लगाने के बाद पांचवें और आठवें होल में इस कारनामे को दोहराया। उन्होंने 11वें, 12वें, 17 और 18वें होल में भी बर्डी लगाई जबकि चौथे, छठे और 15वें होल में बोगी कर बैठे।

पीएसपीबी, आरएसपीबी ने फाइनल में बनाई जगह

पुणे। पेट्रोलियम खेल संवर्धन बोर्ड और रेलवे खेल संवर्धन बोर्ड शनिवार को चौथी हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष अंतर-विभागीय राष्ट्रीय चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंच गए।

पीएसपीबी ने बड़े स्कोर वाले पहले सेमीफाइनल में सेना खेल नियंत्रण बोर्ड पर 5-3 से जीत हासिल की जबकि आरएसपीबी ने दूसरे सेमीफाइनल के कड़े मुकाबले में भारतीय खाद्य निगमको 2-1 से हराया।

वियतनाम ओपन में भारतीय चुनौती समाप्त

हो ची मिन्ह सिटी। ध्रुव कपिला के बीमार हो जाने के कारण उनकी और तनीषा क्रैस्टो की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी को शनिवार को यहां अपने सेमीफाइनल मैच से हटना पड़ा जिससे वियतनाम ओपन सुपर 100 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत की चुनौती भी समाप्त हो गई। कपिला और क्रैस्टो की छठी वरीयता प्राप्त जोड़ी को सेमीफाइनल में अदनान मौलाना और इंदाह काह्या सारी जमील की इंडोनेशियाई जोड़ी का सामना करना था।

एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी : पाक के खिलाफ 9 साल से भारत अजेय

भारत की 5वीं जीत, पाकिस्तान को 2-1 से रौंदा, हरमनप्रीत के दो गोल

एजेंसी ▶▶| हुलुनबुइर

कप्तान हरमनप्रीत सिंह के पेनल्टी कॉर्नर पर किए गए दो गोल की बदौलत गत चैंपियन भारत ने अपना अपराजेय अभियान जारी रखते हुए शनिवार को यहां चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को 2-1 से हराकर हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। भारत की यह छह टीमों के राउंड रॉबिन टूर्नामेंट में लगातार पांचवीं जीत है। पाकिस्तान ने अहमद नदीम (8वें मिनट) के गोल से बढ़त हासिल की लेकिन हरमनप्रीत सिंह (13वें और 19वें मिनट) ने दो पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर भारत को जीत दिलाई।

भारत और पाकिस्तान दोनों ने इससे पहले अंतिम चार के लिए क्वालीफाई कर लिया था। इस जीत की बदौलत भारत ने 2016 से पाकिस्तान पर अपना दबदबा कायम रखा है। दोनों टीमों के बीच पिछली भिड़ंत हांग्झोउ एशियाई खेलों में हुई थी जिसमें भारत ने पाकिस्तान को 10-2 से हराया था। इससे कुछ महीने पहले भारतीयों ने एसीटी के चेन्नई चरण में पाकिस्तान को 4-0 से हराया था। जकार्ता में एशिया कप में भारत की युवा टीम ने पाकिस्तान को 1-1 से बराबरी पर रोका जबकि ढाका में 2021 एसीटी में भारत ने पाकिस्तान को 4-3 से हराकर कांस्य पदक जीता था।

कल कोरिया से होगा सामना

पेरिस ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता और प्रबल दावेदार भारत का सामना सेमीफाइनल में कोरिया से होगा जबकि पाकिस्तान की भिड़ंत चीन से होगी। राउंड रॉबिन प्रारूप से शीर्ष चार टीमें 16 सितंबर को होने वाले सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया जबकि फाइनल 17 सितंबर को होगा।

क्वार्टर 1

भारत और पाकिस्तान के बीच किसी भी मैच की तरह पहले क्वार्टर में दोनों टीमों ने जीत हासिल करने के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। भारतीयों ने शुरुआत में शानदार प्रदर्शन करते हुए दबदबा बनाया, लेकिन जैसे जैसे मैच आगे बढ़ा पाकिस्तान का आत्मविश्वास बढ़ता गया। नदीम ने गेंद भारतीय गोल में पहुंचाकर अपनी टीम को आगे कर दिया। इस गोल से स्तब्ध भारत ने संयम बनाए रखा और हमले जारी रखे। टीम ने 13वें मिनट में अपना पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया और कप्तान हरमनप्रीत ने पाकिस्तानी गोलकीपर मुन्नेब के बाईं ओर एक ताकतवर ड्रैग फ्लिक से गोल किया।

क्वार्टर 2

भारतीयों ने दूसरे क्वार्टर में दबाव बनाना जारी रखा और 19वें मिनट में अपना दूसरा पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। एक बार फिर पाकिस्तानी रक्षण के पास कोई जवाब नहीं था और हरमनप्रीत के सटीक शॉट से भारत 2-1 से आगे हो गया। दूसरे क्वार्टर में भारत गेंद को कब्जे में रखने में सफल रहा। पाकिस्तान ने कई मौकों पर प्रतिद्वंद्वी सर्कल में सेंध लगाने के मौके बनाए। दूसरे हाफ से मात्र 45 सेकंड पहले पाकिस्तान के पास बराबरी का मौका था लेकिन यह विफल रहा।

क्वार्टर 3

भारतीयों ने छोर बदलने के बाद भी दबदबा बनाए रखा और 37वें मिनट में अपना तीसरा पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। लेकिन गोल नहीं कर सके। पाकिस्तान ने इसके बाद लगातार चार पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए लेकिन भारतीय रक्षापंक्ति को नहीं भेद सके।

क्वार्टर 4

अंतिम क्वार्टर में दोनों टीमों ने लगातार हमले किए। भारत ने तीन और पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए लेकिन गोल करने में विफल रहा। मैच में हरमनप्रीत और पाकिस्तान के अशरफ वहीद राणा के बीच तीखी नोकझोंक भी देखने को मिली। ऐसा राणा के भारतीय सर्कल के अंदर जुगराज सिंह को कंधा मारने के बाद हुआ। जुगराज इस धक्के से गिर गए थे और दर्द से कराह रहे थे। मैदानी अंपायर और पाकिस्तान के कप्तान बट और दोनों टीमों के अन्य खिलाड़ी स्थिति को नियंत्रित करने के लिए दौड़े। राणा को पीला कार्ड दिखाया गया।

क्रिकेट

लिविंगस्टोन ने इंग्लैंड को ऑस्ट्रेलिया पर दिलाई जीत

एजेंसी ▶▶| कार्डिफ

लियाम लिविंगस्टोन और जैकब बेथेल ने 47 गेंदों पर 90 रन की साझेदारी करके इंग्लैंड को दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में ऑस्ट्रेलिया पर तीन विकेट से जीत दिलाई। इंग्लैंड ने इस तरह से तीन मैच की श्रृंखला 1-1 से बराबर की। तीसरा और निर्णायक मैच रविवार को ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला जाएगा। ऑस्ट्रेलिया ने पहले बल्लेबाजी करते हुए छह विकेट पर 193 रन बनाए।

चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करने के लिए उतरे इंग्लैंड की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसका स्कोर एक समय तीन विकेट पर 79 रन था। लिविंगस्टोन और बेथेल ने यहीं से मोर्चा संभाला। बेथेल के 24 गेंदों में 44 रन बनाकर आउट होने से इंग्लैंड की स्थिति फिर से नाजुक हो गई लेकिन लिविंगस्टोन ने 47 गेंदों में पांच छक्कों और छह चौकों की मदद से 87 रन की शानदार पारी खेलकर उसे जीत की दहलीज पर पहुंचा दिया। जब स्कोर बराबर था तब लिविंगस्टोन आउट हो गए। ऐसे में आदिल रशीद ने विजयी रन बनाकर इंग्लैंड का स्कोर 19 ओवर में सात विकेट पर 194 रन पर पहुंचाया। इंग्लैंड की तरफ से सलामी बल्लेबाज फिल साल्ट ने भी 39 रन का योगदान दिया। ऑस्ट्रेलिया की तरफ से कामचलाउ स्पिनर मैथ्यू शॉर्ट ने अपने करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए 22 रन देकर पांच विकेट लिए।

शतरंज ओलंपियाड

भारत की पुरुष टीम ने हंगरी बी और महिला टीम ने स्विट्जरलैंड को हराया

एजेंसी ▶▶| बुडापेस्ट

भारत की पुरुष टीम ने प्रतियोगिता में पहली बार अंक गंवाया लेकिन इसके बावजूद उसने हंगरी बी को 3.5-0.5 से हराकर यहां चल रहे 45वें शतरंज ओलंपियाड में अपना विजय अभियान जारी रखा।

ओपन वर्ग में भारतीय टीम की जीत के नायक अर्जुन ऐरीगैसी रहे जिन्होंने पीटर प्रोहाज़्स्का के खिलाफ आक्रामक खेल खेला और शानदार जीत दर्ज की। विदित गुजराती को हालांकि पप्प गैबोर के खिलाफ ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। वर्तमान प्रतियोगिता में यह पहला अवसर है जबकि कोई भारतीय पुरुष खिलाड़ी जीत हासिल करने में असफल रहा। लेकिन डी गुकेश ने एडम कोज़ाक को और आर प्रज्ञाननंदा ने तमस बानुज़ को हराकर भारत की बड़ी जीत सुनिश्चित की। महिला वर्ग में शीर्ष बोर्ड पर डी. हरिका की करारी हार के बावजूद आर वैशाली, दिव्या देशमुख और वंतिका अग्रवाल ने शानदार जीत दर्ज की जिससे भारतीय टीम स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराने में सफल रही। भारतीय महिला टीम अभी छह अंकों के साथ संयुक्त बढ़त पर है।

अमेरिकन गैम्बिट्स का गीत अश्विन ने किया जारी

चेन्नई। भारत के स्टार क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने ग्लोबल शतरंज लीग के दूसरे सत्र से पहले शनिवार को यहां अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अमेरिकन गैम्बिट्स फ्रेंचाइजी का गीत जारी किया। 'मेक द वर्ल्ड गो' नामक यह गीत चरण राज ने लिखा है और कार्तिक चेन्नोजीराव ने इसे स्वर दिया है। यह गीत टीम की एकता और रणनीति को रेखांकित करता है। अपनी उंगलियों के जादू से दुनिया भर के बल्लेबाजों को परेशान करने वाले 37 वर्षीय अश्विन इस फ्रेंचाइजी टीम के सह मालिक हैं।

डायमंड लीग फाइनल में नौवें स्थान पर रहे साबले

एजेंसी ▶▶| बुडापेस्ट

ब्रसेल्स। राष्ट्रीय रिकॉर्ड धारक 3000 मीटर स्टीपलचेज धावक अविनाश साबले शुक्रवार देर रात को यहां डायमंड लीग फाइनल में निराशाजनक प्रदर्शन के साथ नौवें स्थान पर रहे। अपना 30वां जन्मदिन मना रहे साबले पहली बार डायमंड लीग फाइनल में हिस्सा ले रहे थे। वह 10 खिलाड़ियों की दौड़ में आठ मिनट 17.09 सेकंड के समय के साथ नौवें पायदान पर रहे। कीनिया के अमोस सेरेम आठ मिनट 06.90 सेकंड के समय के साथ डायमंड लीग चैंपियन बने, जबकि मौजूदा ओलंपिक और विश्व चैंपियन मोरक्को के सौफियाने एल बक्काली (आठ मिनट 08.60 सेकंड) ने दूसरा स्थान हासिल किया। ट्यूनीशिया के मोहम्मद अमीन झिनाउई आठ मिनट 09.68 सेकंड के साथ तीसरे स्थान पर रहे।

स्पेन ने फ्रांस को हराकर अंतिम आठ में किया प्रवेश

अमेरिका, जर्मनी, स्पेन और ऑस्ट्रेलिया की शानदार जीत

एजेंसी ▶▶| शुहाई

अमेरिका ने स्लोवाकिया को 3-0 से हराकर जर्मनी, स्पेन और ऑस्ट्रेलिया के साथ डेविस कप फाइनल्स के अंतिम आठ में जगह बनाई। स्पेन ने फ्रांस को हराकर अंतिम आठ में प्रवेश किया। उसके स्टार खिलाड़ी और चार बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन कार्लोस अल्कराज ने उगो हम्बर्ट को 6-3, 6-3 से हराया। इससे पहले अनुभवी रॉबर्टो बॉतिस्ता अगुट ने आर्थर फिल्स के खिलाफ पहला एकल 2-6, 7-5, 6-3 से जीता।

स्पेन की जीत से ऑस्ट्रेलिया भी ग्रुप बी से आगे बढ़ने में सफल रहा। अमेरिका को स्लोवाकिया को हराने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। मैकेंज़ी मैकडोनाल्ड ने लुकास क्लेन को 6-4, 6-3 से जबकि डेविस कप में पदार्पण करने वाले ब्रैंडन नकाशिमा ने जोज़ेफ़ कोवालिच को 6-3, 6-3 से पराजित किया। अमेरिका ने युगल में भी जीत हासिल की। पिछले महीने पेरिस ओलंपिक में पुरुष युगल फाइनल में हारने वाले ऑस्टिन क्राजिस्क और राजीव राम ने क्लेन और नॉर्बर्ट गोम्बोस को 6-7 (4), 7-6 (4), 10-1 से हराया। अमेरिका की जीत से जर्मनी भी अंतिम आठ में पहुंच गया। इटली ने बोलोग्ना में बेल्जियम को 2-1 से हराकर अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। अर्जेंटीना ने ब्रिटेन को 2-1 से हराया। ब्रिटेन को अपने दोनों एकल मैच में हार का सामना करना पड़ा और इस तरह से वह क्वालीफाई करने से चूक गया।

बांग्लादेश के खिलाफ श्रृंखला के लिए नए गेंदबाजी कोच ने संभाली

भारतीय व्यवस्था को बेहतर बनाना लक्ष्य : मोर्कल

एजेंसी ▶▶| चेन्नई

भारत के नए गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्कल का मानना है कि भारतीय क्रिकेट की व्यवस्था अपने आप संचालित होती है और उनका लक्ष्य छोटे-छोटे तरीकों से इसे बेहतर बनाना होगा। मोर्कल काफी समय से भारत में रह रहे हैं। वह भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर के साथ लखनऊ सुपर जॉइंट्स के सहयोगी स्टाफ में भी शामिल थे। इसलिए वह भारतीय क्रिकेट की व्यवस्था से अच्छी तरह वाकिफ हैं और जानते हैं कि उन्हें इसमें किस तरह से काम करना है।

मोर्कल ने बीसीसीआई टीवी से कहा, 'यहां एक ऐसी व्यवस्था है जो अपने आप संचालित होती है। इसलिए इसे सुरक्षित रखना और छोटे-छोटे तरीकों से इसे बेहतर बनाना ही लक्ष्य होगा।' दक्षिण अफ्रीका के इस पूर्व तेज गेंदबाज को यह भी लगता है कि रोहित शर्मा, विराट कोहली, रविंद्र जडेजा, रविचंद्रन अश्विन और जसप्रीत बुमराह हमेशा अपने-अपने विभाग में मोर्चा संभालेंगे और उनका काम उन्हें सर्वश्रेष्ठ सलाह देना होगा। जल्द ही 40 वर्ष के होने वाले मोर्कल ने कहा, 'हम भाग्यशाली हैं कि हमारे पास उच्च स्तर के खिलाड़ी हैं जो हमेशा अपने क्षेत्र में मोर्चा संभालेंगे। हमारी जिम्मेदारी उनका समर्थन करना और उन्हें सर्वोत्तम सलाह देना है जो हम दे सकते हैं।' अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 544 विकेट लेने वाले मोर्कल भारतीय खिलाड़ियों का पेशेवर रवैया देख कर भी हैरान हैं। उन्होंने कहा, 'यह अच्छा संकेत है और उम्मीद है कि हम इसे आगे बढ़ाने में अपना योगदान देंगे।'

खिलाड़ियों को समझने का कर रहा प्रयास

मोर्कल बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली टेस्ट श्रृंखला से पहले लगाए गए अभ्यास शिविर में टीम से जुड़े और वह खिलाड़ियों के साथ भरोसा बनाने के साथ इस पर भी गौर कर रहे हैं कि वह उनकी कैसे मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा, 'मेरे लिए खिलाड़ियों के साथ अच्छे रिश्ते बनाना महत्वपूर्ण है। मैं इनमें से कई खिलाड़ियों के साथ खेला हूं और आईपीएल के कारण मेरे उनके साथ अच्छे संबंध हैं। खिलाड़ियों के साथ दोस्ती और अच्छे संबंध बनाना बेहद महत्वपूर्ण होता है। मैं खिलाड़ियों को समझने और उनके मजबूत और कमजोर पक्षों को जानने का प्रयास कर रहा हूं तथा आगामी श्रृंखला में उनके लक्ष्य तय करने में मदद करना चाहता हूं।'

आसमान में दिखेंगे दो चंद्रमा! धरती को जल्द मिलेगा एक और चांद

एजेंसी ▶▶| वॉशिंगटन

सौर मंडल में कई ग्रह हैं। इन ग्रहों के पास एक से अधिक चंद्रमा हैं, लेकिन पृथ्वी के पास सिर्फ एक चांद हैं। अब इस बीच वैज्ञानिको ने बड़ी जानकारी दी है। उनका कहना है कि पृथ्वी को जल्द ही एक अस्थायी चंद्रमा मिल सकता है। मतलब यह है कि कुछ समय के लिए पृथ्वी के पास दो चंद्रमा होंगे। यह एक बेहद दुर्लभ खगोलीय घटना है। इस घटना से पृथ्वी की गुरुत्वाकर्षण की ताकत दिखेगी। हालांकि, यह आसमान में दिखने वाले चंद्रमा की तरह नहीं होगा, बल्कि यह एक एस्टेरॉयड के रूप में बेहद छोटा होगा। छोटा चांद बनाने वाले एस्टेरॉयड का नाम 2024 PT5 है।

■ अंतरिक्ष में होने जा रही दुर्लभ घटना

वैज्ञानिकों ने 7 अगस्त 2024 को इस एस्टेरॉयड की खोज की थी, जिसका व्यास करीब 10 मीटर है। 29 सितंबर से 25 नवंबर तक इस पर पृथ्वी के गुरुत्वाकर्षण का प्रभाव रहेगा।

इस अवधि के दौरान यह एस्टेरॉयड पृथ्वी की परिक्रमा करेगा, लेकिन एक चक्कर नहीं लगा पाएगा। यह 25 नवंबर 2024 के बाद यह धरती के गुरुत्वाकर्षण से बाहर चलेगा और फिर सूर्य का चक्कर लगाएगा। अमेरिकन एस्ट्रोनॉमिकल सोसायटी ने इससे संबंधित पेपर प्रकाशित किया है। इसमें शोधकर्ताओं ने निष्कर्षों का विवरण दिया।

आसमान में क्या दिखेगा?

एस्टेरॉयड का अपेक्षाकृत कम वेग और पृथ्वी के लगभग आना गुरुत्वाकर्षण को अस्थायी रूप से इसको रास्ता बदलने की अनुमति देगा, जिससे यह एक लघु चंद्रमा बन जाएगा। इससे पहले भी पृथ्वी के लघु चंद्रमा रहे हैं। 2024PT नग्न आंखों या छोटे टेलीस्कोप से देखने पर बहुत धुंधला दिखेगा। इसकी तीव्रता 22 होगी जो उन्नत ऑब्जर्वेटरी में ही दिखेगा। वैज्ञानिक इसे अध्ययन के लिए सुनहरा मौका मान रहे हैं।

जानिए पेपर में क्या लिखा है?

वैज्ञानिकों ने पेपर में लिखा है कि पृथ्वी के निकट की वस्तुएं (नियर अर्थ ऑब्जेक्ट) घोड़े के नाल जैसे पथ का अनुसरण करती हैं। यह ग्रह के करीब और कम सापेक्ष वेग से पहुंचती है, तो मिनी मून जैसी घटना होती है।

पूजा में शांति से बैठे दिखे पालतू श्वान, पंडित जी ने सिर पर लगाया तिलक! हाथ पर बांधा कलावा

नई दिल्ली। इंसानों को इस बात का भ्रम है कि परमात्मा पर सिर्फ उनका हक है, इस वजह से वो धार्मिक स्थानों पर जानवरों को नहीं घुसने देते। उन्हें अपवित्र मानते हैं। पर वो ये नहीं समझते कि परामात्मा किसी भी धर्म के क्यों न हों, वो हर जीव को अपनी संतान की तरह प्यार करते हैं। चींटी से लेकर हाथी तक हर जीव परमात्मा में से ही निकला है। ये नजारा देखकर आपकी आंखों में आंसू आ जाएंगे, क्योंकि वो श्वान बेहद शांति से बैठकर हाथ पर कलावा बंधवा रहे हैं और पंडितजी सिर पर तिलक लगा रहे हैं।

पहली बार 1979 में रोबोट ने ली थी इंसान की जान

लंदन। आईएफएलएस सांइस की एक रिपोर्ट के अनुसार, पहली बार रोबोट ने 45 साल पहले 1979 में किसी व्यक्ति को मारा था। रिकॉर्ड के अनुसार, रॉबर्ट विलियम्स रोबोट द्वारा मारे जाने वाले पहले व्यक्ति थे। यह घटना अमेरिका में हुई थी। 25 वर्षीय रॉबर्ट मिशिगन के फ़्लैट रॉक में फोर्ड मोटर कंपनी के कास्टिंग प्लांट में काम करते थे। घटना के दिन, वह एक पार्ट्स-रिट्रीवल सिस्टम के साथ काम कर रहा था। विलियम्स मशीन की खराबी जांचने के लिए शेलफ़िंग यूनिट की तीसरी मंज़िल पर चढ़ गए कि क्या गड़बड़ है। तब यांत्रिक हाथ ने 'पीछे से प्रहार किया और उन्हें कुचल दिया'।

सोलापुर में खिला 1008 पंखुड़ियों वाला खूबसूरत कमल

नई दिल्ली। सोलापुर के गणपति घाट के पास स्थित सकुबाई हीराचंद नेमचंद कन्या प्रशाला में एक दुर्लभ और अद्भुत सहस्त्रदल कमल का फूल खिला है। इस अनोखे फूल की खासियत यह है कि इसमें 1008 पंखुड़ियां होती हैं, जो इसे सामान्य कमल से अलग बनाती हैं। यह पहली बार है कि सोलापुर में ऐसा दुर्लभ कमल खिला है, जिससे उद्यान प्रेमियों में काफी उत्साह और आश्चर्य का माहौल है। कमल प्रेमी रेवती कुलकर्णी, जिन्होंने इस फूल को उगाया है, ने बताया कि इस पौधे में कुल तीन कलियां हैं, जिनमें से दो पहले ही खिल चुकी हैं।

(NABH से मान्यता प्राप्त) सुयश हॉस्पिटल
मेडिसीन विभाग
• खून की कमी
• खून कम बनना
• सांस से संबंधित बीमारियां
• डायबीटिज
• थायराइड
• हेपेटाइटिस बी
24 Hours Helpline 9926386660
कोटा-गुढ़ियारी रोड़, हॉटल पिकाडली के पीछे, रायपुर

कालड़ा बर्न एवं प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी सेंटर
फेस लिफ्ट
■ बोटाक्स-फिलर ■ थ्रेड लिफ्ट ■ स्किन पॉलिशिंग ■ लेज़र फेशियल
कॉल : 9827143060/8871003060

करुणा श्री कैंसर हॉस्पिटल
अरबिंदो नेत्रालय के पास, पचपेड़ी नाका, रायपुर
कैंसर का इलाज संभव है
मुंह एवं गले का कैंसर
बच्चेदानी का कैंसर
स्तन कैंसर
रक्त सम्बन्धी विकार
पेट, लिवर, गुदा द्वार का कैंसर
+ उपलब्ध सुविधाएं +
कीमोथेरेपी
सर्जरी
रेडिएशन
इम्यूनोथेरेपी
आयुष्मान भारत योजना से अनुबंधित
0771 4280003, 6232143778

कब्ज का काल कब्ज नाल
आप ने बहुत से कब्जीयत की दवा ली परंतु बात नहीं बनी स्नेह कब्जनाल चूर्ण के पहले खुराक से पेट खुश तो आप भी खुश पेट के संपूर्ण रोगों के लिए आशीर्वाद यह नये-पुराने चिपके हुए मल को शोधन कर आँतों को साफ रखता है। बवासीर को ठीक करता है।
सभी मेडिकल व जनरल स्टोर में उपलब्ध एक बार अवश्य प्रयोग करें
अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें Mob. : 93032-42200

BALCO Medical Centre
बालको मेडिकल सेंटर के साथ रहिये कैंसर से एक कदम आगे
NABH व NABL से मान्यता प्राप्त कैंसर अस्पताल
70 से अधिक सफल बोन मेरो ट्रांसप्लांट
मध्य भारत का अत्याधुनिक कैंसर अस्पताल
हॉस्पिटल - सेक्टर 36, नया रायपुर, छ.ग. 8282823333/4444

ओम हॉस्पिटल
डॉ. प्रतीक बारले
डॉ. हनुमंत
मो. 8370008551
मो. 9302734809
मो. 8370008558

आयुष्मान कार्ड से कीमोथेरेपी, रेडियोथेरेपी एवं सर्जरी की सुविधा
मित्तल हॉस्पिटल
कैंसर विभाग
भिलाई: सूर्या मॉल के पास, फोन: 77228 80844, 0788 2294440
रायपुर: अवंति बाई चौक, पंडरी, फोन: 93430 79151, 91313 99570
• कैंसर सर्जरी • कीमोथेरेपी • रेडियोथेरेपी
द्वारा अनुबंधित ESIC RAILWAY SECL CGHS TPA

संजीवनी कैंसर हॉस्पिटल
छत्तीसगढ़ का एक अत्याधुनिक सम्पूर्ण कैंसर हॉस्पिटल जहां एक ही छत के नीचे निम्नलिखित एडवांस्ड सुविधाएं उपलब्ध
रोबोटिक कैंसर सर्जरी | रैपिड आर्क रेडियोथेरेपी | पेट स्कैन | स्पैक्ट (गामा कैमेरा)
बोन मैरो ट्रांसप्लांट | आयोडीन थेरेपी | कीमो, इम्यूनो थेरेपी | फ्रोज़न व आई.एच.सी.
दावड़ा कॉलोनी, पचपेड़ी नाका, रायपुर (छ. ग.)
7389905010, 7389904010, +91 7714081010, 4061010

Shri Balaji Group of Hospitals & Colleges
BCR HOSPITAL
(श्री बालाजी कैंसर रिसर्च एवं सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल)
भव्य शुभारंभ
सस्नेह निमंत्रण...
ADVANCED LINEAR ACCELERATOR (TRUE BEAM) | PET SCAN | CATH LAB | MRI | ADVANCE ICU SETUP | MODULAR OPERATION THEATER
15 सितम्बर 2024 रविवार
समय : सुबह 11:00 बजे
स्थान : पंजाब केसरी भवन के पास, जोरा, रायपुर
200 बिस्तरों का कैंसर एवं सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल
कैंसर में रेडिएशन थेरेपी के लिए ट्रूबीम की सुविधा उपलब्ध
कैथलैब, एम आर आई, सिटी स्कैन, सोनोग्राफी एवं डायलिसिस की सुविधा उपलब्ध
एडवांस आई.सी.यू, मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर
पेट स्कैन की सुविधा उपलब्ध
विश्व की अग्रणी कैंसर इंस्टीट्यूट में से एक अमेरिकन ऑन्कोलॉजी इंस्टीट्यूट (AOI) से अनुबंध
मुख्य अतिथि: माननीय श्री विष्णु देव साय जी, मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन
अध्यक्षता: माननीय डॉ. रमन सिंह जी, विधानसभा अध्यक्ष, छत्तीसगढ़ शासन
अतिविशिष्ट अतिथि
आपके आगमन की प्रतीक्षा में
एवं समस्त श्री बालाजी परिवार
हमारे प्रेरणा स्रोत : श्री आर. के. नायक, श्रीमती सत्यवती नायक | स्व. श्री प्रीतम सिंह जुनेजा, स्व. करतार कौर जुनेजा | श्री सुरिंदर सिंह सलूजा, श्रीमती मंजीत कौर
संपर्क करें : 9039024181, 9039024182, 9039024183 ईमेल : acc.sbcrh@gmail.com

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com